RNI NO. DELHI/2012/48369
वर्ष 8 अंक 271
नई दिल्ली, शुक्रवार, 7 अगस्त, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

लोग मुझे तब तक नहीं स्वीकार करेंगे जब तक मैं कुछ खास नहीं करती

विविध-12

पहली बार केंद्र ने चीनी घुसपैठ को माना, फिर हटाए दस्तावेज

रक्षा मंत्रालय की वेबसाइट से डिलीट दस्तावेज के मुताबिक, भारतीय भू भाग में चीनी सेना का अतिक्रमण है मौजूदा तनाव की जड़

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट से मई की शुरुआत में पूर्वी लद्दाख में चीन की घुसपैठ का विस्तृत ब्योरा देने वाले दस्तावेजों को हटा दिया है। यह पहला मौका था जब केंद्र सरकार ने आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया था कि भारतीय भू-भाग में चीनी सेना की घुसपैठ के चलते ही वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर टकराव की स्थिति पैदा हुई।

रक्षा मंत्रालय की वेबसाइट के व्हॉट्स न्यू सेक्शन पर इन दस्तावेजों को मासिक रिपोर्ट के हिस्से के रूप में अपलोड किया गया था और पिछले मंगलवार तक ये वहां मौजूद थे। हालांकि, गुरूवार को इन्हें हटा लिया गया। दस्तावेजों को वेबसाइट से डिलीट करने को लेकर मंत्रालय ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया। पहली बार इस बात को स्वीकर करते हुए कि चीन की सेना ने भारतीय भू-भाग पर कब्जा किया है, रिपोर्ट में बताया गया कि एलएसी पर कायम

● हटाई गई रिपोर्ट में बताया गया-चीनी ने 17, 18 मई को कुरंग नाला, गोगरा, पैंगोंग त्सो (लेक) के उत्तरी तट जैसे इलाकों में किया कब्जा

मौजूदा तनाव के पीछे चीन की एकतरफा घुसपैठ मुख्य वजह रही है। इस बात की पूरी संभावना है कि यह स्थिति अभी बरकरार रहेगी।

मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट के न्यू सेक्शन पर डाली इस रिपोर्ट में माना है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी)पर, खासकर गलवान घाटी में 5 मई के बाद से चीन का अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। चीनी सेना ने 17-18 मई को कुरंग नाला, गोगरा और पैंगोंग त्सो (लेक) के उत्तरी तट जैसे इलाकों पर अतिक्रमण किया। वहीं दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीमा की अस्थिर स्थिति पर चर्चा के लिए जून में बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कहा था कि न तो किसी ने हमारे भू-भाग में घुसपैठ की है और न ही हमारी किसी चौकी पर कब्जा जमाया है। चाहे तैनाती हो चाहे कार्रवाई या फिर जवाबी कार्रवाई, हमारी सेनाएं देश की रक्षा के लिए जरूरी हर कदम उठा रही हैं।

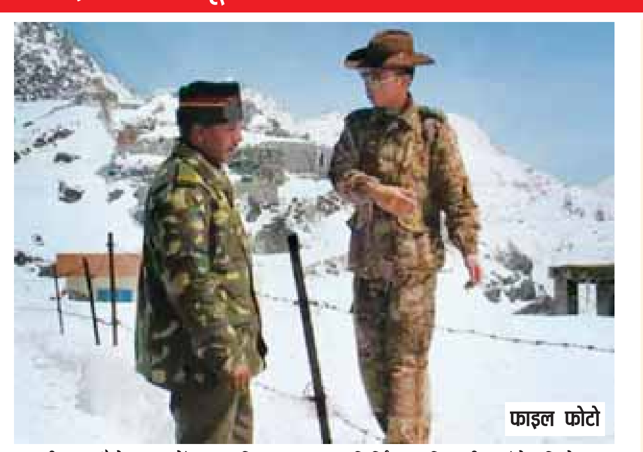

फाइल फोटो

नवनिर्मित बुनियादी ढांचे विशेषकर एलआईसी पर, के कारण भारतीय सेना की पेट्रोलिंग क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, वेबसाइट से डिलीट किए गए दस्तावेज में यह भी बताया गया कि तनाव खत्म करने के लिए दोनों देशों की सशस्त्र सेनाओं के बीच जमीनी स्तर पर कई दौर की बातचीत हुई है। 6 जून को दोनों पक्षों के कॉर्प कमांडरों ने फ्लैग मीटिंग की (शेष पेज 9)

मोदी सरकार पर राहुल गांधी ने बोला हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को सरकार से सवाल किया कि रक्षा मंत्रालय ने पूर्वी लद्दाख में चीन की घुसपैठ का उल्लेख करने वाली रिपोर्ट अपनी वेबसाइट से क्यों हटाई है। दूसरी तरफ, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि वेबसाइट से दस्तावेज हटाने से तथ्य नहीं बदलने वाले हैं। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, चीन के खिलाफ खड़े होना तो छोड़िए, भारत के प्रधानमंत्री में उसका नाम लेने में भी साहस की कमी दिखी। वेबसाइट से दस्तावेज हटाने से तथ्य नहीं बदलने वाले हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता अजय माकन ने संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सर्वदलीय बैठक में कहा था कि भारत की सीमा में घुसपैठ नहीं हुई और हमारी किसी चौकी पर कब्जा नहीं हुआ है। लेकिन (शेष पेज 9)

देश में कहर बरसा रहा कोरोना, 20 लाख केस

नई दिल्ली में एक महिला की कोरोना जांच के लिए नमूना लेता स्वास्थ्यकर्मी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में कोरोना संक्रमण गंभीर रूप से फैलता जा रहा है। लॉकडाउन लागू होने के 135 दिन बाद देश में मरीजों का आंकड़ा 20 लाख के करीब पहुंच गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार गुरुवार सुबह आठ बजे तक बीते 24 घंटों में कोरोना वायरस संक्रमण के 56,282 नए केस आए। इसी के साथ कुल संक्रमितों की संख्या 19,64,536 हो गई। मंत्रालय के अनुसार संक्रमण से कुल 904 लोगों की मौत भी हुई और इस तरह अब तक 40,699 लोग इस महामारी के चलते जान गंवा चुके हैं।

यह लगातार आठवां दिन है जब प्रतिदिन कोरोना के 50 हजार या इससे अधिक केस आए हैं। कोरोना को लेकर राज्यों से मिलने वाली रिपोर्ट स्थिति की गंभीरता को बयान कर रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार महाराष्ट्र, केरल, बिहार, उत्तर प्रदेश, गुजरात समेत कई ऐसे राज्य हैं जहां बुधवार सुबह आठ बजे से गुरुवार सुबह आठ बजे तक के 24 घंटों के दौरान अब तक सबसे अधिक केस आए। महाराष्ट्र में ही रिकॉर्ड 11,514 नए कोविड केस आए और 316 लोगों की जान गई।

अच्छी बात यह रही कि इस दौरान 10,854 मरीज ठीक भी हुए। राज्य में अब कुल मरीजों की संख्या 3,16,375 हो गई। इसी तरह गुजरात में घातक कोविड-19 से 27 मौतें हुई और 1034 नए केस आए। इस राज्य में अब तक 2,584 लोगों की मौत हुई है और कुल केस 67,811 हो गए। एक बार संभल गए केरल में स्थिति अब बिगड़ती दिख रही है। यहां बीते 24 घंटों में 1,298 केस आए। अब यहां कुल (शेष पेज 9)

प्लाज्मा थेरेपी ज्यादा कारगर नहीं: एम्स

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्लाज्मा थेरेपी से कोविड-19 मरीजों का इलाज किए जाने से भी मृत्यु दर में कमी नहीं आ रही है। यानी यह पद्धति भी ज्यादा कारगर साबित नहीं हो रही है। प्लाज्मा के प्रभाव का आकलन करने के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में किए गए अंतरिम परीक्षण विश्लेषण में यह बात सामने आई है। इस इलाज के तहत कोविड-19 से ठीक हो चुके मरीजों के खून से एंडीबॉडीज लिया जाता है और कोरोना वायरस से पीड़ित मरीज को चढ़ाया जाता है ताकि उसकी रोग प्रतिरोधक प्रणाली को वायरस से लडने के लिए तुरंत मदद मिल सके। एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने मीडिया से बातचीत में बृहस्पतिवार को बताया कि कोविड-19 के 30 रोगियों के बीच परीक्षण के दौरान प्लाज्मा थेरेपी का कोई ज्यादा फायदा नहीं नजर आया। परीक्षण के दौरान एक समूह को मानक सहयोग उपचार के साथ प्लाज्मा थेरेपी दी गई जबकि दूसरे समूह का मानक इलाज किया गया। दोनों समूहों में मृत्यु दर एक समान रही और रोगियों की हालत में ज्यादा क्लीनिकल सुधार नहीं हुआ। डॉ. गुलेरिया ने (शेष पेज 9)

मनोज सिन्हा को जम्मू-कश्मीर की कमान, आज संभालेंगे नया पदभार

● उप्र के जमीनी भाजपा नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री को बनाया गया महत्वपूर्ण प्रदेश का उपराज्यपाल

मोहित कंधारी। जम्मू

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं उत्तर प्रदेश से भाजपा के वरिष्ठ नेता मनोज सिन्हा को बृहस्पतिवार को जम्मू-कश्मीर का नया उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। वह पहले राजनेता हैं, जिन्हें संकटग्रस्ट इस केंद्र शासित प्रदेश का उपराज्यपाल बनाया गया है। वे गिरीश चंद्र मुर्मू का स्थान लेंगे, जिन्होंने एक दिन पहले 5 अगस्त को अचानक पद से इस्तीफा दे दिया।

मुर्मू को कैग अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चा है। राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा जारी बयान के अनुसार जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के पद से गिरीश चंद्र मुर्मू का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। राष्ट्रपति के प्रेस सचिव अजय

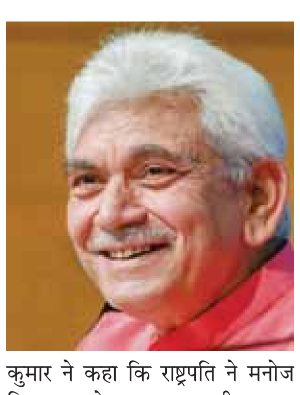

कुमार ने कहा कि राष्ट्रपति ने मनोज सिन्हा को जम्मू-कश्मीर का उपराज्यपाल नियुक्त किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेहद भरोसेमंद सिन्हा से उम्मीद की जा रही है कि वे नाजुक मोड़ से गुजर रहे राज्य में राजनीतिक खालीपन को भरेंगे। केंद्र सरकार आतंकवाद विरोधी अभियानों और विभिन्न आतंकी संगठनों के टॉप कमांडरों को मार गिराने के कारण प्रभावित हुई राजनीतिक प्रक्रिया को शुरू करना चाहता है। खासकर कश्मीर घाटी में नई पहल की कोशिश हो रही है। इस कड़ी में बड़ी संख्या में मुख्य धारा के राजनेताओं को हिरासत से बरी किया गया है। अब वे राजनीतिक गतिविधियां ठप (शेष पेज 9)

घाटी में एक और सरपंच की हत्या

पायनियर समाचार सेवा। श्रीनगर

भाजपा नेता और सरपंच सजाद अहमद खांडे की दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में उनके घर के पास आतंकवादियों ने बृहस्पतिवार को गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने यहां से 60 किलोमीटर दूर काजीगुंड इलाके के वेस्सू में भाजपा नेता को करीब से गोली मारी। खांडे को फौरन अनंतनाग जिले के एक नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इस घटना से 48 घंटे से भी कम समय पहले कुलगाम जिले में भाजपा से जुड़े एक पंचायत सदस्य आरिफ अहमद खान को गोली मारी गई थी। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

कांग्रेस में बसपा विधायकों के विलय का मामला वापस एकल पीठ में

पायनियर समाचार सेवा। जयपुर

राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने बसपा के छह विधायकों के कांग्रेस में शामिल होने संबंधी मामले में एकल न्यायाधीश के फैसले के खिलाफ एक भाजपा विधायक और बहुजन समाज पार्टी द्वारा दायर अपीलों का बृहस्पतिवार को निपटारा कर दिया। भाजपा विधायक मदन दिलावर और बसपा के राष्ट्रीय सचिव सतीश मिश्रा ने एकल पीठ के आदेश के खिलाफ अपील करते हुए मंगलवार को खंडपीठ का दरवाजा खटखटाया था।

दोनों पक्षों ने इससे पहले विधानसभाध्यक्ष सीपी जोशी के सितंबर 2019 के फैसले को चुनौती देते हुए रिट याचिकाएं दायर की थीं जिसमें बसपा के छह विधायकों को कांग्रेस में विलय करने की अनुमति दी गई थी। न्यायमूर्ति महेंद्र कुमार गोयल की एकल पीठ ने विधानसभा अध्यक्ष और सचिव और छह विधायकों को 30 जुलाई को नोटिस जारी किया था तथा उन्हें 11 अगस्त को जवाब (शेष पेज 9)

मानवरहित विमानों से हथियार भेजने की कोशिश कर रहा पाक

पायनियर समाचार सेवा। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्रशासित प्रदेश में मानवरहित विमानों के जरिए हथियार और गोला-बारूद भेजने का पाकिस्तान ने एक नया तरीका अपना लिया है और विगत में इस तरह की कई घटनाओं का पर्दाफाश हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू कश्मीर में वर्तमान में 200 से कम आतंकवादी सक्रिय हैं और इस साल अब तक सीमा पार से केवल 26 आतंकी ही इस केंद्रशासित प्रदेश में प्रवेश कर पाए हैं।

सिंह ने यहां कहा, पाकिस्तान ड्रोन (मानवरहित विमानों) के जरिए आतंकवादियों को हथियार और गोला-बारूद भेजने की कोशिश करता रहा है। हमने विगत में ऐसी कई घटनाओं का पता लगाया है। पुलिस प्रमुख ने कहा कि इस तरह की घटनाएं कुपवाड़ा, हीरानगर, कठुआ और राजौरी में सामने आईं। उन्होंने कहा कि विगत में जम्मू कश्मीर में ट्रक के जरिए हथियार भेजने के पाकिस्तान के

● जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने बताया

एक और तरीके का पंजाब में पर्दाफाश हुआ था। पुलिस महानिदेशक ने कहा, यहां मौजूद आतंकवादियों के लिए हथियारों की भारी कमी हो गई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों की घुसपैठ कराने के लिए इस साल सीमा पार से गोलीबारी में वृद्धि कर दी है।

सिंह ने कहा, सीमा पार से 2020 के पहले सात महीनों में 75 प्रतिशत अधिक गोलीबारी हुई है। इस जुलाई तक पाकिस्तान की ओर से गोलीबारी की 487 घटनाएं हुईं, जबकि 2019 में इसी अवधि के दौरान इस तरह की 267 घटनाएं हुई थीं। गोलीबारी आतंकवादियों को कवच उपलब्ध कराने के लिए की जाती है। इस साल अब तक, केवल 26 आतंकवादी ही जम्मू कश्मीर में घुसपैठ कर पाने में सफल हो पाए हैं। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि सतत आतंकवाद रोधी अभियान की वजह से सुरक्षाबल जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों पर अंकुश लगाकर उनकी संख्या को अब 200 से कम कर पाने में सफल हुए हैं, जबकि कुछ साल पहले यह संख्या 300-350 के करीब होती थी।

आतंकवाद से स्थानीय युवकों के जुड़ने के मुद्दे पर पुलिस महानिदेशक ने कहा कि इस साल 80 युवक विभिन्न आतंकवादी संगठनों से जुड़े हैं जिनमें से अब 20 ही सक्रिय हैं और इस तरह के आतंकवादियों का अधिकतम जीवन अब 90 दिन का है। उन्होंने कहा, इस साल अब तक 80 स्थानीय युवक आतंकवाद से जुड़े हैं जिनमें से 38 मारे गए और 22 को गिरफ्तार कर लिया गया। आतंकवाद से जुड़ने वाले इन लोगों में से अब 20 ही सक्रिय हैं। पुलिस प्रमुख ने कहा कि 2020 में अब तक 150 आतंकवादी मारे जा चुके हैं जिनमें से 30 विदेशी और 39 लोग आतंकवादी संगठनों के शीर्ष कमांडर थे। उन्होंने कहा, आतंकी समूह नेतृत्वविहीन हैं और हथियारों (शेष पेज 9)

अहमदाबाद में कोविड केयर सेंटर में आग लगने से आठ की मौत

पायनियर समाचार सेवा। अहमदाबाद

अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल के आईसीयू में बृहस्पतिवार तड़के आग लगने से कोविड-19 के आठ मरीजों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में अस्पताल का एक स्वास्थ्यकर्मी घायल भी हुआ है। केन्द्र और राज्य सरकार ने सभी मृतकों (पांच पुरुष और तीन महिलाएं) के परिजन को छह-छह लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। अधिकारी ने बताया कि कोविड-19 के मरीजों के उपचार के लिए चिह्नित नवरंगपुर इलाके के श्रेय अस्पताल की चौथी मंजिल पर बृहस्पतिवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे आग लगी। हादसे में आईसीयू वार्ड में भर्ती पांच पुरुष और तीन महिलाओं की मौत हो गई। अहमदाबाद नगर निगम ने शहर के 60 निजी अस्पतालों को कोविड-19 के मरीजों के इलाज के लिए चिह्नित किया है, जिसमें श्रेय अस्पताल भी शामिल है। आईएएस अधिकारी राजीव गुप्ता ने बताया, श्रेय अस्पताल की चौथी मंजिल पर आईसीयू में (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	38,025	↑ 362	
निफ्टी	11,200	↑ 98	
सोना	56,590	↑ 225	/10g
चांदी	75,755	↑ 1932	/kg

क्विक न्यूज

जीसी मुर्मू देश के नए कैग नियुक्त

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने बृहस्पतिवार को जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपराज्यपाल गिरीश चन्द्र मुर्मू को भारत का नया नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) नियुक्त किया। आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, ...राष्ट्रपति को गिरीश चन्द्र मुर्मू को भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक नियुक्त करते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है, उनकी नियुक्ति पदभार संभालने के तिथि से प्रभावी होगी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आज दिन में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के पद से मुर्मू का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था। पूर्व केन्द्रीय मंत्री और उत्तर प्रदेश से भाजपा के वरिष्ठ नेता मनोज सिन्हा को केन्द्र शासित प्रदेश का नया उपराज्यपाल बनाया गया है।

सीबीआई की एसआईटी करेगी सुशांत सुसाइड केस की जांच

● गुजरात कैडर के आईपीएस और डीआईजी गगनदीप गंभीर करेंगे अगुवाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के मामले में दोबारा प्राथमिकी दर्ज करने के बाद सीबीआई ने बिहार पुलिस से जांच अपने हाथ में ले ली है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि पुलिस अधीक्षक नूपुर प्रसाद के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) मामले की जांच करेगा। इसकी निगरानी डीआईजी गगनदीप गंभीर और संयुक्त निदेशक मनोज शशिधर करेंगे।

दोनों ही गुजरात कैडर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी हैं। पटना पुलिस ने भादंसं की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी, जो कथित आपराधिक षड्यंत्र, ठगी

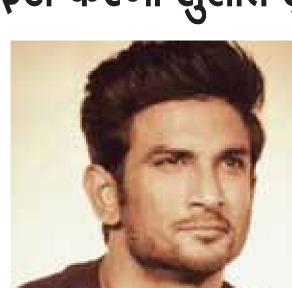

सुशांत की फाइल फोटो

और आत्महत्या के लिए उकसाने से जुड़ी हुई थी। बिहार सरकार की अनुशंसा पर इसे सीबीआई को सौंपा गया है जिसे केंद्र सरकार ने एजेंसी के पास भेजा है। राज्य सरकार सीबीआई के पास मामला नहीं भेज सकती।

इसे कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के माध्यम से भेजा जाता है जो सीबीआई के लिए नोडल मंत्रालय है। उन्होंने कहा कि सुशांत राजपूत के गृह राज्य बिहार सरकार की अनुशंसा पर एजेंसी ने तेजी से काम किया, जहां दिवंगत अभिनेता के परिवार ने उनकी मित्र रिया चक्रवर्ती के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। बिहार में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और लोगों में अभिनेता की मौत पर गुस्से को देखते हुए राज्य ने मामले को सीबीआई के पास भेजने की अनुशंसा की, जबकि मुंबई पुलिस अभिनेता की कथित आत्महत्या मामले की जांच कर रही है।

महाराष्ट्र पुलिस ने इस कदम का विरोध किया है क्योंकि बिहार के पास दूसरे राज्य में जांच करने का अधिकार नहीं है। मुंबई के उपनगर बांद्रा के अपने अपार्टमेंट में राजपूत 14 जून को छत से फांसी से लटकते पाए गए थे। पटना निवासी राजपूत के 77 वर्षीय पिता कृष्ण किशोर सिंह की शिकायत पर बिहार पुलिस ने भी कार्रवाई शुरू कर दी थी। मुंबई पुलिस ने इस मामले में आदित्य चोपड़ा, महेश भट्ट और संजय लीला भंसाली जैसे बॉलीवुड के निर्देशकों के बयान दर्ज किए हैं।

एक और आत्महत्या, पंखे से लटके मिले टीवी अभिनेता समीर

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

क्योंकि सास भी कभी बहू थी और लेफ्ट राइट लेफ्ट में अपनी भूमिकाओं के लिए लोकप्रिय टेली अभिनेता समीर शर्मा ने उपनगर मलाड स्थित अपने घर पर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। शर्मा अकेले रहते थे। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि 44 वर्षीय शर्मा का शव उनके फ्लैट की रसोई में फंदे से लटका हुआ मिला।

उनका शव संभवत: दो दिन से वहां लटका हुआ था। मलाड पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक जॉर्ज फर्नांडीस ने बताया, हमें मौके से कोई सुसायड नोट नहीं मिला है। यह सुसायड का मामला लग रहा है। संदेह है कि उन्होंने दो दिन पहले आत्महत्या की। हमने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। शर्मा क्योंकि सास भी कभी बहू थी, कहानी घर घर की, ये रिश्ते हैं प्यार के और वो रहने वाली महलों की जैसे कई धारावाहिकों में काम कर चुके हैं। वह मलाड

● क्योंकि सास भी कभी बहू थी, कहानी घर घर की, ये रिश्ते हैं प्यार के, वो रहने वाली महलों की जैसे कई धारावाहिकों में किया था काम

(पश्चिम) के चिंचोली बंदर इलाके में किराए के मकान में रहते थे। उन्होंने बताया कि शर्मा के शव को सबसे पहले सोसायटी के चौकीदार ने देखा। उसने जब रसोई की खिड़की से झांक कर देखा तो उसे अभिनेता का शव नजर आया और उसने फिर सोसायटी के बाकी लोगों को इसकी जानकारी दी, जिन्होंने पुलिस को सूचित किया।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंच कर शर्मा को अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत लाया घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि फरवरी से अकेले

समीर शर्मा की फाइल फोटो

रह रहे शर्मा के परिवार से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है। फर्नांडिस ने कहा कि प्राथमिक जानकारी के आधार पर दुर्घटनावश हुई मौत की रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज कर ली गई है। आगे की जांच की जा रही है। शर्मा ने 27 जुलाई को इंस्टाग्राम पर अपनी अंतिम पोस्ट में मृत्यु और सपनों पर एक कविता लिखी थी। इस कविता के बाद अभिनेता ने सिर्फ कुछ तस्वीरें साझा की थीं। समीर शर्मा की मौत ऐसे वक्त में हुई है जब बी-टाउन अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत (34) की मौत के मामले से जूझ रहा है। वह उपनगर बांद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में 14 जून को मृत मिले थे। हंसी तो फंसी फिल्म में साथ काम कर चुके सिद्धार्थ मल्होत्रा ने शर्मा की असामयिक मौत पर शोक जताया है। अभिनेता वरुण धवन ने भी अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में शर्मा की मृत्यु पर दुख व्यक्त किया है। गौरतलब है कि शर्मा और राजपूत से पहले नौ जून को सुशांत सिंह की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान ने इमारत की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। वहीं 15 मई को टीवी अभिनेता मनमीत ग्रेवाल ने भी खुद को फांसी लगा ली थी।

दूसरी ओर अभिनेता वरुण धवन, सिद्धार्थ मल्होत्रा, रिचा चड्डा जैसी फिल्मी हस्तियों और टीवी कलाकारों ने अभिनेता समीर शर्मा की मौत पर बृहस्पतिवार को शोक व्यक्त किया। अभिनेत्री रिचा ने हाल ही में एक ब्लॉग लिखा था कि किस प्रकार से बॉलीवुड नेक और बुरे लोगों में बंटा हुआ है। उन्होंने ट्वीट किया कि शर्मा की मौत दिल तोड़ने वाली है।

आईसीडीएस सुपरवाइजरों के आनलाइन ट्रांसफर से आक्रोश

महिला सुपरवाइजरों के 150 से 350 किमी दूर तक तबादले

अविवाहित व नवंबर माह में रिटायर होने वाली सुपरवाइजर भी बदलीं

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

कल रोहतक में बुलाई बैठक आंदोलन का होगा ऐलान

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से संबंधित आईसीडीएस सुपरवाइजर वेलफेयर एसोसिएशन ने सरकार के निर्देश पर विभाग द्वारा गैर जरूरी और प्रताड़ना की दृष्टि से किए गए इन तबादलों की घोर निन्दा की है। एसोसिएशन की राज्य प्रधान सबिता व महासचिव संतोष यादव ने बताया कि इन तबादलों से सुपरवाइजरों में पैदा हुए आक्रोश को देखते हुए 8 अगस्त को रोहतक में राज्य कार्यकारिणी की बैठक बुलाई गई है। जिसमें इन तबादलों को रद्द करवाने के लिए आंदोलन का निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन तबादलों में नवंबर में रिटायर होने के कारण ट्रांसफर डिवाइस में हिस्सा न लेने वाली सुपरवाइजर को भी जींद से फरीदाबाद ट्रांसफर कर दिया गया है और अविवाहित का तबादला गोहाना से 200 किलोमीटर दूर मेवात कर दिया।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आईसीडीएस सुपरवाइजरों के आनलाइन ट्रांसफर में सैकड़ों की संख्या में महिलाओं के दूरदराज तबादले करने से भारी आक्रोश फैल गया है। बुधवार देर शाम जारी ट्रांसफर आदेशों में कोरोना महामारी में बच्चों के दाखिले करवा चुकी करीब सैकड़ों महिला सुपरवाइजरों को उनके घरों से 150 से 350 किलोमीटर दूर तबादले किए हैं। इसमें अविवाहित व नवंबर महीने में रिटायर होने वाली सुपरवाइजरों तक को नही बख्शा गया है।

आईसीडीएस सुपरवाइजर वेलफेयर एसोसिएशन की राज्य प्रधान सबिता व महासचिव संतोष यादव ने बताया कि आनलाइन ट्रांसफर नीति में शामिल होने से बचाने के लिए सरकार के नजदीक करीब 55 सुपरवाइजरों ने सीएम की स्वीकृति से पहले ही अपने मनपसंद जगहों पर ट्रांसफर करवा लिए थे। जिसके कारण अब उन्हें आनलाइन ट्रांसफर नीति में शामिल नही किया गया है। जिसकी कोई सिफारिश नहीं थी, उन्ही सुपरवाइजरों को ट्रांसफर डिवाइस में शामिल कर दूर दराज ट्रांसफर किया गया है।

उन्होने कहा कि महिला सुपरवाइजरों के यह तबादले उस समय पर किए गए हैं, जब राज्य परिवहन की बसों व मैट्रो रेल की सुविधा तक नहीं है। कोरोना महामारी में फरीदाबाद, गुरुग्राम, पलवल व मेवात जैसे स्थान जहां कोरोना का कहर है, वहां एक दम किराए पर मकान मिलना भी मुश्किल है। महिलाओं के लिए अकेले रहना सुरक्षित भी नहीं है। बेटी बचाओ अभियान को तेजी से लागू करने वाली वाली व हरियाणा में लिंग अनुपात बढ़ाने वाली सुपरवाइजर्स को सरकार द्वारा अच्छा तोहफा दिया गया है। सरकार के इस कृत्य से सरकार का महिलाओं के प्रति संवेदनहीनता का भी पता चलता है।

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा ने आनलाइन ट्रांसफर करने को उपलब्धि के तौर पर प्रचारित करने के लिए सैकड़ों महिला कर्मचारियों को दूर दराज ट्रांसफर करने की घोर निन्दा की। उन्होंने इन तबादलों को रद्द करने और स्वेच्छा से चाहने वाले और शिकायत मिलने पर उसकी जांच उपरांत ही ट्रांसफर करने की मांग दोहराई।

वेतन विसंगतियां दूर नहीं हुईं तो मुख्यालय पर होगा धरना-प्रदर्शन

पत्रकारों को अपनी व्यथा सुनाते कर्मचारी।

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

हरियाणा संयुक्त कर्मचारी मंच के राज्य प्रधान सत्यपाल वर्मा की अध्यक्षता में रेस्ट हाउस में मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें वाटर पंप ऑपरेटर की वेतन विसंगतियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

सत्यपाल वर्मा ने बताया कि 29 जुलाई की मीटिंग जो कि विशेष सचिव अनीता मलिक जन स्वास्थ्य अभियंत्रिकी विभाग के साथ हुई थी, उन्होंने विशेष सचिव को बताया कि वाटर पंप ऑपरेटर की संशोधित वेतनमान की फाइल एक वर्ष पहले चलाई गई थी , जो कि वित्त विभाग से ऑब्जेक्शन लग कर वापिस आई थी। जिसका जवाब पिछले महीने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मुख्यालय के द्वारा विशेष सचिव को भेजा गया है। उन्होंने बताया कि वाटर पंप ऑपरेटर वेतन विसंगतियों के कारण ग्रुप सी में होते हुए भी ग्रुप डी के समान वेतन प्राप्त कर रहे हैं। विशेष सचिव ने प्रधान सत्यपाल वर्मा, सचिव धर्मवीर शर्मा को आश्वासन दिया था कि जल्द से जल्द वाटर पंप ऑपरेटर की वेतन विसंगतियों को दूर कर संशोधित वेतनमान लागू कर दिया जाएगा।

वर्मा ने जन स्वास्थ्य अभियंत्रिकी विभाग के प्रमुख मनपाल सिंह को चेतावनी दी है कि यदि वाटर पंप ऑपरेटर की मांग निर्धारित समय पर पूरी नहीं की जाती है तो हम धरना प्रदर्शन मुख्यालय पर करेंगे और जिसकी पूरी जिम्मेवारी प्रमुख अभियंता मनपाल सिंह की होगी। कुरुक्षेत्र के जिला प्रधान तेजपाल गुर्जर ने कहा है कि 1 वर्ष पूर्व चलाई गई फाइल को बार बार ऑब्जेक्शन में उलझाया जा रहा है। जिसके कारण विभाग के कर्मचारियों में रोष पैदा हो रहा है और यह एक दिन विभाग के मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन के रूप में दिखाई देगा। मौके पर ब्रांच उप प्रधान नरेश मलिक, कोषाध्यक्ष जय भगवान, गौरव, शैलेंद्र कुंडू मौजूद रहे।

ऑनर किलिंग का शिकार बनी लड़की

पुलिस ने जलती चिता से निकाला किशोरी का शव

कलायत उप मंडल के गांव बढ़सीकरी की घटना

कंट्रोल रूम से मिली थी पुलिस को सूचना

अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

पीएल वर्मा। कैथल

कैथल के कस्बे कलायत के गांव बड़सीकरी में एक ऑनर किलिंग का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि कलायत पुलिस को कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि कलायत के गांव बड़सीकरी में ऑनर किलिंग मामले के तहत एक 15 साल की लड़की को मार दिया गया है को श्मशान घाट में उसका दाह संस्कार किया जा रहा है।

कलायत डीएसपी कलायत एसडीएम समेत कई अधिकारी व पुलिस बल गांव के श्मशान घाट में पहुंचा और जलती हुई चिता पर पानी डालकर उसको बुलाया गया और उसके अंदर से मृतक लड़की को निकाला गया हालांकि लड़की का नीचे का हिस्सा काफी जल चुका था लेकिन थाना प्रभारी ने बताया कि हमने फिलहाल अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उस को पोस्टमार्टम के लिए कैथल के सरकारी हॉस्पिटल में भेजा गया है जैसे ही रिपोर्ट में सामने आएगा उस आधार पर ही कार्रवाई की जाएगी लेकिन पुलिस खुद ही मान रही है कि ऑनर किलिंग का मामला है जब ऑनर किलिंग का मामला पुलिस को पता है तो पुलिस भी कहीं न कहीं इस मामले में ढील बरत रही है क्योंकि कंट्रोल रूम में सूचना मिलने के बाद ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा था और पुलिस मान भी रही है कि है ऑनर किलिंग का मामला है फिर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज क्यों किया जबकि पुलिस को उनके परिवार वालों के बारे में भी सारी जानकारी है।

श्मशान में कार्रवाई करती पुलिस। मौजूद अन्य।

पुलिस जब गांव के श्मशान घाट में पहुंची थी उस समय परिवार व गांव का कोई भी सदस्य श्मशान घाट में मौजूद नहीं था आप परिवार वालों से या गांव वालों से पूछताछ की जाएगी और उस आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भगवान राम हम सबके आदर्श : निखिल

सोनीपत। युवा समाजसेवी एवं कांग्रेस नेता निखिल मदान ने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर निर्माण की आधारशिला रखे जाने पर सभी देशवासियों को बधाई दी। सोनीपत के जटवाड़ा में खिजर मकबरे के उद्यान में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने निखिल मदान का फूल मालाओं से स्वागत किया।

कार्यक्रम में उद्यान परिसर में एक हजार छायादार एवं फलदार वृक्ष जिसमें मुख्यत: अमरूद, नीबू, पीपल, बड़, नीम एवं जामुन के पौधे लगाए गए। मदान ने कहा कि एक इंसान अपनी पूरी जिंदगी में जन्म से लेकर मृत्यु तक औसतन 18 वृक्षों का उपभोग करता है। इसीलिए हमें इस संतुलन को बनाये रखने के लिए नियमित तौर पर पौधारोपण अनिवार्य है। इस मौके पर उद्यान परिसर में मौजूद लोगों ने निखिल मदान के आगे खिजर मकबरा परिसर में पेयजल की सुविधा न होने की समस्या रखी। जिस वज़ह से गर्मी के मौसम में हर व्यक्ति को परेशानी उठानी पड़ती है। लोगों ने बताया कि पार्क के चारों तरफ चारदिवारी की मरम्मत भी जरूरी है, ताकि उद्यान में पशुओं से बचाव हो सके। मदान ने बताया की पुरातत्व विभाग के अधीन होने के चलते इन सभी समस्याओं के समाधान में थोड़ा समय लग सकता है, लेकिन वो इन सभी समस्यायों का जल्द समाधान करवाएंगे। कार्यक्रम में अतर सिंह खत्री, करतार खत्री, जोगिंद्र सिंह खत्री, मनीष, भारत सिंह, बिमला, संतोष, हरिओम, मनोज, विनोद पांचाल, दीपांशु जांगड़ा, आशीष, कौशल, ध्रूव, सुमित, भारत, मयंक, अरुण आदि लोग मौजूद रहे।

सेक्टर-4 राम मंदिर में देर रात तक जलाए दीप

राम मंदिर के भूमि पूजन की दिनभर मनी खुशियां

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

बुधवार रात को यहां सेक्टर-4 के राम मंदिर में लोगों ने दीये जलाकर अयोध्या में राम मंदिर के भूमि पूजन की खुशियां मनाई। लोगों ने यहां जय श्री राम के नारे लगाकर एक-दूसरे को सोशल डिस्टेंस रखते हुए बधाई दी। उन्होंने यहां पूजन किया, दीये जलाए और आरती की। मुख्य अतिथि के रूप में यहां बीजेपी जिला सचिव नवीन गोयल पहुंचे।

यह आयोजन सबका सहयोग संस्था की ओर से आयोजित किया गया। इस मौके पर आलोक, गौरव, नितिन वधवा, दीपक ठक्कर, अमित खन्ना, गांधी, नीरज शमाज़, संदीप शर्मा, रविंद्र यादव समेत

गुरुग्राम में बुधवार देर रात सेक्टर-4 राम मंदिर में दीप जलाते लोग।

काफी संख्या में पुरुष एवं महिलाएं मौजूद रहे। कार्यक्रम में नवीन गोयल ने कहा कि 500 साल की तपस्या का यह फ्ल है कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का श्रीगणेश भूमि पूजन के साथ किया। कोरोना महामारी के दौर में भी तमाम नियमों को मानते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर निर्माण की परम्परा का निर्वहन साधू-संतों की मौजूदगी में किया। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान में दो दिनों से दीवाली मन रही है। लोग दीये भी जला रहे हैं और पटाखे भी फोड़ रहे हैं।

करोड़ों हिन्दुओं की आस्था का ना केवल प्रतीक, बल्कि हर किसी के दिल में बसे श्रीराम के मंदिर की खुशी आज कई गुणा बढ़ गई। कई पीढियों के इंतजार के बाद, लाखों लोगों के बलिदान के बाद राम मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ हुआ है। नवीन गोयल ने कहा कि राम मंदिर के मुद्दे को बेहद ही गंभीरता से लिया गया। उस गंभीरता का परिणाम आज सबके सामने है। भाजपा के शासनकाल में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। उनमें आज सबसे बड़ा कार्य राम मंदिर के निमाज़्ण का है। अयोध्या को उसका अस्तित्व वापस मिल रहा है। हिंदुओं को उनकी आस्था का गढ़ अब भव्य राम मंदिर के रूप में मिलेगा।

संक्षिप्त-समाचार

जय मां सेवा समिति ट्रस्ट ने भूमि पूजन पर बांटे लड्डू

कुरुक्षेत्र। समाजसेवी संस्था जय मां सेवा समिति ट्रस्ट द्वारा लोकनायक जय प्रकाश नागरिक अस्पताल में बुधवार देर सायं अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण के भूमि पूजन के उपलक्ष्य में मरीजों को भोजन के साथ-साथ मिष्ठान वितरित किए। प्रधान अमरनाथ सैनी व प्रबंधक मनी जैन ने बताया कि हर्ष का विषय है कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर का शिलान्यास समपन्न हुआ है इसके लिए सभी देशवासी बधाई के पात्र हैं। आज की तारीख इतिहास के स्वर्ण अक्षरों में लिखी जाएगी। इस मौके पर राजकुमार सैनी, भगवती प्रसाद जोशी, रामनारायण खांबरा, जोगध्यान, विक्रमजीत, सुनील सैनी, विरेंद्र, राजेंद्र मैहता, विकास सैनी, प्रेम खेड़ा, प्रवीण मुंडे, दुष्यंत, रोहित सैनी, रेशम सिंह, गुरदेव, प्रवीण गाबा, शिवम खेड़ा, अश्वनी परूथी, आकाश सैनी, सोहन लाल जांगड़ा, केवल कृष्ण, अनु माल्यान, गुलाब चंद गुप्ता, जयभगवान शर्मा व राहुल जोशी, आदि मौजूद रहे।

विद्यालय परिसर में 11 छायादार पौधे किए रोपित

कुरुक्षेत्र। राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुरुक्षेत्र में हरा भरा हो कुरुक्षेत्र हमारा पौधारोपण अभियान 2020 के 19वें चरण में वन विभाग, कुरुक्षेत्र के सहयोग से वसुधैव कुटुंबकम संस्कृति सेवा आयाम तथा प्रेरणा कुरुक्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें खंड शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने विद्यालय प्राचार्या संतोष शर्मा, प्रेरणा कुरुक्षेत्र के संस्थापक अध्यक्ष जयभगवान सिंगला, इको क्लब खंड संयोजक डॉ. तरसेम कौशिक, एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर डॉ. केवल कृष्ण, सुरेंद्र भट्टी, टिक्का सिंह, अलकेश मौदगिल, बालीराम, सुरेंदर सैनी, राजमोहिन्दर, शिवकुमार, प्रेमचंद, अनिल कुमार. राजेश कुमार, दिलदेवराज और अन्य पर्यावरण प्रेमियों के साथ मिलकर विद्यालय परिसर में 11 छायादार पौधे रोपित किए।

चेयरमैन रणधीर गोलन करेंगे सामुदायिक हॉल का उद्घाटन

कैथल। हरियाणा पर्यटन निगम के चेयरमैन रणधीर गोलन 7 अगस्त को सायं 4 बजे गांव टीक में सामुदायिक हॉल व वैलकम गेट का शुभारंभ करेंगे। कल आठ अगस्त को दोपहर बाद दो बजे गांव हाबड़ी, नौ अगस्त को सायं चार बजे आदर्श कॉलोनी पूंडरी, 10 अगस्त को नहरी और जल संसाधन विभाग के मुख्य इंजीनियर के साथ कौल, धेरडू, संगरौली, मटरवा खेड़ी, फतेहपुर सिरसा ब्रांच, सांच, रसीना, आहूं, हाबड़ी सब ब्रांच, कौल से मोहना माइनर, डीग, टीक व पाई पंप हाऊस का दौरा करेंगे।

कुविवि के छात्रों ने जीता एक लाख रुपये का पुरस्कार

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का यूआईईटी संस्थान कुलपति डॉक्टर नीता खन्ना के नेतृत्व में निरंतर हर क्षेत्र में प्रगति के पथ पर कार्य कर रहा है। यह जानकारी देते हुए संस्थान के निदेशक व कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के डीन इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी प्रो. सीसी त्रिपाठी ने बताया कि इस कड़ी में यूआईईटी संस्थान के विद्यार्थियों ने आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए कोविड-19 को देखते हुए इनोवेशन सैल मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार ऑनलाइन प्रतियोगिता में गोवा सरकार की कैटल संबंधी समस्या का समाधान करते हुए एक लाख रुपए का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है। इस प्रतियोगिता में एनआईटी तिरुचिरापल्ली के अलावा अन्य तकनीकी संस्थानों एवं विवि के छात्रों ने भाग लिया था जिसमें संस्थान के विद्यार्थी हर क्षेत्र में चंहुमुखी प्रतिभा के साथ कार्य कर रहे हैं। इससे पहले इसी विषय में हमारे विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय, नॉर्थ जोन में अपने इस विषय को बड़ी बारीकी से प्रस्तुत करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपना स्थान बनाया जिनको संस्थान के इनोवेशन सेल प्रभारी राहुल गुप्ता ने इन बच्चों का मार्गदर्शन किया वही सुनील नैन व विशाल अहलावत ने सहयोग किया। प्रो. त्रिपाठी ने यह भी बताया कि इस कार्यक्रम में गोवा सरकार की स्ट्रे कैटल चुनौती विषय को दुर्घटनाएं रहित बनाने के लिए मोबाइल ऐप तैयार की।

रक्तदान के लिए साइकिल से तय की 120 किमी की दूरी

सेना के लिए लगाया था शिविर, किसा सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

युवाओं को साइकिल चलाने के प्रति जागरूक करने के लिए मां भारती रक्तवाहिनी के पदाधिकारी प्रेम गौतम ने पिछले दिनों मां भारती साइकिल क्लब का गठन किया था, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को साइकिल चलाने के प्रति जागरूक करना है।

युवाओं को साइकिल व रक्तदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सोनीपत से प्रेम गौतम, कुशल दहिया, तनुज तीनों रोहतक में भारत की सेना के लिए लग रहे रक्तदान शिविर में शामिल होने के लिए साइकिल से पहुंचे। प्रेम गौतम सहित तीनों ने लगभग 120 किलोमीटर की दूरी साइकिल से ही तय की। प्रेम गौतम ने

रक्तदान शिविर में साइकिल पर पहुंचने पर प्रेम गौतम को सम्मानित करते आयोजक।

बताया कि उन्होंने अब तक दो महीने में 1500 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर चुके हैं।

तीनों साइकिल क्लब से भारत की सेना के लिए लग रहे रक्तदान शिविर में रोहतक पहुंचे। शिविर में संस्था ने मां भारती साइकिल क्लब को सम्मानित किया। रोहतक में सम्मानित करने के लिए वे आप और हम संस्था के विकास मिश्रा, चिराग बेरी, भारत, पुनीत कुमार का आभार व्यक्त करते हैं।

प्रेम गौतम ने बताया कि उनके साथ कुशल व तनुज इस जागरूक यात्रा का अहम हिस्सा रहे। जिसमें तनुज 14 वर्ष का है, जिसने अपनी उम्र के युवाओं के सामने 120 किलोमीटर की साइकिल यात्रा करके मिसाल कायम की है। गौतम ने बताया कि उन्होंने अपने घर के छोटे-छोटे काम व कम दूरी तक के काम साइकिल से ही करने चाहिए। जिससे हमारा स्वास्थ्य भी अच्छा बना रहेगा और पर्यावरण को भी फायदा होगा। इस अवसर पर संस्था से अध्यक्ष रविन्द्र शर्मा, विपिन कुमार गौड़ भी मौजूद रहे।

प्रशासन ने कॉलोनियों में अवैध निर्माण को गिराया

25-30 घरों की नींव सहित रोड नेटवर्क को किया ध्वस्त

करनाल। नियमों की अनदेखी कर अवैध रूप से किए जा रहे निर्माण को गिराने के लिए नगर निगम व जिला नगर योजनाकार की ओर से गुरुवार को एक संयुक्त कार्रवाई अमल में लाई गई, जिसमें नई सब्जी मण्डी के सामने बजीदा रोड पर करीब 10 एकड़ भूमि में अनाधिकृत रूप से विकसित की जा रही दो कॉलोनियों में निगम की टीम ने वहां मौजूद निर्माण को गिरा दिया।

उपायुक्त एवं नगर निगम आयुक्त निशांत कुमार यादव ने इस बारे जानकारी देते हुए बताया कि निगम के डैमोलिशन स्कवाड ने कार्रवाई कर वहां मकानो के लिए बनाई गई सभी डीपीसी, निर्माणाधीन मकान, करीब 25 से 30 घरों की नींव व सड़क नेटवर्क को तहस-नहस किया गया। टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण करने वाले लोगों द्वारा कुछ विरोध हुआ, परंतु पुलिस बल के होते उनकी एक न चली। उन्होंने बताया कि प्रात: 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक 4 घंटे निगम की कार्रवाई चली। निगमायुक्त ने बताया कि टीम ने चार जेसीबी की मदद से अवैध निर्माणो को गिराया। उन्होंने बताया कि इस जगह पर पहले भी दो बार कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण गिराए गए थे, आज फिर तीसरी बार इस तरह की कार्रवाई अमल में लाई गई है।

पूंडरी में बनेगा संस्कृत मॉडल स्कूल : गोलन

कैथल। पर्यटन निगम के चेयरमैन रणधीर गोलन ने कहा कि पूंडरी हलके में विकास तेजी से करवाया जा रहा है। प्रत्येक व्यक्ति को साथ लेकर हलके के अन्य विकास कार्यों का खाका बनाकर सामूहिक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा।

विकासात्मक योजनाओं व परियोजनाओं के लिए धन की कमी नही रहने दी जाएगी। मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में जहां पूरे प्रदेश का एक समान विकास हो रहा हैं, वहीं पूंडरी हलके को विकासात्मक हलको की श्रेणी में शामिल किया जाएगा। चेयरमैन रणधीर गोलन खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में ब्लॉक समिति की बैठक के दौरान संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ब्लाक समिति सदस्यों का आह्वान किया कि सभी को बराबर ग्रांट वितरित की जाएगी, विकास कार्य में धन की कोई कमी नही रहेगी। सबका साथ-सबका विकास नीति पर कार्य किया जाएगा। उन्होंने सदस्यों से विकास कार्यों के बारे विचार विमर्श करते हुए कहा कि हलके के विकास के लिए पूरी रूप रेखा तैयार की जा रही है। पाई, भाणा, करोड़ा क्षेत्र हेतु कॉलेज बनाने की मांग मुख्यमंत्री मनोहर लाल से की है, पूरा विश्वास है कि जल्द ही यह मांग पूर्ण भी होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा हर विधानसभा क्षेत्र में एक संस्कृत मॉडल स्कूल खोलने हेतू कमेटी का गठन किया गया है। हलके पूंडरी में राजकीय सीनियर सैकेंडरी स्कूल पूंडरी में संस्कृत मॉडल स्कूल शुरू खोलने का प्रस्ताव भेजा है।

9 वर्ष से भूमिगत चल रहे राजस्थान निवासी आरोपी दंपति गिरफ्तार

कैथल। पुलिस द्वारा करीब 9 वर्ष पूर्व दो घोड़ी व एक घोड़ी का बच्चा चुराने के मामले में पुलिस गिरफ्त से बचते हुए भूमिगत चल रहे राजस्थान निवासी उद्घोषित आरोपी दंपति को गिरफ्तार किया है। वारदात में लिप्त दो अन्य आरोपी पहले ही गिरफ्तार करके उनके कब्जे से चोरीशुदा पशु बरामद किए जा चुके हैं। दंपति को न्यायिक हिरासत में भेज जेल दिया।

पुलिस अधीक्षक शशांक सावन ने बताया कि चीका निवासी रामकुमार की शिकायत पर 23 अप्रैल 2011 को दर्ज मामले अनुसार वह अपने भाई नरसी सहित अपनी-अपनी घोड़ी रेहड़ियों पर सब्जी बेचने का धंधा करते थे। शिकायत के अनुसार 22 अप्रैल 2011 की रात उनके बरामदे में बंधी उनकी दो घोड़ियों व एक घोड़ी के बच्चे को अज्ञात व्यक्ति चुरा ले गये।

मारुति सुजुकी ने आईटीआई स्टाफ और छात्रों के लिए 'केयर्स' प्रशिक्षण लांच किया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जागरुकता, जवाबदेही और सुरक्षा संबंधी उपायों को बढ़ाने के लिए बनाया गया है

आने वाले महीनों में शैक्षणिक संस्थानों के खुलने के अनुमान में, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने देश भर में सरकार द्वारा संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में 'केयर्स' प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। महामारी फैलने के बाद से एमएसआईएल आईटीआई को सहयोग देती रही है।

केयर्स प्रशिक्षण में ऑनलाइन कक्षाएं शामिल होती हैं, ताकि आईटीआई के छात्रों और स्टाफ को सोशल डिस्टेंसिंग के नए दिशानिर्देशों, स्वच्छता पर नए एसओपी इत्यादि में प्रशिक्षित किया जा सके। नियमित वीडियो लर्निंग सेशन से आईटीआई कर्मचारियों और छात्रों को सेनिटाइजेशन में मदद मिलती है। प्रशिक्षण कार्यक्रम को कोविड स्थिति और इस तरह की चुनौतियों से निपटने के विभिन्न तरीकों के बारे में सभी हितधारकों के बीच जागरुकता, जवाबदेही और सुरक्षा से संबंधित उपायों को अपनाने के लिए डिजाइन किया गया है।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के कार्यकारी सलाहकार एके तोमर ने कहा, मारुति सुजुकी ने हमारे संस्थानों में सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के साथ-साथ आईटीआई को फिर से शुरू करने के लिए एक्शन-आधारित गाइडलाइन्स तैयार करने के लिए केयर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। छात्रों और कर्मचारियों दोनों के लिए अलग-अलग ऑनलाइन शिक्षण सत्र हैं।

उन्होंने कहा, आईटीआई लगातार महामारी के प्रकोप के बाद की चुनौतियों से निपटने में लगे हुए हैं, यह प्रशिक्षण छात्रों और कर्मचारियों के बेसिक सैनिटाइजेशन को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण होगा। मारुति सुजुकी ने सभी हितधारकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए संस्थानों को फिर से खोलने वाले आईटीआई केंद्रों के लिए नए एसओपी भी विकसित किए हैं। अब तक, 974 कर्मचारी 11,755 छात्रों ने कार्यक्रम के तहत केयर्स प्रशिक्षण प्राप्त किया।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 7 अगस्त, 2020

होटल, जिम खोलने के लिए एलजी से गुहार

दिल्ली सरकार ने दोबारा भेजा प्रस्ताव, अनिल बैजल पलट चुके हैं अरविंद केजरीवाल का फैसला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

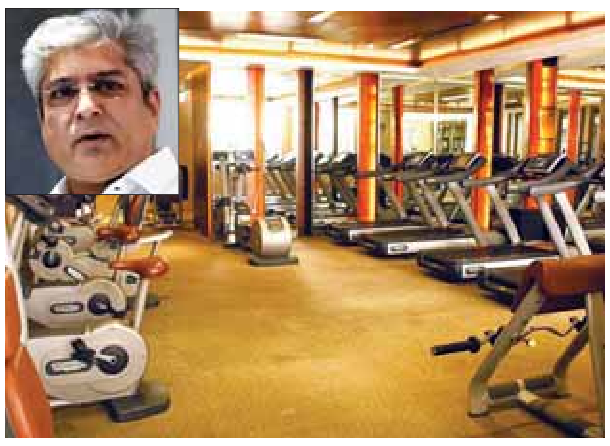

अनलॉक-3 में होटल, जिम और साप्ताहिक बाजारों को खोलने की अनुमति देने के लिए दिल्ली सरकार ने उपराज्यपाल अनिल बैजल को फिर से प्रस्ताव भेजा है।

केजरीवाल सरकार के राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत ने भेजे गए प्रस्तावों में कहा है कि राजधानी में अब लगातार कोरोना के मामले कम हो रहे हैं। हालात लगातार सुधर रहे हैं। केंद्र सरकार की गाइडलाइंस के अनुसार दिल्ली सरकार को फैसले लेने का हक है। कैलाश गहलोत ने कहा कि कई राज्यों में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन वहां होटल, जिम और साप्ताहिक बाजार खुल रहे हैं। दिल्ली के लोगों को क्यों उनकी आजीविका कमाने से रोका जा रहा है। कोरोना की स्थिति में सुधार और दिल्ली वालों की भावनाओं को देखते हुए होटल, जिम व साप्ताहिक बाजार खोल देना चाहिए। सरकार ने एलजी से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है।

गहलोत ने उपराज्यपाल को भेजे प्रस्ताव में कहा है कि उपराज्यपाल दिल्ली में कोरोना से हालात से वाकिफ हैं। अब आर्थिक गतिविधियां खोलने की जरूरत है। लॉकडाउन के चलते लोग पिछले चार महीने से परेशान हैं।

वहीं यह प्रतिबंध हटने से वे अपनी नौकरी और कारोबार फिर से शुरू कर सकते हैं। गहलोत ने लिखा है कि देशभर में होटल और साप्ताहिक बाजार खुल गए हैं। कोविड-19 मामलों में अचानक वृद्धि का सामना कर रहे उत्तर प्रदेश, कर्नाटक आदि राज्यों ने भी होटल और साप्ताहिक बाजार खुले रखे हैं। दिल्ली को छोड़कर पूरे देश में होटल और साप्ताहिक बाजार खुले हैं।

केंद्र सरकार ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिसमें बाजार और होटल खोलने की अनुमति दी गई है। दूसरी ओर, केंद्र सरकार उन्हें दिल्ली में खोलने की अनुमति नहीं दे रही है। राजस्व मंत्री के अनुसार होटल राज्य के सकल घरेलू उत्पाद और रोजगार में 8 प्रतिशत का योगदान करते हैं।

साप्ताहिक बाजार 5 लाख गरीब परिवारों को रोजगार मुहैया कराते हैं।

चौबीस घंटे में कोरोना के 1,299 नए केस

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर कोरोना वायरस के संक्रमण में बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। गत 24 घंटे में 1299 नए केस सामने आए हैं। बुधवार को 1076, मंगलवार को 674 और सोमवार को 805 नए मामले आए थे। गुरुवार को एक दिन में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या 15 है। राहत की बात यह है कि मरने वालों की संख्या में लगातार कमी हो रही है। इसी बीच कोरोना से पीड़ित 1008 मरीज ठीक हुए हैं। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग बुलेटिन के अनुसार विभिन्न अस्पतालों में इलाज करा रहे मरीजों की संख्या बृहस्पतिवार को बढ़कर 10,348 हो गई। गत 23 जून को राष्ट्रीय राजधानी में एक दिन में सबसे अधिक 3,947 नए मामले सामने आए थे।

दरिंदगी की शिकार बच्ची से मिले सीएम

आरोपियों को हर हाल में सजा दिलाने का किया वादा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पश्चिम विहार इलाके में गत मंलवार को 12 साल की बच्ची से हैवानियत और हत्या की कोशिश के बाद घायल बच्ची का हाल जानने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एम्स पहुंचे। उन्होंने पीड़िता के परिजनों से मुलाकात की और डॉक्टरों से उसके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

केजरीवाल ने कहा कि बच्ची के साथ बहुत ही दरिंदगी की गई है। उसकी हालत बहुत ज्यादा गंभीर है। डॉक्टर बच्ची की जान बचाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस दोषियों को पकड़ने की कोशिश कर रही है। सरकार उन्हें सख्त से सख्त सजा दिलवाएगी। सीएम ने बच्ची के परिवार को 10 लाख रुपये की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया है। वहीं दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने आरोपियों की गिरफ्तारी में कथित देरी को लेकर पुलिस पर सवाल उठाए हैं।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मासूम बच्ची के साथ बहुत ही हैवानियत के साथ दुष्कर्म किया गया है। इसकी वजह से उसकी हालत बहुत ज्यादा गंभीर है।

बच्ची को अंदर तक चोटें आई है। जिसका जिक्र करना भी बहुत मुश्किल है। वह बेहोशी की हालत में है। डॉक्टर ने बताया कि मंगलवार को जब वह अस्पताल आई थी, तब उसकी बहुत ज्यादा गंभीर हालत थी। उसकी सर्जरी की गई है। डॉक्टर उनकी जान बचाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। अगले 48 घंटे उसके लिए महत्वपूर्ण है। उम्मीद करते हैं कि बच्ची सही सलामत ठीक होकर अपने घर जाए।

केजरीवाल ने यह भी बताया कि उन्होंने पुलिस आयुक्त एस.एन श्रीवास्तव से भी बात की है। श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस दोषियों को गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है। सरकार दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलवाएगी।

डेंगू के 31 मामले, फीवर क्लीनिकों की स्थापना

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस वर्ष एक अगस्त तक डेंगू के 30 से अधिक मामले सामने आए हैं। नगर निकायों ने वेक्टर जनित इस बीमारी से पीड़ित मरीजों के लिए अलग फीवर क्लीनिक स्थापित किए हैं। इसके अलावा, निगमों ने जागरूकता अभियान भी चलाए हैं क्योंकि डेंगू का मौसम ऐसे समय आया है जब शहर मार्च के बाद से कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित है।

वहीं दक्षिणी दिल्ली नगर निगम द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में एक अगस्त तक डेंगू के 31 मामले सामने आए हैं। उसने कहा कि इसी अवधि के दौरान मलेरिया और चिकनगुनिया के मामले क्रमशः 45 और 18 हैं।

ऑनलाइन चल रहीं अवैध लैब पर हाईकोर्ट ने दिए कार्रवाई के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्च न्यायालय ने आम आदमी पार्टी सरकार को अवैध रूप से संचालित और कोविड-19 जांच के लिए नमूने एकत्रित कर रहे ऑनलाइन स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल और न्यायमूर्ति प्रतीक जालान ने इन कथित अवैध ऑनलाइन सेवा प्रदाताओं के कोविड-19 जांच नमूने एकत्रित करने पर प्रतिबंध लगाने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया। यह याचिका एक चिकित्सक ने दायर की है। इसमें आरोप लगाया गया है कि कुछ संस्थाएं खुद को चिकित्सा जांच प्रयोगशालाएं बताकर धोखाधड़ी कर रही हैं।

अदालत ने पेश हुए अतिरिक्त स्थायी वकील संजय घोष और अधिवक्ता उर्वी मोहन को इस मामले में कानून के अनुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

फोरेंसिक ऑडिट की अधूरी याचिका, सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने अपूर्ण विवरण का हवाला देते हुए उस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि सरकार द्वारा दी गई रियायती भूमि पर विभिन्न परमार्थ ट्रस्ट द्वारा चलाए जा रहे निजी अस्पताल कोविड-19 रोगियों से भारी शुल्क वसूल रहे हैं और उनके फोरेंसिक ऑडिट कराने का अनुरोध किया गया है। वहीं दूसरी तरफ भी है कि न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और तलवंत सिंह की पीठ ने हालांकि याचिकाकर्ता-वकील को अदालत में फिर से सभी आवश्यक विवरण के साथ एक नई याचिका दायर करने की छूट दी है।

जीडीए की संपत्तियों के 31 मार्च तक नहीं बढ़ेंगे दाम

156वीं बोर्ड बैठक में लिया फैसला, शमन नीति को मिली मंजूरी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

शहर के उन नागरिको के लिए एक बडी खबर है जो गाजियाबाद में अपना आशियाना बनाने का सपना देख रहे है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने अपनी तमाम सम्पत्तियों के सेक्टर रेट आगामी 31 मार्च 2021 तक न बढ़ाने का फैसला किया है, यानि कि वित्तीय वर्ष 2021 तक जीडीए अपनी किसी भी संपत्ति के रेट में कोई बढ़ोत्तरी नहीं करेगा।

इस आशय का महत्वपूर्ण प्रस्ताव जीडीए बोर्ड की संपन्न हुई 156 बैठक में सर्व सम्मति से पारित कर दिया गया है। लॉकडाउन में आयी मंदी का प्रभाव जीडीए की संपत्तियों पर भी पड़ा है। माना जा रहा है कि जीडीए की संपत्ति की बिकवाली में काफी गिरावट आयी है इसलिए जीडीए ने संपत्तियों के सेक्टर रेट में 31 मार्च 2021 तक कोई इजाफा नही करने का फैसला किया है। मंडलायुक्त व जीडीए बोर्ड अध्यक्षा अनीता सी मेश्राम की अगुवाई में संपन्न हुई बोर्ड बैठक में विकास से जुड़े कुल एक दर्जन प्रस्ताव पेश किये गये जिनमें से अधिकांश पारित कर दिये गए। इसके अलावा बोर्ड में आवंटियों पर बकाया राशि से जुड़ी महत्वपूर्ण शमन नीति 2020 को स्वीकृति दे दी गई।

यदि आवंटी पर बकाया राशि के लिए कोई जीडीए कर्मचारी जिम्मेदार है तो जांच कराकर उसके खिलाफ कार्रवाई होगी और आवंटी पर कोई विलम्ब ब्याज नहीं वसूला जाएगा।

बोर्ड मीटिंग में उपस्थित अधिकारी।

जिला अस्पताल में मरीज की मौत पर हंगामा, चिकित्सक से हाथापाई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जिला अस्पताल में जमकर हंगामा हुआ। एक मरीज की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा काटा।

इलाज में लापरवाही बरतने व शव को देने में देरी करने का आरोप लगाते हुए परिजनों ने जमकर हंगामा काटा। वहीं डॉक्टरो ने हंगामा करने वाले लोगों पर सरकारी कागजात फाड़ने व तोड़फोर्ड करने का भी आरोप लगाया। लापरवाही बरतने के आरोपों को अस्पताल प्रबंधन ने निराधार बताया। सीएमएस डॉ वीबी धक्का ने बताया कि घरवाले पोस्टमार्टम के बिना परिजन शव लेना चाहते थे। पुलिस को मेमो भेजा गया।

मेमो की वजह से देर हुई जिसके बाद लोगो का गुस्सा भड़क गया। पुलिस ने परिजनों को समझा बुझाकर शांत किया और शव को परिजनों को सौप दिया गया। थाना 20 में हंगामा करने वालों लोगों के खिलाफ शिकायत दी। कुशलपाल जिला अस्पताल लाया गया, जहाँ उनकी मौत हो गई। अस्पताल प्रबंधन न पोस्टमार्टम की बात कही और मेमो संबधित थाने भेज दिया।

मास्क का दिया फर्जी ऑर्डर, दर्ज होगा केस

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2.25 लाख रुपए के 3एम श्रेणी के मास्क का ऑर्डर देकर एक व्यक्ति से धोखाधड़ी करने के मामले में पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट मनु वेदवन ने पंजाबी बाग पुलिस थाने के थाना प्रभारी को मामले में प्राथमिकी दर्ज करने और 18 सितंबर तक स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश दिए हैं।

अदालत ने 30 जुलाई को दिए अपने आदेश में कहा, एसएचओ को उचित धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज करने और निष्पक्ष तरीके से जांच करने तथा जांच जल्द पूरी करने का निर्देश दिया जाता है।

जाली दस्तावेजों पर लिए ठेके, जांच के आदेश

ग्रेनो ने ठेकेदार के टेंडर को किया रद्द

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण में भ्रष्टाचार का एक और मामला सामने आया है। नकली दस्तावेजों के आधार पर एक ठेकेदार ने ठेका ले लिया। आरोपी ठेकेदार ने प्राधिकरण के भी फर्जी दस्तावेज तैयार कर दूसरी जगह ठेका हथिया लिया। इस मामले में एक कंपनी ने ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट किया है।

मामला उजागर होने पर प्राधिकरण के एसीईओ केके गुप्त ने समिति गठित कर जांच के निर्देश दिये हैं। प्राधिकरण जांच की बात भले ही कर रहा है, लेकिन ठेका देने से पहले अच्छी तरह से जांच क्यों नहीं की गई यह सबसे बड़ा सवाल है। इसमें प्राधिकरण के अधिकारियों की भी मिली भगत हो सकती है। इससे पहले भी फर्जीवाड़े का मामला प्रकाश में आ चुका है।

जानकारी के मुताबिक गाजियाबाद के नेहरु नगर में पंजीकृत एक फर्म ने नेशनल हाईवे-3 पर मध्य प्रदेश में गुना से शिवपुरी के बीच वर्ष 2017 में काम करने का ठेका सरकारी कंपनी इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड से लिया था। इसके लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का अनुभव प्रमाण पत्र दाखिल किया था। जांच में दस्तावेज जाली पाये गए। प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण ने इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड को पिछले साल 26 सितम्बर को जानकारी दी थी कि अनुभव प्रमाण पत्र उनके कार्यालय से जारी नहीं किये गये हैं।

बिल्डर ने प्राधिकरण के दफ्तर का फर्जी पता लिखा था। इसके बाद टेंडर रद्द दिया गया। जांच में पता चला कि यह आवासीय भूखण्ड है। एसीईओ केके गुप्त ने मामले की जांच के आदेश दिये हैं।

संक्षिप्त समाचार

सुर्यान बने शिक्षा समिति के अध्यक्ष

नई दिल्ली। मुकेश सुर्यान दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की शिक्षा समिति के अध्यक्ष और राधिका अबरोल सर्वसम्मित से उपाध्यक्ष चुने गए। सुर्यान सागरपुर वेस्ट वार्ड से निगम पार्षद हैं। वह इससे नजफगढ़ जोन वार्ड समिति के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वहीं राधिका सफदरजंग इंक्लेव वार्ड से निगम पार्षद हैं। शिक्षा समिति के अध्यक्ष चुने जाने के बाद मुकेश सुर्यान ने कहा कि कोरोना काल में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। उनकी कोशिश होगी निगम विद्यालयों के लगभग 2.5 लाख छात्रों को ऑनलाइन शिक्षा मुहैया कराई जाए। ऑनलाइन दाखिले के प्रक्रिया भी शुरु कर दी गई है। इस अवसर पर उपमहापौर सुभाष भड़ाना, स्थाई समिति अध्यक्ष राजदश्र , नेता सदन नरेंद्र चावला और अन्य निगम पार्षद उपस्थिति थे।

जनमानस को प्रोत्साहित करते हैं कवि : भट्ट

नई दिल्ली। संस्कृत अकादमी के सचिव डॉ. जीतराम भट्ट ने कहा कवि जनमानस को प्रोत्साहित करने का काम करते हैं। संस्कृत सप्ताह के अवसर पर अनेक संस्कृत संस्थाओं के साथ संयुक्त रूप से वेबिनार के माध्यम से आयोति अखिल भारतीय संस्कृत सम्मेलन में संस्कृत कवि रूप में भट्ट ने कहा युवा वर्ग को इस समय नये संसाधनों के मध्यम से लोगों तक संस्कृत भाषा के विराट स्वरूप को पहुंचाना है।

निगम के संपत्ति कर में घोटाले का आरोप

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम में भाजपा दल के नेता सदन पार्षद राजेंद्र त्यागी ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि शासन के निर्देश में स्पष्ट है कि निगम क्षेत्र में आने वाली प्रत्येक प्रॉपर्टी पर टैक्स आरोपित किया जाए लेकिन निगम अधिकारी प्रॉपर्टी मालिकों से मिलकर उन्हें टैक्स चोरी करा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इंदिरापुरम की दिव्यांश प्रथम सोसाइटी में 200 फ्लैट्स हैं जिसमें मात्र 11 फ्लैट्स पर ही कर लगाया है। इसके अलावा इंदिरापुरम में जयपुरिया सनराइज मार्केट है जिसमें 400 दुकाने हैं वहां केवल 60 दुकानों पर ही संपत्ति कर लगाया गया है।

गाजियाबाद से आगरा का सफर हुआ सुहाना

एसी बस सेवा शुरू, मंत्री ने दिखाई हरी झंडी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद से आगरा और बिजनौर का सफर करना गुरुवार से गाजियाबाद वासियों के लिए ना सिर्फ आसान बल्कि आरामदायक भी हो गया। प्रदेश के चिकित्सा राज्य मंत्री अतुल गर्ग ने गुरुवार को पुराण बस अड्डा परिसर में गाजियाबाद से आगरा और गाजियाबाद रेलवे स्टेशन से बिजनौर के लिए एसी बसों का लोकार्पण किया। गाजियाबाद से बिजनौर के लिए सुबह 8 बजे बस चलेगी, जो चार घंटे में सवारियों को बिजनौर पहुंचाने का कार्य करेगी। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में मंत्र गर्ग ने रोडवेजकर्मियों की तारीफ की।

रोडवेज ने लॉकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूरों को उनके घर पहुंचाने का जो कार्य किया है उससे राज्य सरकार का भी मान बढ़ा है। मगर साथ ही उन्होंने रोडवेज ट्रांसपोर्ट सिस्टम में सुधार करने की भी हिदायत दी।

मजदूरों की समस्याओं को लेकर सीटू ने दिया धरना

गाजियाबाद। मजदूरों की समस्याओं को लेकर सीटू कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर धरना दिया।

उन्होंने अपनी 14 सूत्रीय मांगों को लेकर डीएम के माध्यम से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। सीटू के जिलाध्यक्ष जेपी शुक्ला ने कहा कि कोविड-19 की आड़ में उद्योगपति व सेवायोजक ठेका श्रमिक, औद्योगिक मजदूरों का शोषण कर रहे हैं। मजदूर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। 14 मई को संघ व जिला प्रशासन के बीच बैठक सम्पन्न हुई थी जिसमें निर्णय लिया गया था कि मजदूरों को बेवजह परेशान नहीं किया जाएगा।

नोएडा प्राधिकरण ने 60 करोड़ की जमीन अतिक्रमण से कराई मुक्त

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण ने वर्क सर्किल 7 के तहत ककराला खवासपुर तथा याकूबपुर गांव में अभियान चलाकर 13800 वर्ग मीटर जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराई। इस जमीन की बाजारी कीमत कई 60 करोड़ बताई जाती है।

नोएडा प्राधिकरण के वर्क सर्किल 7 के वरिष्ठ प्रबंधक सतपाल ने बताया कि ककराला गांव में खसरा संख्या 391 तथा 401 में तकरीबन 7000 वर्ग मीटर जमीन मुक्त कराई गई। इस पर कुछ झुग्गी झोपड़ियां तथा अस्थाई दिवार करके कमरे बना कर अवैध निर्माण किया गया था। याकूबपुर गांव में भी इसी तरह खसरा संख्या 104, 105 तथा 107 में तकरीबन 6800 वर्ग मीटर जमीन पर हबीब निवासी महुआ द्वारा नोएडा की भूमि पर अस्थाई रूप से झुग्गियां बनाकर निर्माण किया गया था।

सुषमांजलि : दिलों में घर बनाने वाली पूर्व विदेश मंत्री सुषमा को दिल से किया याद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के निधन के एक साल पूरे हो जाने पर सुष्मांजलि नाम से एक वर्चुअल इवेंट रखा गया। इस कार्यक्रम का आयोजन संयुक्त रूप से नेशन फस्ट कलेक्टिव, संस्कार भारती पूर्वोत्तर एवँ संस्कृति गंगा न्यास ने किया।

लेखक, प्रस्तुतकर्ता वोईस ओवर कलाकार हरीश भिमानी ने इसका संचालन किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने की। कार्यक्रम में सुषमा की सुपुत्री बांसुरी स्वराज की विशेष उपस्थिति थी। इसके अलावा, भारत के प्रमुख,लेखक, कलाकार और फिल्म निर्माता ने भी शिरकत की।

जिनमें से हैं अभिनेता मोहनलाल, प्रख्यात कवी प्रसून जोशी, निर्माता निर्देशक सुभाष घई, गायक अनूप जलोटा, निर्माता निर्देशक मधुर भंडारकर, गायक कविता कृष्णामूर्ति, अभिनेत्री कंगना राणावत, के साथ, अमीषा पटेल, ईशा गुप्ता गीतकार समीर अनजान, लेखक कमलेश पांडे, प्रियदर्शन, कुलदीप सिंह, शत्रुघन सिन्हा, गजेन्द्र चौहान और मुकेश खन्ना सहित फिल्म इंडस्ट्री से अनेको गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

जाने माने निर्देशक प्रियदर्शन इस कार्यक्रम के आयोजन समिति के अध्यक्ष थे। जावड़ेकर ने कहा कि सुषमा 40 साल की सहयोगी थी, वे एक बहुत ही जिंदा दिल व्यक्ति थी। बांसुरी स्वराज ने बताया कि मां कृष्णा उपासक थी उनका मानना था की कृष्णा ने जो भी कार्य किये उसमे खुद को समर्पित कर दिया।

पद्मश्री, भजन सम्राट श्री अनूप जलोटा जी ने कार्यक्रम की शुरुआत सुषमा जी के पसंदीदा गीत इतनी शक्ति हमें देना दाता से की और कहा कि मेरी कई बार सुषमाजी से भेंट हुई और हर बार उनसे मिलकर मै प्रभावित होता था। वे एक बहुत ही स्पष्ट वक्ता थी और हम कलाकारों के लिए भी उनके हृदय में विशेष स्थान था। पद्मश्री, गीतकार श्री प्रसून जोशी जी ने कहा कि कॉपीराइट संशोधन बिल में सुषमाजी का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

सुषमा के मन में जीवन के प्रति काव्य दृष्टि थी, वे कविताओं की बहुत बड़ी प्रशंशक थी और मेरी लिखी हुई कविताएँ उन्हें काफी पसंद आती थी उनकी सोच को हमेशा याद रखेंगे। पद्मश्री, अभिनेत्री कंगना रणावत ने स्वराज को याद करते हुए कहा कि सुषमा ने अपने जीवन में कई बहादुरी भरे काम किये।

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम
कार्यालय उप निदेशक (बागवानी) बागवानी विभाग/पश्चिम जोन
कमरा नं 403, चौथा तल, डॉ. साहेब सिंह वर्मा निगम भवन
नजदीक शिवाजी कॉलेज, शिवाजी प्लेस, राजा गार्डन, नई दिल्ली-110027
ई-मेल: ddhwestzone37@gmail.com)
प्रेस सूचना
एनआईटी नं 02/डीडीएच/डब्ल्यूजेड/एसडीएमसी/2020-21 ई-टेंडर लाइन नं 1, "भारत दर्शन पार्क, पंजाबी बाग वार्ड नं. 02-एस/पश्चिम जोन/एसडीएमसी में गूढ अर्थ को हटाने एवं लेवलिंग के लिए बैक होई लोडर एवं हाइड्रा क्रेन को किराये पर लेने और स्क्रैप की लोडिंग एवं अनलोडिंग के लिए दर अनुबंध" कार्य के लिए प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों/योग्य निविदादाताओं से एकल चरण दो-निविदा प्रणाली (तकनीकी एवं वित्तीय) के अंतर्गत ऑनलाइन मद दर खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। अनुमानित राशि: रु. 18.00 लाख, दरें अनुबंध की अवधि: 12 माह, लेखाशीर्ष: I.130.1031 है। निविदा कीमत: रु. 1000/- ईएमडी: रु. 36000/- स्वयं का पंजीकरण कराने, यदि पहले से पंजीकृत नहीं है तो, के बाद विस्तृत नियम व शर्तों के साथ निविदा दस्तावेज वेबसाइट www.tenderwizard.com/SOUTHDMCETENDER के माध्यम से डाउनलोड एवं जमा किये जा सकते हैं या एसडीएमसी वेबसाइट www.mcdonline.gov.in/दक्षिणी दिल्ली नगर निगम/टेंडर्स/ई-टेंडरिंग देखें। ऑनलाइन निविदा सहायता के लिए निविदादाता हेल्पडेस्क नं. 011-23227413 एवं 011-23227414 पर कॉल कर सकते हैं या ई-मेल: mcd-ithelpdesk@mcd.gov.in पर सम्पर्क करें। डाउनलोड/निविदा-तैयारी/हौंच जमा की तिथि 07.08.2020 से 14.08.2020 को 1500 बजे तक है। उपरोक्त निविदा के संबंध में संशोधन, स्पष्टीकरण, शुद्धिपत्र, परिशिष्ट, समय विस्तार आदि के सभी विवरण केवल एसडीएमसी वेबसाइट पर अपलोड किये जायेंगे और समाचारपत्रों में प्रकाशित नहीं किये जायेंगे। निविदादाता नवीनतम जानकारी के लिए वेबसाइट नियमित रूप से देखते रहें।
उप निदेशक (बागवानी) पश्चिम जोन
फोन नं. 011-25107680
Ro. No. 25/DPI/S/2020-21

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 7 अगस्त, 2020

ईराक में अवैध रूप से दवाओं की आपूर्ति में दो और धरे गए

पुलिस आयुक्त केके राव के निर्देश पर सहायक पुलिस आयुक्त डीएलएफ करण गोयल को बनाया गया था एसआईटी प्रमुख

अवैध दवा केस में गिरफ्तार आरोपी हरिओम टिकिवाल व अमित अग्रवाल।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारत से ईराक अवैध रूप में नशीली दवाओं के सप्लाई करने के मामले में गठित की गई एसआईटी गुरुग्राम की पुलिस टीम ने 2 और आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इससे पहले 4 ईराकी मूल के नागरिकों को दो स्थानों से अपराध शाखा सेक्टर-40 की टीम ने गिरफ्तार किया गया था। गुरुवार को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) ने बताया कि आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है।

इस मामले में पुलिस आयुक्त केके राव ने एक एसआईटी का गठन किया था, जिसके प्रमुख सहायक पुलिस आयुक्त डीएलएफ करण गोयल को बनाया गया। उनके नेतृत्व में ही इस मामले की जांच और आरोपियों से पूछताछ की गई। इस दौरान पता लगाया कि आरोपी किस प्रकार से प्रतिबंधित गोलियां व इंजेक्शन हासिल करते थे और किस मूल्य में उनकी खरीदारी करते थे। परत-दर परत खुलासे होते गए। एसआईटी द्वारा पूर्व में गिरफ्तार किए गए 5 आरोपियों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर ही गुरुवार को दो और आरोपियों को दबोच लिया गया। इनमें जयपुर निवासी हरिओम टिकिवाल पुत्र विनोद कुमार और आगरा निवासी अमित अग्रवाल पुत्र हरिओम अग्रवाल शामिल हैं। हरिओम टिकिवाल की जयपुर में क्रोम फार्मास्यूटिकल नाम से फर्ज है और वह हेटेरो हेल्थकेयर का होलसेल वितरक है। अमित अग्रवाल का आगरा में अपने भाई मुकेश अग्रवाल के साथ होलसेल दवाओं के वितरक का काम है।

दोनों आरोपियों ने किया ये खुलासा

गुरुग्राम। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों से पुलिस पूछताछ में पता चला कि जयपुर से पकड़ा गया आरोपी हरिओम टिकिवाल हेटेरो हेल्थकेयर कंपनी से न्यूनतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर यानी करीब 4200 रुपए प्रति इंजेक्शन की दर से सप्लाई मंगवाता था। इसके बाद इसमें अपनी बचत रखकर आगरा के दवाई व्यापारी अमित अग्रवाल को बेच देता था। अमित अग्रवाल ने आगरा में अपने भाई मुकेश अग्रवाल के साथ एमके वितरक होलसेल मेडिसिन वितरक दवाइयों की दुकान कर रखी है। इन मामलों में पहले ही गिरफ्तार हो चुके रुद्र मेडिकोज दिल्ली के तरुण गोयल आगरा से यह दवाई लेकर आता था। यह आगे फ्रेंड्स मेडिकोज के दवा विक्रेता साजिद व फैजान को बेच देता था। जहां से प्रदीप नामक व्यक्ति खरीदता था और ईराकी नागरिकों को बेच देता था। जो कि 28 जुलाई 2020 को गिरफ्तार किए जा चुके हैं। लगभग 4200 रुपए कीमत का यह इंजेक्शन अलग-अलग जगह बिकता हुआ ईराकी आरोपियों तक 18 से 20 हजार रुपये में पहुंचता था। उसके बाद ईराकी आरोपी और ज्यादा अधिक मूल्य पर इन्हें ईराक में सप्लाई करते थे। प्रतिबंधित दवा सप्लाई की कड़ी में शामिल ईराकी नागरिकों के अलावा तरुण गोयल, साजिद, फैजान व प्रदीप को भी पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपियों से यह पूछताछ चल रही है कि ये प्रतिबंधित दवाई को बिना डॉक्टर की सलाह के कैसे बेच देते थे। बता दें कि 28 जुलाई 2020 को सीएम फ्लाईंग और गुरुग्राम पुलिस की टीम एवं दवा नियंत्रक विभाग ने मिलकर छापेमारी करके गुरुग्राम में दो स्थानों से प्रतिबंधित दवाओं के साथ ईराकी नागरिकों को गिरफ्तार किया था। इसमें एक महिला भी शामिल थी।

23 वर्ष बाद भूमिहीन परिवारों को मिला प्लाटों पर कब्जा

सोहना नगर परिषद के गांव खाईका में प्लाटों से अवैध कब्जा हटाती जेसीबी।

पंचायत विभाग ने 1997 में गांव खाईका के 13 भूमिहीन कमजोर लोगों को दिये थे 100-100 वर्गगज के प्लाट

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना नगर परिषद के गांव खाईका के 13 भूमिहीन परिवारों को 23 वर्ष बाद रिहायशी प्लाटों पर कब्जा मिला। गांव के दबंग लोगों ने आवंटित प्लाटों पर अवैध कब्जा किया हआ था।

केन्द्र सरकार के आदेश पर पंचायत विभाग ने 1997 में गांव खाईका के 13 भूमिहीन कमजोर वर्ग के तहत 100-100 वर्गगज के प्लाट आवंटित किए थे। जिन परिवारों को यह प्लाट आवंटित किए थे। उन्हें प्लाटों की रजिस्ट्रियां देते हुए पटवारी के खाते में मालकाना हक भी दर्ज कर दिया था, लेकिन प्लाटों पर गांव के दबंग अवैध कब्जा करके बैठे थे। जो न तो जमीन की कभी पैमाइस होने देते थे और न ही असल मालिकों को उन पर कब्जा दे रहे थे। ग्रामीण ने अपना प्लाटों को अवैध कब्जों से मुक्ति के लिए पिछले करीब 15 वर्ष से कानूनी लड़ाई लड़ रहे थे।

गुरुवार को ड्यूटी मजिस्टेट, बीडीपीओ सोहना प्रमेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी से प्लाटों पर हो रहे अवैध कब्जे का सफाया कराया। ड्यूटी मजिस्टेट प्रमेन्द्र सिंह ने बताया कि अवैध कब्जा शांतिपूर्ण वातावरण में हटाया गया है। प्लाटों के असल मालिकों को उनका हक मौके पर ही दिलाते हुए कब्जा कराया है।

संक्षिप्त समाचार

सोहना नगर परिषद सड़कों पर लगाएगी 50 हजार पौधे

सोहना। सोहना नगर परिषद अपनी सभी सड़कों को हरा भरा करने के लिए 50 हजार पौधे लगाएगी। यह पौधे छायादार, फलदार और औषधि युक्त होंगे। परिषद पौधारोपण का अभियान शुक्रवार से करेगी। एक्सईएन अजय पंघाल ने बताया कि नगर परिषद ने इस वर्ष 50 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। जिमसें परिषद अपने सीमा क्षेत्र में अपने वाली सड़कों को हरा-भरा करने के लिए अभियान चला रही है। उन्होंने बताया कि गुरुग्राम मार्ग, बेरका मार्ग, बालूदा मार्ग, जखोपुर, दमदमा मार्ग, दौला मार्ग और शहर में बने सभी पार्कों में पौधारोपण किया जाएगा। परिषद के एक्सईएन अजय पंघाल ने बताया कि पौधारोपण करने के बाद इनकी देखरेख की जिम्मेदारी नगरपररिषद के अधिकारियों को ही सौंपी जाएगी। एक अधिकारी अपनी टीम के साथ 5 हजार पौधो की देखभाल करेगा। अधिकारी कम से कम दो वर्ष तक अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले पौधो का पालन पौषण करेगा। ताकि एक भी पौधा खराब न हो सके।

बिजली निगम ने आठ क्रेसर मशीनों के कनेक्शन काटे

सोहना। बिजली निगम ने रायसीना क्रेसर जोन में बिना अनुमति के चल रही आठ मशीनों का कनेक्शन काट दिया। बिजली निगम ने माइनिंग विभाग के आदेश पर क्रेसर मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की है। रायसीना क्रेसर जोन में बिना लाइसेंस चल रही मशीनों को बंद कराने के लिए माइनिंग विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। माइनिंग विभाग ने एक सर्वे के दौरान यहां की पहले चरण में ऐसी आठ मशीनों की जांच की, जिनके पास मशीन चलाने का अनुमति पत्र तक नहीं है। इन मशीन मालिकों ने अपनी मशीनों को दो से तीन लाख प्रति माह किराए पर दे रखा है। बिजली निगम ने कार्रवाई निदेशक खान एवं भूविज्ञान विभाग हरियाणा, चंडीगढ़ के आदेश पर की है। माइनिंग विभाग की शिकायत पर बिजली निगम ने कार्रवाई की है। जिनमें मैसर्ज गणेश स्टोन, मैसर्ज अनुमान स्टोन, मैसर्ज एकता ग्रिट, मैसर्ज आफरीया, मैसर्ज राज महेन्द्र, मैसर्ज ओम भगवती व मैसर्ज एकता स्टोन क्रेसर शामिल हैं। बिजली निगम के एसडीओ सुरेन्द्र बैरवाल ने बताया कि उच्चाधिकारियों के मिले आदेश पर क्रेसर मशीनों के बिजली कनेक्शन तुरन्त प्रभाव से काट दिए हैं। अभी तक उनके पास आठ क्रेसर मशीनों के आदेश आए हैं।

पेड़ों से समाज के हर जीव को आश्रय मिलता : केके राव

गुरुग्राम। पेड़ पौधे लगाने से ना केवल पर्यावरण स्वच्छ होता है, बल्कि समाज के हर जीव को आश्रय मिलता है। हर व्यक्ति को अपने जीवन में एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। इसके साथ-साथ उसका बड़ा होने तक उसकी देखभाल भी करनी चाहिए। यह बात पुलिस कमिश्नर केके राव ने व्यक्त किए। पुलिस कमिश्नर केके राव पुलिस शहीद फाउंडेशन द्वारा आयोजित पौधारोपण और पुलिस कर्मचारियों के लिए इम्यूनिटी बूस्टर वितरण के कार्यक्रम के शुभारंभ पर बोल रहे थे। बतौर मुख्य अतिथि केके राव ने कहा कि पेड़ हमारे हमारे जीवन के साथ भी और जीवन के बाद भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। उन्होंने फाउंडेशन के सभी सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस विभाग की खाली जमीन पर पेड़ लगाकर इसे हरा-भरा बनाने में सहायता करें। पुलिस कमिश्नर केके राव ने फाउंडेशन के संस्थापक व पूर्व पुलिस अधिकारी पंडित हुकम चंद शर्मा को नमन व श्रद्धांजलि अर्पित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया और पुलिस आयुक्त कार्यालय में ही अमरूद, निम्बू ओर आंवला के पोधो को लगाया।

नूंह जिले को 2 हजार और मिलेंगी एंटीजन किट

तावडू। चाइनीज रेपिड टेस्टिंग किट फेल होने के बाद केंद्र ने कोरोना के विरूद्ध जंग में साउथ कोरियन रेपिड डायग्नोस्टिक एंटीजन किट को मैदान में उतारा है। कुछ समय पूर्व नूंह जिले में ये दो चरण में 4 हजार किट भेजी गई थी, जोकि इस्तेमाल हो चुकी हैं। अब नूंह जिले को 2 हजार एंटीजन किट और मिलेंगी। पिछले दिनों भारत ने चीन से साढ़े पांच लाख टेस्ट किट खरीदी थी लेकिन कई राज्यों में नमूनों की जांच संतोषजनक नहीं थी। इसलिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आइसीएमआर) ने एंटीबॉडी रैपिड टेस्टिंग किट के परीक्षण पर रोक लगा दी थी। उसके बाद कोरियन कंपनी की रेपिड डायग्लोस्टिक किट (आरडीके) को यूज में लाया गया था जोकि ये भी फेल साबित हुई थी। अब आइसीएमआर कोरियन कंपनी की की आरडी एंटीजन किट (आरड-एके) को मैदान में लाया है। आइसीएमआर ने कई तरह के आरटी-पीसीआर टेस्ट को मंजूरी दी हुई है। लेकिन इसमें सबसे बड़ी समस्या यह है कि इसकी जांच रिपोर्ट में 24 घंटे तक का समय लगता है। इसके मद्देनजर एंटीजन किट को मैदान में लाया गया है।

स्वतंत्रता दिवस पर उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला करेंगे ध्वजारोहण

गुरुग्राम। 74वें स्वतंत्रता दिवस का जिला स्तरीय समारोह सेक्टर-38 के ताऊ देवीलाल खेल परिसर में मनाया जाएगा। जिसमें उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला मुख्य अतिथि होंगे। समारोह को लेकर उपायुक्त अमित खत्री की अध्यक्षता में जिला अधिकारियों की बैठक हुई। जिसमें अमित खत्री ने कहा कि इस बार कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखते हुए स्वतंत्रता दिवस समारोह कोविड प्रोटोकोल के साथ यानी फेस मास्क पहनना और सोशल डिस्टेंसिंग रखते हुए मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानी तथा युद्ध वीरांगनाएं, जिनके अथक प्रयासों की वजह से देश को आजादी मिली, वे हर बार स्वतंत्रता दिवस समारोह का गौरव होते हैं। लेकिन इस बार कोरोना संक्रमण और स्वतंत्रता सेनानियों व युद्ध वीरांगनाओं की बड़ी आयु को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन उन्हें उनके घर पर ही जाकर सम्मानित करेगा। उन्हें सम्मानित करने का कार्यक्रम एक दिन तक सीमित ना रहकर दो से तीन दिनों तक चलेगा।

अब चाहकर भी रजिस्ट्री करने में कुछ गड़बड़ नहीं कर पाएंगे अधिकारी

टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के नियमों में बदलाव, सरकार ला रही है नया अध्यादेश

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

जमीन की रजिस्ट्रियों से जुड़े नियमों की खामियां का फायदा उठाकर मलाई खाने वाले भ्रष्ट अधिकारियों की अब खैर नहीं है। सरकार ऐसे अधिकारियों पर एक अध्यादेश के माध्यम से लगाम कसने जा रही है। इसके लिए सरकार ऐसा फुल प्रुफ प्लान तैयार कर रही है कि नीयत में खोट रखने वाले अधिकारी चाह कर भी रजिस्ट्री करने में कु छ गड़बड़ नहीं कर पाएंगे। इसका फुल प्रुफ प्लान प्रदेश के डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला तैयार कर रहे हैं। इसी कड़ी में राजस्व विभाग के साथ जुड़े टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के नियमों में भी संशोधन के माध्यम से फेरबदल किया जा रहा है। इस फेरबदल के तहत हरियाणा सरकार हरियाणा डवलेपमेंट एंड रेगुलेशन ऑफ अर्बन एरियाज एक्ट 1975 (2017 एक्ट नंबर 11) के सेक्शन 7 ए के लिए अध्यादेश लाने जा रही है, ताकि रजिस्ट्री करने की प्रक्रिया में अधिकारियों द्वारा की जा रही नियमों की धज्जियां उड़ाने पर रोक लगाई जा सके। इसी अध्यादेश को लेकर वीरवार को उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने अपने कार्यालय में संबंधित राजस्व, शहरी स्थानीय निकाय तथा नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की एक संयुक्त बैठक में विस्तार से चर्चा की।

यहां बता दें कि हरियाणा सरकार ने वर्ष 2017 में हरियाणा डवलेपमेंट एंड रेगुलेशन ऑफ अर्बन एरियाज एक्ट, 1975 (जो 2017 में एक्ट नंबर 11 के तहत संशोधित किया गया था।) का अधिकारियों ने इस संशोधन का प्रयोग अपने लाभ के लिए उठाना शुरू कर दिया और प्रदेश में राजिस्ट्री में होने वाली अनियमितताओं के मामले पहले से ज्यादा बढ़ गए। एक्ट में कुछ प्रावधान ऐसे थे जिनका भ्रष्टाचारियों ने नाजायज फायदा उठाया और राज्य सरकार के राजस्व को चूना लगाया। मामला उजागर होने पर संबंधित विभाग ने इसे लेकर एक रिपोर्ट तैयार की। इसमें टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के अधिकारियों की ओर भी शक की सूई घूम गई। प्रदेश में हाल में रजिस्ट्रियों मंड हुई गड़बडयिों के बाद राजस्व विभाग संभाल रहे डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने इस एक्ट में भी संशोधन करने का सुझाव प्रदेश सरकार के समक्ष रखा। सरकार इस संशोधन के लिए राजी हो गई है और अध्यादेश के माध्यम से एक्ट में बदलाव किया जाएगा।

डिप्टी सीएम ने कहा कि अध्यादेश के बाद फर्जीवाड़ा करने वालों पर रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि क्योंकि कोविड-19 के कारण विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने में अभी समय लगेगा और वाजिब लोगों के लिए रजिस्ट्री खोलनी भी आवश्यक हैं, इसलिए एक्ट में संशोधन करने के लिए जल्द अध्यादेश लाने की जरूरत है। दुष्यंत चौटाला ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जमीनों की रजिस्ट्री करने के मामले में संबंधित विभाग आपस में समन्वय स्थापित करके ऐसा फुल प्रुफऑनलाइन सिस्टम तैयार करें जिसमें न तो राजस्व की चोरी हो और न ही किसी व्यक्ति के साथ धोखाधड़ी होने की गुंजाइश बचे।

स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगाएंगी कोविड-19 जांच शिविर

सोहना। स्वास्थ्य विभाग की टीम नागरिक अस्पताल सीमा क्षेत्र में आने वाले गांवों में भी कोविड-19 जांच के शिविर लगाएगी। जिसके लिए विभाग की टीम योजना को अंमित रूप देने की तैयारी में जुट गई है। नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉ. नवल किशोर ने बताया कि कोविड-19 जांच के लिए लगाए जाने वाले शिविरों की समय सीमा को 14 जुलाई तक बढ़ा दिया है।

नागरिक अस्पताल सोहना की टीम एक दिन में दो स्थानों पर रोजाना कोविड-19 जांच शिविर लगा रही है। सोहना में लगाए गए अब तक करीब 60 जांच शिविरों में 450 से अधिक लोगों का कोरोना संक्रमित पाए गए थे। जिनमें से 70 कोरोना संक्रमित अपने घरों पर आइसोलेशन पर है और 350 से अधिक लोग ठीक हुए हैं।

घोटाले की शिकायत लेकर एसडीएम से मिले गोकलपुरवासी

पायनियर समाचार सेवा। पुन्हाना

एसडीएम दफ्तर में शिकायत करने के बाद लौटे लोग।

उपमंडल के गांव गोकलपुर में सरपंच द्वारा पंचायत विकास कार्यों में किए गए करोड़ों के घोटाले की शिकायत लेकर गुरुवार को दर्जनभर से अधिक लोगों ने एसडीएम कुलबीर सिंह ढाका से मुलाकात कर सरपंच के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग करते हुए इन्साफ की गुहार लगाई है। ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव की विकास राशि को सरपंच सहित बैंक मैनेजर, पंचायत सेक्रेटरी, ठेकेदार व कुछ अधिकारियों ने सांठगांठ करके खुर्द बुर्द किया है।

एसडीएम कार्यालय पहुंचे गोकलपुर निवासी समसुद्दीन, शहबाज, यूनुस, ताहिर, मकसूद, माजिद, नवाब, आजाद, मुबीन, हाकम, अकरम आदि ने बताया कि उनके गांव के सरपंच ने फर्जी तरीके से 262 जॉब कार्ड बनवाए हैं, जिनसे कई लाख रुपये फर्जी तरीके से निकाले गए हैं, जबकि जॉब कार्ड वाले लोगों को आज तक कानों कान खबर न लगने दी।

इसके अलावा कागजों में जोहड का निर्माण, श्यमशानघाट में टीन शैड, कब्रिस्तान की चार दिवारी, ईद गाह में मिट्टी डालना, फिरनी के रास्ते में स्ट्रीट लाइट, स्कूल में मिट्टी डालना आदि कामों को कागजों में दिखाकर करोडों रुपये का घोटाला किया है। वहीं इस मामले में पुन्हाना के एसडीएम कुलबीर सिंह ढाका ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि मामले की निष्पक्ष तरीके से जांच कराई जाएगी। घोटाले में जो भी शामिल होंगे कार्रवाई की जाएगी।

नवकल्प फाउंडेशन ने लगाए 100 पेड़

नवकल्प फाउंडेशन के साथ रोटरी क्लब ऑफ गुड़गांव साउथ सिटी व इको ग्रीन ने किया सहयोग

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के बेरी वाला बाग में नवकल्प फाउंडेशन के साथ मिलकर पौधारोपण करते रोटरी क्लब ऑफ गुड़गांव साउथ सिटी व इको ग्रीन के सदस्य।

नवकल्प फाउंडेशन द्वारा शुरू किए गए हरा-भरा हो गुड़गांवा अभियान के तहत गुरुवार को नवकल्प फाउंडेशन के साथ मिलकर रोटरी क्लब ऑफ गुड़गांव साउथ सिटी व इको ग्रीन ने गुरुवार को यहां राजीव चौके पर स्थित बेरी वाला बाग परिसर में पेड़ लगाए। इस दौरान विभिन्न प्रजातियों के 100 पौधे यहां पर लगाए गए। साथ ही सभी पेड़ों के रखरखाव का इको ग्रीन ने जिम्मा लिया।

इस मौके पर रोटरी क्लब ऑफ साउथ सिटी गुड़गांव के प्रधान रोटेरियन नवीन गुप्ता एडवोकेट, कोषाध्यक्ष रोटेरियन अनिल गुप्ता, रोटेरियन विनोद गुप्ता समेत काफी संख्या में इको ग्रीन कंपनी के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। प्रधान नवीन गुप्ता ने कहा कि प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रखने के लिए जरूरी है कि हम अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाएं। पेड़ों से मिलने वाली ऑक्सीजन ही हमारे लिए जीवन का आधार है। हमारी संस्कृति पेड़-पौधों के साथ मिलकर रहने की रही है, ना कि उन्हें काटकर रहने की।

अगर हम एक पेड़ काटते हैं तो उसके बाद 100 पेड़ लगाना हमारा कर्तव्य है। चाहे शहर हो या गांव, पेड़ों के बिना गुजारा नहीं है। आज बीमारियां पनपने का कारण भी यही है कि कंक्रीट के जंगल हमने खड़े कर लिए और हरियाली को भुला दिया।

आयुर्वेदिक दवाओं से कोरोना संक्रमितों के ठीक होने का दावा

गुरुग्राम। नोवल कोरोना वायरस ने जहां एक तरफ पूरे विश्व को अपनी चपेट में ले रखा है, वहीं दुनिया भर के तमाम बड़े वैज्ञानिक कोरोना वायरस की वैक्सीन बनाने में दिन रात जुटे हुए है। इस बीच कुछ लोग आयुर्वेदिक दवाओं को भी आजमा रहे हैं और उनके सेवन से स्वस्थ भी हो रहे है।

जिला के आयुष विभाग की जिला आयुष अधिकारी डॉ. मंजू बांगड़ के अनुसार गुरुग्राम जिला में 726 कोरोना पॉजिटिव मरीजों को आयुर्वेदिक दवाएं दी गई। जिनमें से 589 मरीज बहुत ही कम समय में पूरी तरह से स्वस्थ हो चुके है और पहले की तरह सामान्य जीवन व्यतीत कर रहे है। बाकी मरीजों को भी दवाएं दी जा रही हैं।

इसी वर्ष होगा तावडू में सेक्टर निर्माण: संजय सिंह

9 वर्ष में भी तावडू में नहीं बने सेक्टर

ठंडे बस्ते में पड़ी थी सेक्टर निर्माण योजना

26 नवंबर 2016 को केनाल रेस्ट हाउस में आए थे सीएम

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

सेक्टर्स के लिए अधिग्रहित की गई जमीन।

26 नवंबर 2016 को सीएम मनोहर लाल केनाल रेस्ट हाउस आए। इस दौरान सीएम ने तावडू में प्रस्तावित तीनों सेक्टरों में से एक सेक्टर का निर्माण कार्य जनवरी 2017 से शुरू होने की बात कही, लेकिन तीन वर्ष बीतने पर भी सीएम की कथनी सिरे नहीं चढ़ी है। जिस पर लोगों का कहना है कि ये सीएम का आश्वासन नहीं बल्कि छलावा था। इसका खामियाजा पार्टी को आगामी चुनावों में भुगतना पड़ सकता है।

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) ने वर्ष 2011 में तावडू में तीन सेक्टर 7, 8 व 11 के निर्माण को लेकर लगभग 360 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया। लेकिन 9 वर्ष बाद भी यह जमीन ज्यों की त्यों पड़ी है। सीएम 26 नवंबर 2016 को तावडू केनाल रेस्ट हाउस आए। स्थानीय विधायक द्वारा सेक्टरों को विकसित करने की मांग पर जनवरी 2017 में एक सेक्टर निर्माण चालू करने का आश्वासन दिया। लेकिन मुख्यमंत्री आश्वासन को तीन वर्ष बीतने पर भी स्थिति जस की तस है। ओर हां, कुछ समय पूवज़् ही सीएम ने यह भी कहा था कि हरियाणा के 6 शहरों में हुडा 9 सेक्टर बनाएगा। आने वाले कुछ वर्षों में इस तरह के 47 सेक्टर काटने की सरकार की मंशा है। सीएम ने घोषणा की है कि एचएसवीपी के अधिकारियों को इसकी तैयारी के आदेश दे दिए गए हैं। भिवानी, महेंद्रगढ़, यमुनानगर, डबवाली, तावडू व पिंजौर में सेक्टर विकसित होगा। उल्लेखनीय है कि सेक्टर को विकसित करने की बात सीएम बार-बार कह रहे हैं लेकिन इसके निर्माण को लेकर एक ईंट आज तक नहीं रखी गई है। जिसको लेकर लोगों में मुख्यमंत्री के प्रति नाराजगी देखी जा सकती है। वहीं कुछ समय पूवज़् सीएम दो बार तावडू आए। लोगों को विश्वास था कि सेक्टर निर्माण से लेकर अन्य विकास कार्यों पर सीएम अवश्य कुछ कहेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तावडू के विकास को लेकर मुख्यमंत्री के मुंह से एक शब्द नहीं निकला। सीएम दौरे में तावडू की इस उपेक्षा से भी लोगों में जबरदस्त नाराजगी देखी जा सकती है। वहीं सोहना विधानसभा से नवनिर्वाचित विधायक संजय सिंह ने इस संबंध में अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट ली है।

विधायक संजय सिंह का कहना है कि तावडू में तीनों ही सेक्टर बनेंगे। मुख्यमंत्री के समक्ष दोबारा जल्द ये विषय रखा जाएगा। वैसे मुख्यमंत्री तावडू में सेक्टर निर्माण को लेकर स्वयं गंभीर हैं। उम्मीद है कि इसी वर्ष सेक्टर निर्माण चालू हो जाएगा।

उधार के रुपए मांगना पड़ा महंगा, चाकू से कर दिया हमला

गुरुग्राम। उधार दिए रुपये मांगने पर युवक पर चाकू से हमला कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग एकत्रित हो गए जिन्हें देखकर आरोपी फरार हो गया। लोगों की मदद से घायल युवक को अस्पताल में दाखिल कराया गया। यह घटना दयानंद कालोनी की है। सेक्टर-5 थाना प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार दयानंद कॉलोनी निवासी दीपक से अजय नामक शख्स ने रुपये उधार ले रखे थे। बुधवार दोपहर को दीपक अपने उधार लिए रुपये लेने अजय के पास गया। दीपक ने जब आरोपी से उधार दिए रुपये मांगे तो उसने गाली-गलौच करते हुए चाकू से हमला कर दिया। आरोपी ने पीड़ति के सिर व पीठ में दो वार किए जिसमें वह घायल हालत में जमीन पर गिर गया।

इस्कॉन द्वारका का जन्माष्टमी उत्सव 7 से 12 तक

सुरक्षा मानकों के बीच होंगी आकर्षक गतिविधियां,महाआरती,महाभिषेक और ऑनलाइन प्रसारण

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भगवान श्री कृष्ण के अवतार का दिन हमारे बीच है, जिसे हम जन्माष्टमी त्योहार के रूप में पूरे हर्षोल्लास से मनाते हैं। जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में दिल्ली के द्वारका सेक्टर 13 स्थित प्रसिद्ध इस्कॉन मंदिर ने हर वर्ष की तरह भी भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के लिए खासी तैयारियां की हैं और इस वर्ष वे डिजीटल प्लेटफॉर्म एवं प्री-बुकिंग माध्यम से एंट्री के साथ विभिन्न आकर्षक गतिविधियों संग इसकी तैयारियां कर रहे हैं।

7 से 12 अगस्त 2020 तक इस्कॉन द्वारका द्वारा जन्माष्टमी उत्सव मनाया जायेगा। प्रबंधन ने भगवान को खुश करने के लिए 1.08 लाख भोग का लक्ष्य रखा है। इसमें भक्त व्यंजन फल, ड्राई फ्रूट्स, मिठाइयां, सेवईयां इत्यादि पेश कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इस्कॉन द्वारका का अपना बैंड 'शंखनाद' ऑनलाइन मेडिटेशन कीर्तन भी करेगा।

इस्कॉन द्वारका ने इस वर्ष एक अनूठा अवसर प्रदान करने का विचार रखा है, जहां श्रीश्री रुक्मिणी द्वारिकाधीश आपके घर आएंगे और अपने भक्तों को प्रसन्न करेंगे। इसके लिए प्रबंधन द्वारा समुचित व्यवस्था की गयी है और आपके घर से आरती और अभिषेक करने में आपकी मदद करने के लिए किट तैयार की है, जिसे बड़े दिन से पहले भक्तों के पास पहुंचाया जायेगा। ऐसे में भक्तों के पास बहुत अच्छा मौका है अपने प्रभु पर अटूट प्रेम और स्नेह बरसाने का। 8 अगस्त 2020 को शाम 7 बजे से, वैष्णव सिद्धान्त पर एक प्रसिद्ध आधिकारिक उपदेशक श्रीला भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज द्वारा श्री कृष्ण कथा होगी। चूंकि कैलेंडर के अनुसार, जन्माष्टमी 11 एवं 12 अगस्त 2020 को पड़ती है, लेकिन इस्कॉन वैष्णव समुदाय के लिए यह 12 अगस्त को मनायी जायेगी। महा-अभिषेक और महा आरती क्रमश: 10 बजे और आधी रात को होगी।

लापरवाही: स्टाफ नर्स के पॉजिटिव आने के बाद भी नहीं लिया सबक

अस्पताल में सोशल डिस्टेंसिंग की जगह-जगह उड़ रहीं धज्जियां

नर्सों की कमी से जूझ रहा बीके सिविल अस्पताल

कविता। फरीदाबाद

बादशाह खान सिविल अस्पताल में 90 में से मात्र 20 स्टाफ नर्स ही तैनात है। इनमें से भी कुछ अवकाश पर तो कुछ पदोन्नत हो चुकी हैं। अब सिर्फ 15 ही स्टाफ नर्स कार्यरत है। मंगलवार को डिलीवरी वार्ड में तैनात एक स्टाफ नर्स पॉजिटिव आ गई। जिसके बाद से बीके सिविल अस्पताल में अव्यवस्था फैली हुई है। कर्मचारियों की कम संख्या के कारण सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ा रही है।

नियमों की उड़ रही धज्जियां

बीके अस्पताल के कर्मचारियों के पॉजिटिव आने के मामले लगातार सामने आने के बाद भी यहां गाइडलाइन की धज्जियां उड़ाई जा रही है। दो दिन पहले जच्चा-बच्चा वार्ड में तैनात एक स्टाफ नर्स पॉजिटिव आ गई। जिसके बाद न तो कक्ष को बंद किया गया और न ही यहां सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखा जा रहा है। अस्पताल के अपातकालीन कक्ष से लेकर वार्डों में हर जगह सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। गुरुवार को ओपीडी में भी कमरा नम्बर नौ, 19 और 18 में सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ती हुई नजर आई।

वार्ड में स्टाफ नहीं

अस्पताल के सभी वार्डों को शुरू कर दिया गया, लेकिन यहां स्टाफ नर्सो की भारी कमी है। ओर्थो, मेडिकल, सर्जिकल और क्षयरोग वार्ड तृतीय तल पर चल रहे हैं। वहीं डिलीवरी, आईसोलेशन और आईसीयू वार्ड भी शुरू हैं। आईसीयू और अपातकालीन कक्ष में एक-एक ही स्टाफ नर्स को तैनात किया गया है। जिससे मरीज परेशान हैं।

प्रबंधन से की शिकायत

पिछले दिनों आईसीयू में भर्ती दो कोरोना पीड़ित महिलाओं के परिजनों ने प्रबंधन को शिकायत देकर बताया था कि कोविड-19 आईसोलेशन और आईसीयू में एक ही स्टाफ नर्स है। सूचना मिलते ही एक अन्य स्टाफ की ड्यूटी आईसीयू में लगा दी। स्टाफ नर्सो की भारी कमी से मरीजों को रोज परेशानी हो रही है।

नौ वर्ष से अभाव

वर्ष 2010 में बीके अस्पताल की नई बिल्डिंग तैयार हो गई थी। तब यहां 90 पदों में से सिर्फ 15 स्टाफ नर्सें ही कार्य कर रही हैं। जबकि यहां आने वाले मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। लगातार पत्र लिखे जाने पर वर्ष 2019 में एक बार संज्ञान लिया गया, तब यहां स्टाफ की संख्या 15 से बढ़कर 35 पर पहुंच गई थी। बढ़ते काम के बोझ को देख नई स्टाफ नर्सो ने अपना तबादला करवा लिया। ऐसे में यहां फिर से नर्सो की कमी उत्पन्न हो गई।

मांगीं हैं स्टाफ नर्स

स्टाफ नर्सो की कमी को लेकर पीएमओ डॉ. सविता यादव ने बताया कि उन्होंने कई बार पत्र लिखा है। कम स्टाफ से ही यहां काम लिया जा रहा है। एक से दो वार्डों में एक स्टाफ नर्स ही यहां काम कर रही है।

अवैध खनन के गड्ढे में डूब कर दो बच्चों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

तिगांव इलाके के भैंसरावली रोड पर एक खेत में अवैध तरीके से खोद गए गड्ढे में बरसाती पानी भर गया। इस गड्ढे में डूब कर बीती शाम दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। दोनों शवों को गड्ढे से निकाल कर पोस्टमॉर्टम के लिए बीके अस्पताल भेज दिया गया है।

थाना तिगांव में दर्ज मामले के मुताबिक तिगांव गांव निवासी राजेश ने बताया कि वह भैंसरावली रोड पर महात्मा गांधी ग्रामीण बस्ती में परिवार सहित रहता है। परिवार में पत्नी, 10 साल का बेटा व एक छोटी बेटी है। 10 साल का बेटा सुंदर गांव ही स्थित प्राइवेट स्कूल की तीसरी कक्षा में पढ़ता था। बुधवार दोपहर को सुंदर पड़ोसी दर्शन के छह साल के बेटे कार्तिक के साथ कॉलोनी में ही पतंग से खेल रहे थे। दोनों देर शाम तक घर नहीं लौटे तो परिजनों ने बच्चों की तलाश शुरू की।

तलाश के दौरान वे खेत में खनन के लिए खोदे गए गड्ढे के पास पहुंच गए। जहां दोनों बच्चों के शव पानी में तैर रहे थे। राजेश ने आरोप लगाया कि दोनों बच्चों की मौत खेत मालिक, मिट्टी खनन करने वाले ठेकेदार व मशीन संचालक की वजह से हुई है। बस्ती के लोगों ने खनन करने से मना किया था तो आरोपियों ने बस्ती को उजाड़ने की धमकी दे दी। जिस वजह से इनकी दबंगई से बस्ती के लोग डर गए।

खेत से 6 से 8 फुट मिट्टी का खनन किया जा रहा है। पूरे दिन खेत में मशीन और डंपर चलते हैं। विरोध करने पर आरोपियों ने बिजली के तार भी तोड़ दिए थे। आरोप है कि यह जमीन तिगांव निवासी ओम नागर की है। ओम नागर ही खेत से मिट्टी का खनन करा रहा है। खनन होने से खेत में करीब 8 फुट का गड्ढा बना हुआ है।

तिगांव थाना प्रभारी जसवीर सिंह ने बताया कि इस मामले में मिली शिकायत के आधार पर खेत मालिक ओम नागर, मिट्टी खनन करने वाले ठेकेदार व मशीन संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। मिट्टी खनन मामले की भी जांच की जाएगी। अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। दोनों बच्चों के शवों का पोस्टमॉर्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

हिरोशिमा दिवस पर ब्रिगेड ने दिया शांति संदेश

फरीदाबाद। एनएच-तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा की अध्यक्षता में सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड, गाइडस और जूनियर रेडक्रॉस ने हिरोशिमा दिवस पर आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में शांति का संदेश दिया। ब्रिगेड अधिकारी व प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा नगर में 'लिटिल बॉय' नाम से यूरेनियम बम छह अगस्त 1945 को गिराया था। यह बम उस समय का सबसे शक्तिशाली बम माना जाता था। इस बम के धमाके से 13 किमी में त्राहि-त्राहि मच गई थी। उस समय हिरोशिमा की जनसंख्या लगभग 3.5 लाख थी, पर इस विस्फोट से एक लाख 40 हजार से ज्यादा लोग एक ही बार में मारे गये थे। मरने वालों में सर्वाधिक नागरिक, बच्चे, बूढ़े और स्त्रियां थीं। इस बम के गिरने के बाद भी कई लोग विकिरण से प्रभावित होकर मर गए। मनचन्दा ने बताया इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार वर्तमान में विश्व के नौ देशों ने ऐसे परमाणु हथियार विकसित कर लिए हैं। जिनसे मिनटों में यह विश्व समाप्त हो जाए। ये नौ देश हैं- अमेरिका (7,300), रूस (8,000), ब्रिटेन (225), फ्रांस (300), चीन (250), भारत (110), पाकिस्तान (120), इजरायल (80) और उत्तर कोरिया (60)। इन 9 देशों के पास कुल मिलाकर 16,445 परमाणु हथियार हैं।

कोरोना महामारी से दो मौतें, 161 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 9669

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना महामारी का आतंक लगातार बढ़ता ही जा रहा है। बृहस्पतिवार को जिले में कोरोना पॉजिटिव दो मरीजों की मौत हो गई। वहीं दूसरी तरफ पिछले 24 घंटों में जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से 161 नए मरीजों की पुष्टि की गई है। जिले में बृहस्पतिवार को 217 मरीजों ने कोरोना को मात देने में कामयाबी हासिल की है। जिससे में कोरोना पॉजिटिवों का आंकड़ा 9669 पर पहुंच गया है। वहीं मृतकों की संख्या का आंकड़ा 138 पर है।

मृतक और पॉजिटिव

जिले में बृहस्पतिवार को कोरोना ग्रस्त दो मरीजों की मौत हो गई। जिसमें एनएच-पांच निवासी 49 वर्षीय एक व्यक्ति और न्यू जनता कालोनी निवासी 48 वर्षीय एक व्यक्ति शामिल है। दोनों ही कोरोना के अलावा अन्य कई गंभीर बीमारियों से ग्रस्त थे। वहीं 161 नए कोरोना पॉजिटिव में ओल्ड फरीदाबाद, बल्लभगढ़, एनआईटी, जवाहर कलोनी, एसी नगर, खेड़ीकलां, एसजीएम नगर, संजय कालोनी, डबुआ कालोनी, आदर्श नगर, सेक्टर-16, सेक्टर-23, सेक्टर-19, सेक्टर-तीन, सेक्टर-15 और पन्हैड़ा खुर्द के मरीज शामिल हैं।

यह है आंकड़ा

अब तक सैंपल जांच को भेजे-	86634
रिपोर्ट नेगेटिव आई-	76448
रिपोर्ट आनी शेष बाकी-	517
सैंपल पॉजिटिव मिले-	9669
ठीक हुए अब तक-	8676
अब तक मौत-	138
क्रिटिकल हालत में भर्ती-	48
आईसीयू में भर्ती-	08

मास्क बनाने के लिए दिया 300 मीटर कपड़ा दान

फरीदाबाद। मानव सेवा समिति ने हरित फरीदाबाद अभियान जारी रखते हुए सेक्टर 9 मार्केट पार्क में छायादार व फलदार पौधे लगाकर उन्हें पेड़ बनाने का संकल्प लिया। इस पौधारोपण कार्यक्रम में सीजेएएम मंगलेश कुमार चौबे अध्यक्ष जिला विधिक प्राधिकरण सेवा (डीएलएसए) व नरेंद्र गुप्ता विधायक, मनमोहन गर्ग उपमहापौर ने बतौर मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लेकर मानव परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर नीम, पीपल, अमरूद, जामुन, बैल आदि के 11 पौधे लगाकर समिति के पदाधिकारियों से कहा कि वह इनकी सुरक्षा, देखभाल करते हुए इन्हें बड़ा पेड़ बनाए। तभी इस पौधारोपण कार्यक्रम की सफलता सार्थक होगी। इस अवसर पर समिति ने 300 मीटर कपड़ा जिला विधिक प्राधिकरण सेवा को दान दिया।

ईएसआई के प्लाज्मा बैंक का सीएम करेंगे उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

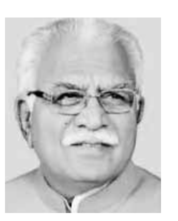

एनआईटी तीन ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल 510 बिस्तरों का है। जिसमें अब केवल कोरोना पॉजिटिव मरीजों का इलाज व जांच की सुविधाएं मिल रही है। यहां रोजाना नए नए रिसर्च के बाद पिछले कुछ समय से प्लाज्मा थैरेपी के जरिये मरीजों की जान बचाने का प्रशिक्षण किया जा रहा था। प्रशिक्षण सफल होने के बाद यहां प्लाज्मा बैंक की शुरूआत की गई।

कोरोना महामारी के तहत लगातार बढ़ रही मरीजों की संख्या को देखते हुए इस प्लाज्मा बैंक को शुरू तो तीन महीने पहले कर दिया था, लेकिन इसका विधिवत शुभारंभ शुक्रवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर करेंगे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल दिल्ली स्थित हरियाणा भवन से बटन दबाकर प्लाज्मा बैंक की शुरुआत करेंगे। इस मौके पर केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री संतोष गंगवार, ईएसआईसी की महाप्रबंधक अनुराधा प्रसाद मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

इस विषय में ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज रजिस्ट्रार डॉ. अनिल पांडे (एके पांडे) का कहना है कोरोना वारयरस से संक्रमित लोगों के इलाज के लिए डॉक्टरों तथा अस्पतालों को मरीज की जरूरत को देखते हुए प्लाज्मा के लिए यहां संपर्क करना होगा। जो व्यक्ति हाल ही में कोरोना वायरस के संक्रमण से ठीक हो चुके हैं वे प्लाज्मा दान दे सकते हैं। यह फरीदाबाद का पहला प्लाज्मा बैंक होगा। इससे शुरु होने के बाद कोरोना के गंभीर मरीजों को प्लाज्मा के लिए भटकना नहीं होना पड़ेगा। डॉ. एके पांडे ने कहा कि कॉलेज प्रबंधन की ओर से प्लाज्मा बैंक शुरु करने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल बेवीनार के माध्यम से बैंक की शुरुआत करेंगे।

डीसी ने सीएम के कार्यक्रम स्थलों का किया निरीक्षण

फरीदाबाद। मुख्यमंत्री मनोहर लाल 8 अगस्त को शहर में करीब 10 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का उद्घाटन करेंगे। सीएम के दौरे को लेकर उपायुक्त यशपाल यादव ने बृहस्पतिवार को गांव चंदावली का दौरा किया।

उनके साथ एसडीएम बलीना लौहान, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी प्रदीप कुमार, चंदावली की सरपंच अंजू यादव के पिता गिर्राज यादव भी मौजूद थे। उपायुक्त ने सबसे पहले 5.60 करोड़ रुपये की लागत से बनाए गए राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के नवनिर्मित भवन का जायजा लिया। यहां से उपायुक्त गांव चंदावली पहुंचे।

उन्होंने पंचायत द्वारा गांव के मुख्य प्रवेश द्वार पर करीब 1.50 करोड़ रुपये की लागत से बनाए गए गेट का जायजा लिया। राधा.कृष्ण सरोवर का दौरा किया। पंचायत ने जोहड़ को करीब 2 करोड़ रुपये खर्च करके एक सरोवर का रूप दिया है।

नगर निगम का अवैध निर्माणों पर टूटा कहर

फरीदाबाद। नगर निगम क्षेत्र में पिछले लंबे समय से रिहायशी प्लॉटों पर व्यवसायिक भवन बनाने का सिलसिला जारी है। जिससे एक तरफ जहां सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है। वहीं दूसरी तरफ शहर के लोगों को मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसना पड़ा रहा है। अनेक लोगों द्वारा इस तरह की शिकायतें लगातार सरकार से की जा रही थी। जिसे ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने तोड़फोड़ अभियान शुरू किया हुआ है। अभियान के दूसरे दिन एनएच पांच के इलाके में कुछ अवैध इमारतों को तोड़ा गया तो कुछ इमारतों को सील किया गया है।

अतिक्रमण और अवैध निर्माण पर अकुंश लगाने के लिए नगर निगम द्वारा तीन दिवसीय अभियान शुरू किया गया है। जिसके तहत बुधवार को निगम के तोड़फोड़ दस्ते ने एनएच एक की मार्केट में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाया था। अभियान के दूसरे दिन दोपहर करीब 12 बजे के आसपास निगम का तोड़फोड़ दस्ता एनएच पांच पहुंच गया। दस्ते के साथ निगम के संयुक्त आयुक्त प्रशांत अटकान ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में मौजूद थे। जबकि दस्ते का नेतृत्व एक्सईएन ओपी करदम कर रहे थे। एहतियात के तौर पर दस्ते के साथ भारी पुलिस बल भी मौजूद था। तोड़फोड़ की कार्रवाई के दौरान दस्ते ने अवैध रूप से बन रही एक चार मंजिला इमारत और कुछ दुकानों को तोड़ा। इस दौरान दस्ते ने अवैध रूप से बन रही करीब आधा दर्जन अवैध इमारतों को सील कर दिया। निगम अधिकारियों का दावा है कि तोड़फोड़ की कार्रवाई शुक्रवार को भी जारी रहेगी।

महिला आयोग की सदस्य रेनू भाटिया ने जाना बेसहारा का हाल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर-11 स्थित वर्किंग वुमेन्स चैरिटेबल ट्रस्ट के अंतर्गत कार्यरत 'कोटा होम' का आज हरियाणा महिला आयोग की सदस्य रेनू भाटिया ने औचक निरीक्षण किया। वहां रह रही अनाथ व असहाय बालिकाओं से बात की। उनकी समस्याओं को विस्तार से सुना। उन्होंने यहां रहने वाली बालिकाओं की उचित शिक्षा व इलाज के लिए प्रबंधकों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर उनके साथ सीडब्ल्यूसी के चेयरमैन श्रीपाल भी उपस्थित रहे।

रेनू भाटिया ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार ने आश्रय स्थलों आदि ऐसे स्थानों पर रह रही बालिकाओं के उत्थान के लिए अनेक तरह की कल्याणकारी योजनाएं चलाई हुई हैं तथा अब इन बालिकाओं को शिक्षा के साथ ही 18 वर्ष की होने उपरांत सिलाई-कढ़ाई आदि का प्रशिक्षण देकर इनको आत्मनिर्भर बनाने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। इसके साथ ही सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सुविधाओं का भी पूर्ण लाभ दिये जाने के अथक प्रयास किए जा रहे हैं।

रेनू भाटिया ने यहां रह रही सभी बालिकाओं को कोरोना से बचाव हेतु सैनिटाइजर व फेस मास्क भी उपलब्ध कराएं तथा सरकार द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का पालन करने का आह्वान किया।

जाना नाबालिग का हाल

एक भाई ने अपनी नाबालिग बहन को मारपीट कर घर से बाहर कर दिया है। भाई द्वारा घर से निकाली गई बहन अब चाइल्ड वैलफेयर कमैटी के गर्ल्स केयर सेंटर में रह रही है। जिससे मिलने के लिये हरियाणा महिला आयोग टीम की सदस्य रेनू भाटिया पहुंचीं। उन्होंने पीड़िता से मुलाकात की। इसके साथ-साथ इस केयर सेंटर में रह रही करीब दर्जन भर ऐसी ही प्रताडित नाबालिग लड़कियों का हाल-चाल जाना। जिन्हें या तो घर से प्रताड़ित करके निकाला गया है या फिर चाईल्ड लेबर करते हुए पाई गई हैं। हरियाणा महिला आयोग टीम की सदस्य रेनू भाटिया के सामने आंसुओं से अपना दुखडा सुनाते हुए पीड़ित युवती को इसके सगे भाई ने मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया है। अब ये युवती भाई की क्रुरता के डर से वापस घर नहीं जाना चाहती है। ये ही नहीं और भी ऐसी नाबालिक युवतियां है जो अपनों से जख्म खाकर इस गर्ल्स केयर सेंटर में रह रही हैं। कुछ युवतियों ने आत्महत्या करने की भी कोशिश की, मगर अब सब कुछ ठीक है। दौरे पर पहुंची हरियाणा महिला आयोग टीम की सदस्य रेनू भाटिया ने बताया कि उन्होंने नाबालिग बच्चियों से बताचीत की है और उनकी आपबीती जानी है। चाईल्ड वैलफेयर कमेटी के चेयरमैन श्रीपाल ने बताया कि केयर सेंटर में रह रही सभी बच्चियों को एजुकेशन दी जा रही है। साथ-साथ स्किल भी सिखाई जा रही है ताकि सभी बच्चियां आत्मनिर्भर बन सकें।

जेल भरो आंदोलन में भाग लेने का चौतरफा फैसला

फरीदाबाद। सीटू से संबंधित विभिन्न यूनियनों ने आगामी 9 अगस्त को होने वाले देशव्यापी सत्याग्रह और जेल भरो आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने का निर्णय लिया। यह जानकारी देते हुए सीटू के जिला प्रधान निरंतर पाराशर और जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने बताया कि ऑटो ड्राइवर यूनियन की बैठक बदरपुर बॉर्डर में हुई। जिसमें सैकड़ों ऑटो रिक्शा ड्राइवर यूनियन के सदस्यों ने भाग लिया। इस मीटिंग को सीटू के नेता केपी सिंह और रवि गुलिया ने संबोधित किया। इसी तरह से ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन की आम सभा प्रधान दिनेश पाली की अध्यक्षता में नाहर सिंह पार्क बल्लभगढ़ में हुई।

संक्षिप्त समाचार

मेट्रो पिलर से टकराई कार, एक मौत दूसरा घायल

फरीदाबाद । नेशनल हाईवे पर मेवला महाराजपुर स्थित मेट्रो के पिलर से अनियंत्रित एक कार टकरा गई। इस हादसे में कार चालक 20 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई और उसका दोस्त बुरी तरह से घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर उसे दिल्ली के सफदरजंद अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। मृतक की पहचान लकड़पुर स्थित शिव दुर्गा बिहार निवासी राजकुमार के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक लकड़पुर स्थित शिव दुर्गा बिहार निवासी मृतक राजकुमार कार चलाना सीख रहा था। सुबह वह अपने दोस्त आकाश के साथ उसकी कार में घर से निकला था। मेवला महाराजपुर मेट्रो स्टेशन के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ी और सीधी मेट्रो के पिलर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। इस भयानक हादसे में राजकुमार की मौत हो गई और आकाश बुरी तरह से घायल हो गया। दोनों को अस्पताल ले जाने राजकुमार को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया और आकाश की गंभीर हालत को देखते हुए उसे दिल्ली भेज दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया और परिजनों को सूचना दे दी। सूचना मिलते ही परिवार में मातम पसर गया है।

यातायात सुरक्षा को लेकर मीटिंग का आयोजन

फरीदाबाद। उपायुक्त ट्रैफिक के दिशा निर्देशानुसार जयपाल सिंह एसीपी ट्रैफिक के नेतृत्व में यातायात सुरक्षा को लेकर एक मीटिंग का आयोजन किया। जिसमें एसएचओ ट्रैफिक सुभाष कुमार सड़क सुरक्षा के नोडल अधिकारी व कोविड-19 के कोऑर्डिनेटर डॉ. एमपी सिंह सब इंस्पेक्टर व एसीपी ट्रैफिक के रीडर सब इंस्पेक्टर हुकम सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे। एसीपी ट्रैफिक ने कहा की लाल बत्ती को जंप करने वाले और बिना मास्क के वाहन चलाने वालों को अब बख्शा नहीं जाएगा। नए नियमों के आधार पर उनके चालान किए जाएंगे। इसी संदर्भ में उन्होंने नगर निगम आयुक्त राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के प्रोजेक्ट डायरेक्टर और स्मार्ट सिटी के सीईओ को पत्र लिखकर अवगत कराया कि जिनके क्षेत्र में स्टॉप व पैदल पट्टी की मार्किंग दिखाई नहीं पड़ रही है। वह इस कार्य को समय रहते कराने की कृपा करें। ताकि यातायात के नियमों की पालना कराई जा सके। सड़क सुरक्षा के नोडल अधिकारी डॉ एमपी सिंह ने पिछले आंकड़ों के आधार पर बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में काफी कमी आई है। अब ड्रिंकिंग ड्राइविंग व डबल और ट्रिपल राइडिंग के उदाहरण कोरोना वायरस के संक्रमण की वजह से कम दिखाई पड़ रहे हैं। नए आयुक्त के नेतृत्व में काफी दुर्घटनाओं में कमी आई है और यातायात पुलिस अपना काम अपनी पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कर रही है। अनेकों स्थानों पर मास्क न पहनने वाले साथियों को जागरूक किया जा रहा है तथा अभद्र व्यवहार करने वालों को कानून का पाठ पढ़ाया जा रहा है। इस अवसर पर ट्रैफिक एसएचओ सुभाष कुमार ने भी आश्वस्त किया, कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए हम पूरा प्रयत्न करेंगे और सरकार के दिशा निर्देशों की पालना कराने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाएंगे।

विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगने वाला गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर अपराध शाखा ने एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है जो कि फोन कर लोगों को विदेश में नौकरी दिलाने का वादा कर पैसों की ठगी करता था। पुलिस प्रवक्ता एसीपी धारणा यादव ने बताया कि आरोपी मिराजुल रफीक दिल्ली के नेम सराय साकेत का रहने वाला है। पीछे से आरोपी असम का रहने वाला है। आरोपी ने सेक्टर 30 फरीदाबाद में रहने वाले मनदीप को फोन कर विदेश में नौकरी दिलाने का वादा कर अपने झांसे में फसा लिया था। आरोपी ने शिकायतकर्ता को फर्जी वीजा व जहाज की टिकट दिखाकर अपनी बातों में लेकर मनदीप से 2 लाख रुपए अपने एकाउंट में डलवा लिए थे। पैसे लेने के बाद जब आरोपी ने अपना फोन बंद कर लिया तो मनदीप को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है। जिस पर उसने पुलिस को शिकायत दी। शिकायतकर्ता मनदीप की शिकायत पर थाना सेक्टर 31 में धोखाधड़ी के तहत मामला दर्ज किया गया। ये मामला पुलिस आयुक्त ओपी सिंह के संज्ञान में आने के बाद आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के आदेश दिए थे। जिस पर साइबर अपराध शाखा ने तकनीकी और पुलिस सूत्रों के माध्यम से आरोपी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल हुई। आरोपी को अदालत में पेश किया गया। पुलिस प्रवक्ता धारणा यादव ने फरीदाबाद वासियों से अपील करते हुए कहा कि ऑनलाइन फ्रॉड से बचें। फरीदाबाद पुलिस साइबर अपराधियों के बारे में लोगों को जागरूक करती रहती है। उसके बावजूद भी कुछ लोग इस तरह के लोगों के झांसे में आकर अपना पैसा गवा देते हैं। नौकरी के लिए अपनी काबिलियत पर भरोसा रखें। पैसा लेकर नौकरी लगवाने वालों से सावधान रहें।

बगैर नोटिस तोड़फोड करना अत्याचार है : विजय प्रताप

फरीदाबाद। बड़खल विधानसभा से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ चुके कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय प्रताप सिंह ने कहा कि कोरोना वायरस की मार से जहां पुरा विश्व हलकान है। इससे निपटने के लिए लोग एक साथ मिलकर लड़ाई लड़ रहे हैं। वहीं नगर निगम द्वारा लगातार पर व्यापरियों पर अत्याचार किया जा रहा है। दुकानों में बगैर नोटिस दिए तोड़फोड़ की जा रही है, इतने उदासीन गमगीन महौल में सरकारें अत्याचार कर रही हैं यह ठीक नहीं है। भाजपा की जनविरोधी नीतियों से जनता, व्यापारी, मजदूर वर्ग सब परेशान है लोगों में गुस्सा भर रहा है। यह गुस्सा कभी भी विस्फोट बन फूट सकता है। भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जनता आंदोलन तक छेड़ सकती है। जहां कोरोना काल में लोग एक साथ एकत्र नहीं हो सकते ऐसे में जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जनता कभी भी सडकों पर उतर सकती है। सरकार को ऐसा माहौल नहीं बनाना चाहिए। मालूम हो कि एन एच पांच में नगर निगम के तोडफ़ोड़ दस्ते ने बड़े पैमाने पर तोडफोड़ की कार्रवाई को अंजाम दिया। इस दौरान लोगों से उनकी जमकर झड़प भी हुई और अधिकारियों को खरी खोटी सुनाई गई।

सीएम करेंगे आठ को विद्यालय की इमारत का उद्घाटन

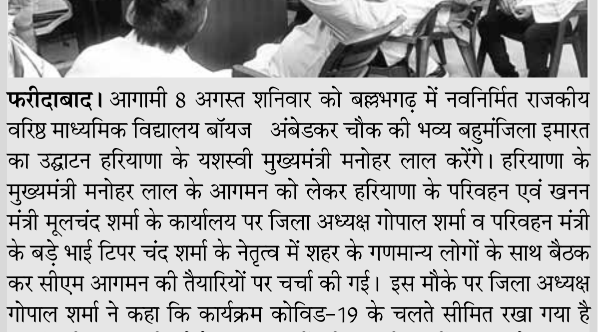

फरीदाबाद। आगामी 8 अगस्त शनिवार को बल्लभगढ़ में नवनिर्मित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बॉयज अंबेडकर चौक की भव्य बहुमंजिला इमारत का उद्घाटन हरियाणा के यशस्वी मुख्यमंत्री मनोहर लाल करेंगे। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के आगमन को लेकर हरियाणा के परिवहन एवं खनन मंत्री मूलचंद शर्मा के कार्यालय पर जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा व परिवहन मंत्री के बड़े भाई टिपर चंद शर्मा के नेतृत्व में शहर के गणमान्य लोगों के साथ बैठक कर सीएम आगमन की तैयारियों पर चर्चा की गई। इस मौके पर जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने कहा कि कार्यक्रम कोविड-19 के चलते सीमित रखा गया है यह किसी प्रकार की कोई जनसभा नहीं की जाएगी। वहीं भाजपा नेता टिपर चंद शर्मा ने कहा कि बल्लभगढ़ के लिए यह खुशी की और गौरव की बात है कि हरियाणा के मुख्यमंत्री आदरणीय मनोहर लाल बल्लभगढ़ में 9 करोड़ की लागत से बनाए गए एक भव्य स्कूल का उद्घाटन करेंगे।

पाकिस्तान का मानचित्र

कश्मीर को दिखाया अपना हिस्सा

सभी जानते हैं कि पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे के अंतरराष्ट्रीयकरण का एक भी मौका नहीं छोड़ता है, पर ऐसा पुराना व निरर्थक राजनयिक कदम उठा कर 'शोर मचाने' का कोई अर्थ नहीं है। हालांकि, कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का एक साल पूरा होने पर वह इससे अधिक और कुछ नहीं कर सकता है। पाकिस्तान ने एक नया मानचित्र जारी कर कश्मीर, लद्दाख के कुछ हिस्सों और गुजरात के जूनागढ़ को अपना हिस्सा बता दिया। यह क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं के नग्न प्रदर्शन के सिवा और कुछ नहीं है। भारत ने कहा है कि इस खोखली व एकपक्षीय घोषणा के समर्थन में कोई विश्वसनीय तर्क, समर्थक समूह, ऐतिहासिक तर्क या विधिक वैधता नहीं है तथा यह एक 'राजनीतिक मूर्खता' है। वैश्विक रूप से स्वीकृत संप्रभुता को पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने चुनौती दी है और उन्होंने नए मानचित्र के प्रति अपनी कैबिनेट के साथ विपक्ष तथा अज्ञात कश्मीरी नेतृत्व का समर्थन बताया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरेशी ने कहा कि 'नए मानचित्र से स्पष्ट है कि कश्मीर की सीमा चीन से लगती है। इससे स्पष्ट है कि नेपाल की तरह पाकिस्तान भी चीन के इशारे पर सीमाओं के पुनर्निर्धारण की बात कर रहा है। यह कदम कश्मीर के प्रति किसी चिन्ता के बजाय पाकिस्तान की अपनी रणनीति है। जब भारत पूर्वी लद्दाख में चीन के पीछे हटने पर जोर दे रहा है, ऐसे में पाकिस्तान का मानचित्र भारत को दो मोर्चों पर युद्ध की चेतावनी देता है। पिछले महीने वास्तविक नियंत्रण रेखा–एलएसी पर चीन की सैनिक तैनाती के समर्थन में पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा–एलओसी पर लगभग 20,000 सैनिक तैनात किए हैं। आश्चर्यजनक रूप से बालाकाट एयर स्टांइक के बाद उसने इस तरह सैनिक नहीं तैनात किए थे। इसके साथ ही पाकिस्तान

सीमा पर घुसपैठ को बढ़ावा दे रहा है। इसके पीछे चीन की योजना इस तथ्य से स्पष्ट है कि चीनी अधिकारी नेपाल के साथ गिलगिट–बाल्टिस्तान में पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ नियमित विचार–विमर्श करते रहते हैं। चीन एक समय कश्मीर में सक्रिय रहे अल बदर नेटवर्क को मजबूत करने के लिए पाकिस्तान को प्रोत्साहित कर रहा है। चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा–सीपीईसी पर कर्ज में फंसी पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था संकट में है और वह चीनी खैरात पर निर्भर होने के कारण उसका मुहरा बन गया है। इस कदम से इमरान खान घरेलू राजनीति में भी कुछ लाभ उठाना चाहते हैं। वे अपने समर्थकों को बताना चाहते हैं कि कश्मीर पर उनका नेतृत्व बना हुआ है, जबकि अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनको यह मुद्दा उठाने पर जरा भी समर्थन नहीं मिला है। हालांकि, एक समय वे यह भी कह चुके हैं कि भारत के 'विशाल बाजार' होने के कारण अंतरराष्ट्रीय मंच पर कोई उनकी बात पर ध्यान नहीं दे रहा है। भारत की आलोचना में तुर्की को शामिल कर इमरान खान पाकिस्तान, तुर्की व मलेशिया को शामिल कर एक नई इस्लामी धुरी तैयार करना और इसका नेतृत्व करना चाहते हैं। यह पाकिस्तान के प्रचार अभियान से स्पष्ट है जो लगातार चीन व तुर्की को भारत–विरोधी बयान व ट्वीट जारी करने के लिए प्रोत्साहित करता रहता है। वह कश्मीर को एक व्यापक इस्लामवाद का मुद्दा बनाना चाहता है। मजेदार बात है कि इस काम में अब अमेरिका उसका सहयोगी नहीं है। इसलिए पाकिस्तान अपनी नई स्वीकार योग्य कश्मीर रणनीति बनाने का जिम्मेदार स्वयं है। इसे देखते हुए भारत सरकार को कश्मीर में सिविल सोसाइटी से संबंध बढ़ाने के प्रयास तेज करने चाहिए ताकि पाकिस्तान को उसके नए अलगाववादी एजेंडे के लिए समर्थन न मिल सके। देश में नौकरियों व उच्च शिक्षा की इच्छा के कारण ज्यादा से ज्यादा कश्मीरी नौजवान मुख्यधारा विमर्श में शामिल हो रहे हैं। इन नौजवानों से राजनीतिक संबंध बढ़ाने के प्रयास होने चाहिए। पाकिस्तान को अपना एजेंडा चलाने से रोकने के लिए हमें कश्मीर में जमीनी स्थिति में और सुधार करने की आवश्यकता है।

एक तापस वेशधारी फिर बना मेरा उद्धारक

मैं अयोध्या हूं। राम भक्तों का सदियों का संघर्ष 5 अगस्त को राम कृपा से सुफलित हो गया है। आज फिर एक तापस वेशधारी योगी के प्रयत्नों से मैं गौरवान्वित हो रही हूं। मुझे अपना पुरातन गौरव पुनः प्राप्त होता दिखाई पड़ रहा है।

प्रणय विक्रम सिंह

महेंद्र कुमार सिंह

मैं अयोध्या हूं। राजा राम की राजधानी अयोध्या। इक्ष्वाकु कुल के सूर्यवंशी राजाओं की राजधानी अयोध्या। यहीं राम के पिता राजा दशरथ ने राज किया। यहीं श्रीराम का राज्याभिषेक हुआ। यहीं बहती है सरयू। संस्कृतियों का संगम.. सरयू। वेद में मुझे ईश्वर का नगर बताया गया है और मेरी सम्पन्नता की तुलना स्वर्ग से की गई है। हनुमानगढ़ी मेरी सीमाओं की पहरेदार है तो सरयू मेरी पवित्रता की सौगन्ध। सदियों की ऐतिहासिक यात्रा में अंधकार और प्रकाश मेरे सहयात्री हैं। मेरी गोद में संस्कृतियां इठलाती हैं। तभी तो आज भी मेरे आंगन में हिन्दू, बौद्ध, इस्लाम एवं जैन धर्म से जुड़े अवशेष देखे जा सकते हैं। हिन्दुओं के रामलला, हनुमंतलाल और नागेश्वरनाथ जैसे तीर्थ मेरे ही आंगन में हैं। इस्लाम के पीरों, जैनियों के तीर्थंकरों और बौद्धों के धर्मगुरुओं का केन्द्र भी यहीं हैं। हां, मैं वही अयोध्या हूं जो समय–समय पर विदेशी आक्रांताओं के आक्रमणों के बाद भी अपने अस्तित्व को बचाने में सफल रही। इतिहास के पृष्ठों पर मेरे संघर्षों की व्यथित कर देने वाली अनेक कहानियां अंकित हैं। मेरे पुत्रों ने मेरे लिए अपना बलिदान देने में कभी विलंब नहीं किया। मेरी गलियों में ही बौद्ध और जैन पंथ फला–फूला। पांच जैन तीर्थंकर यहां जन्मे। इनके मन्दिर भी तो बने हैं यहां। सनातन संस्कृति के विभिन्न आयामों, स्वरूपों से लेकर जैन, बौद्ध, सिख और सूफी परम्परा तक की जड़ें व्याप्त हैं।

जैन धर्म के प्रवर्तक भगवान ऋषभदेव अयोध्या राजपरिवार के थे। लगभग पांच हजार वर्ष पश्चात भी राम की अयोध्या में प्रथम तीर्थंकर की विरासत श्वास ले रही है। रायगंज मोहल्ले में उनके भव्य मन्दिर के साथ विशाल प्रतिमा भी स्थापित है यही नहीं कटरा मोहल्ले में भी उनका मन्दिर है। मैं अजितनाथ, अभिनंदननाथ, सुमतिनाथ एवं अनंतनाथ के रूप में चार अन्य जैन तीर्थंकरों की भूमि के रूप में प्रतिष्ठित हूं। बौद्ध परम्परा में भी मेरा स्थान महत्वपूर्ण है। महात्मा बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद 45 वर्षों तक धर्मोपदेश किया और उनमें से 16 वर्षावास उन्होंने अयोध्या में किया, ऐसा बौद्ध ग्रंथ दीपवंश से भी ज्ञात होता है। बुद्ध के करीब पांच सौ वर्ष बाद बौद्ध धर्म की महायान शाखा के अग्रणी आचार्य अश्वघोष यहीं के थे। सातवीं शताब्दी में चीनी यात्री ह्वेनसांग आये यहां। उन्होंने दुनिया भर को मेरे सुख.समृद्धि के बारे में बताया, उसके अनुसार यहां 20 बौद्ध मन्दिर थे तथा 3000 भिक्षु रहते थे। सिखों की चर्चा के बगैर रामनगरी की संस्कृति में समाहित बहुरंगी छटा का परिचय पूर्ण नहीं हो सकता। प्रथम, नवम् एवं दशम् सिख गुरु समय–समय पर अयोध्या आए और नगरी के प्रति आस्था निवेदित की। गुरुद्वारा ब्रह्मकुंड एवं गुरुद्वारा गोविंद धाम के रूप में सिख परम्परा की विरासत अभी भी जीवन्त है। मैं इस्लाम के लिए भी अकीदत का मरकज हूं। इस्लाम की परम्परा में मुझे मदीनतुल अजोधिया के रूप में भी संबोधित किए जाने का जिक्र मिलता है।

मेरे आंचल को स्पर्श कर प्रवाहित होती सरयू के किनारे 14 प्रमुख घाट हैं। हर घाट की अपनी एक कहानी है। इनमें गुप्तार घाट, कैकेयी घाट, कौशल्या घाट, पापमोचन घाट, लक्ष्मण घाट आदि विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। मन्दिरों में कनक भवन की शोभा अनिर्वचनीय है। कैकेयी ने इसे सीता को मुंह दिखाई में दिया था। ऊंचे टीले पर

मेरे पुरातन वैभव को पुनर्जीवित करने का हर संभव प्रयास योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में किया जा रहा है। हर गली-हर कूचा जो मेरे राम की स्मृतियों से आबाद हैं, आज जीवंत हो रहे हैं। मेरा मन मुदित है, पुलकित है। ऐसा प्रतीत हो रहा है मानों पुनः मेरे राम का राज्याभिषेक हो रहा हो। ऐसा लग रहा है कि जैसे फिर एक बार गुरु वशिष्ठ के निर्देशन में भगवान विश्वकर्मा मुझे रच रहे हैं।

हनुमानगढ़ी आकर्षण का केन्द्र है। तुलसी चौरा महाकवि तुलसीदास जी की स्मृतियों को समेटे है तो प्रह्लाद घाट के पास गुरु नानक जी भी आकर ठहरे थे। मैं वही अयोध्या हूं जिसकी गोद में राम खेले थे जिसकी जमीन पर राम का जीवन खिला था जिस धरा पर राम का राज्य था। जहां मंदिर हनुमान का भी हो तो राम की मूरत उसकी शोभा बढ़ाती है। जिसके बारे में राम ने कहा था– 'अपि स्वर्णमयी लंका न मे लक्ष्मण रोचते] जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।' यानी हे लक्ष्मण, होगी लंका सोने की लेकिन यह जो सरयू किनारे मेरी जन्मभूमि है, जहां मैं जन्मा, वह मेरी मातृभूमि, मेरे लिए स्वर्ग से भी बढ़ कर है। वाल्मीकि रामायण में दर्ज इस इतिहास को तुलसीदास जी ने अवधी में अलग तेवर दिए।

'जद्यपि सब बैकुण्ठ बखाना। बेद पुरान बिदित जगु जाना।।'

'अवधपुरी सम प्रिय नहिं सोऊ। यह प्रसंग जानइ कोउ कोऊ।।'

'जन्मभूमि मम पुरी सुहावनि। उत्तर दिसि बह सरजू पावनि।'

विडम्बना देखिए कि उसी अयोध्यापुरी में बर्बर विदेशी आक्रांता की नियोजित कुण्ठा के कारण रामलला अपनी जन्मभूमि पर सदियों तक तिरपाल में रहे। किंतु राम भक्तों का सदियों का संघर्ष 5 अगस्त 2020 को राम कृपा से सुफलित हो गया है। आज फिर एक तापस वेशधारी योगी के प्रयत्नों से मैं गौरव भूषित हो रही हूं। मुझे अपना पुरातन गौरव पुनः प्राप्त होता दिखाई पड़ रहा है। प्रभु श्री राम के भव्य–दिव्य मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन हो चुका है। मेरे घाटों, मंदिरों, कुण्डों का युद्ध स्तर पर जीर्णोद्धार किया जा रहा है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से सहस्त्रों वर्ष पुरानी स्मृतियां जीवंत हो रही हैं। सुगम यातायात के लिए परिवहन पथों के निर्माण के साथ ही अत्याधुनिक विमानपत्तन की उपलब्धता भी सुनिश्चित हो रही है। रेल उपरिगामी सेतुओं के निर्माण के साथ नगर की आधारभूत संरचना में व्यापक एवं बहुआयामी परिवर्तन लाने वाली अनेक विशाल निर्माण परियोजनाएं तीव्र गति से संचालित हैं।

मेरे पुरातन वैभव को पुनर्जीवित करने का हर संभव प्रयास योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में किया जा रहा है। हर गली–हर कूचा जो मेरे राम की स्मृतियों से आबाद हैं, आज जीवंत हो रहे हैं। मेरा मन मुदित है, पुलकित है। ऐसा प्रतीत हो रहा है मानों पुनः मेरे राम का राज्याभिषेक हो रहा हो। ऐसा लग रहा है कि जैसे फिर एक बार गुरु वशिष्ठ के निर्देशन में भगवान विश्वकर्मा मुझे रच रहे हैं। आस्था, आधुनिकता और वैज्ञानिकता की त्रिवेणी अपने सम्पूर्ण सामर्थ्य में मुझे सवांरने, मेरे इतिहास, मेरे राम के जीवन दर्शन को नई पीढ़ी से साझा करने हेतु प्रयत्नशील है। इक्ष्वाकुपुरी नगरी का निर्माण उसी अद्भुत कल्पना का आकार है।

अयोध्या शोध संस्थान, अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय, थीम पार्क जैसी योजनाएं सांस्कृतिक उन्नयन की यात्रा को नए स्वरूप में नई पीढ़ी से साक्षात्कार कराएंगी। अयोध्या तीर्थ विकास परिषद अब मेरे विकास का ध्यान रखेगा। हजारों वर्षों की प्रतीक्षा के बाद जैसे अहिल्या के उद्धार के लिए प्रभु श्री राम आए थे, आज मेरे अर्थात अयोध्या के उद्धार के लिए योगी आदित्यनाथ आए हैं। एक तापस वेषधारी के प्रयासों से पुनः मेरा उत्कर्ष हो रहा है। रघुकुल नंदन के भव्य–दिव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है।

(प्रणय विक्रम सिंह वरिष्ठ पत्रकार हैं। महेंद्र कुमार सिंह वरिष्ठ पत्रकार रहे हैं और वर्तमान में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विवि के मीडिया व जनसम्पर्क अधिकारी और राजनीति विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य है)

दास प्रथा की भयावह विरासत है नस्लवाद

लोगों का मूल्यांकन अतीत के अनुसार करना वर्तमान से भटकाव है जो दास प्रथा द्वारा छोड़ी गई नस्लवाद की डरावनी विरासत को मिटाने के लिए है।

गुइन डायर
(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

अमेरिका के लोगों का मूल्यांकन आज के मानकों के अनुरूप करने से हमें अपने अधिसंख्य नायकों को खलनायकों की संज्ञा देने पर बाध्य होना पड़ेगा। न्यूयॉर्क टाइम्स में लिखे अपने अभिमत लेख में लगता है कि सीनेटर टॉम कॉटन का विचार यही था। इसकी प्रतिक्रिया में काफी आक्रोश पैदा हुआ, अभिमत संपादक को इस्तीफा देना पड़ा था और कोटन को दास प्रथा का बचाव करने के लिए गालियां दी गईं। वो संभवतः इसके लायक थे। जो उन्होंने असलियत में कहा वह यह था कि अमेरिका के संस्थापक दास प्रथा को ऐसी अनिवार्य बुराई के रूप में देखते थे जिस पर संघ का निर्माण हुआ था। कक्षा में यह सही लगता है यदि आप अन्यथा यह व्याख्या करें कि दासों के स्वामी दक्षिणी राज्य सभी 13 उपनिवेशों के परिसंघ पर सहमत नहीं हुए होंगे।

यह एक सीनेटर के मुख से कम अच्छा लगा जो अमेरिकी स्कूलों में दास प्रथा के इतिहास के बारे में शिक्षण को सुधारने के लिए एक परियोजना के परिसंघीय वित्तपोषण पर प्रतिबंध लगाना चाहता है। सीनेटर कोटन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वफादार सिपाहियों में से एक थे, जो एक श्वेत प्रजातीय घबराहट तैयार करने एवं आकाओं के आधार को मजबूत करने का प्रयास कर रहे थे। मगर मुद्दा यह नहीं है। मुद्दा यह है कि मैंने उस उद्धरण में एक शब्द बदल दिया, और ऐसा कहने वाले कोटन नहीं थे। वो नाइजीरियाई पत्रकार एवं उपन्यासकार अदाओबी ट्रिसिया नवाबानी थीं, और उन्होंने बीबीसी के लिए लिखे एक एक लेख में असलियत में जो कहा, वो यह था : ''अफ्रीका के लोगों का मूल्यांकन आज के मानकों के अनुरूप करने से हमें अपने अधिसंख्य नायकों को खलनायकों की संज्ञा देने पर बाध्य होना पड़ेगा।''

वो विशिष्ट रूप से अपने पितामह, नवाबानी ओगोगो ओरियाकू में बारे में बात कर रही थीं, जो 20वीं सदी के पूर्वार्ध में दक्षिण–पूर्वी नाइजीरिया में तंबाकू, पाम आयल, एवं दासों के सम्मानित व्यापारी थे। अटलांटिक दासों के व्यापार पर यूरोपीय सम्राटों द्वारा एक शताब्दी पूर्व प्रतिबंध लगाया गया था लेकिन दास प्रथा तब भी नाइजीरिया तथा कई अन्य अफ्रीकी देशों में फलता–फूलता घरेलू बिजनेस था। उनके पितामह ब्रिटिश उपनिवेश प्राधिकारियों की अवज्ञा करके काफी प्रसिद्ध हो गए थे, जो नाइजीरिया के भीतर दास प्रथा को खत्म करने के प्रयास में लगे हुए थे। उन्होंने उनके दासों में से कुछ को जब्त कर लिया था और वो पिछली सदी का व्यापार लाइसेंस लहराकर दिखाते हुए उन्हें वापस दिए जाने की मांग करते हुए आगे बढ़े।

वे अचम्भित रह गए, क्षमा मांगी और उनके दासों को वापस कर दिया। निश्चित रूप से, वे उनके साहस तथा आत्मविश्वास से काफी प्रभावित थे कि उन्होंने बाद में उनको उनके इलाके का सर्वोच्च मुखिया नियुक्त कर दिया। अतः वो अपने ही दिन में स्थानीस नायक बन गए और अदाओबी ट्रिसिया नवाबानी परिवार के लिए अभी भी नायक हैं। दास प्रथा, सभी साम्राज्यों तथा उपसहारा अफ्रीका के नृजातीय समूहों समेत, अधिकतर आधुनिक समाजों में सामान्य हुआ करती थी। समुद्री पातों में तटों पर यूरोपीयों के नजर आने से पूर्व अफ्रीकियों ने दासों को सदियों से विविध इस्लामी साम्राज्यों में बेच दिया था। वे उसी बाजार में खरीदने वाले ग्राहकों का एक समुच्चय ही थे।

दास बनाए गए अधिकतर अफ्रीकी घर से कुछ सौ किलोमीटर से ज्यादा दूर नहीं गए थे। अनुमान लगाया जाता है कि 18वीं सदी में, वर्तमान में सेनेगल कहे जाने वाले देश में एक तिहाई लोग दास थे जो अन्य सेनेगलियों से जुड़े थे। लेकिन जो विदेशियों के हाथों बोच दिए गए थे उन्होंने ज्यादा कष्ट झेले।

इतिहासकारों का मानना है कि दस मिलियन अफ्रीकियों में से लगभग एक पांचवां हिस्सा जो तीन सदियों से अधिक के दौरान अमेरिकियो को भेजे गए थे वे समुद्री जहाजों पर ही मर गए। दस शताब्दियों के दौरान अरबी व्यापारियों को बेचे गए तथा सहारा में वपैदल चलने के लिए विवश किए गए अथवा समुद्री पोतों में हिंद महासागर के चारों ओर ले जाए गए 17 मिलियन से अधिक दासों में मरने वालों की संख्या भी उतनी ही ज्यादा थी। बचने वालों के समक्ष जो संकट आया वो बहुत भीषण था।

लेकिन अदाओबी ट्रिसिया नवाबानी सही कहती हैं। अतीत में एक भिन्न देश था और लोगों का मूल्यांकन अतीत के अनुसार करना वे समझ भी नहीं पाती हैं। लोगों का मूल्यांकन अतीत के अनुसार करना वर्तमान से भटकाव है जो अमेरिका में दास प्रथा द्वारा छोड़ी गई नस्लवाद की डरावनी विरासत को मिटाने के लिए है।

यह संज्ञान लेने योग्य बात है कि उन अफ्रीकी देशों में अपराधबोध एवं नस्लवाद की कोई तुलनीय विरासत नहीं है जो दासों को बेचते थे। दास और मालिक, हर कोई समान समूह का होता था, और हर कोई किसी नकिसी तरह संलिप्त होता था। हम ऐसा किया करते थे, अब नहीं करते, कहानी खत्म। यूरोपीय देशों में यह काफी भिन्न क्यों होता है, और सबसे ऊपर अमेरिका में? मेरा अनुमान यह है कि ऐसा दास प्रथा के कारण होता था, असमान रूप से दुनिया में, और दस प्रथा हजार वर्ष पूर्व यूरोप में समाप्त हो गई थी। जब 16वीं सदी के यूरोपीय पश्चिमी अफ्रीका पहुंचे, तो यह उनके लिए बिलकुल नया था।

उन्होंने दासों स्वामित्व को इच्छापूर्वक लिया लेकिन उनके पास ऐसी कोई परम्परागत व्यवस्था नहीं थी जिसमें वे उसके बारे में सोचते। नवाबानी ओगोगो ओरियाकू को स्वयं को यह बताकर दासों का स्वामित्व ग्रहण करने को सही ठहराने की आवश्यकता नहीं है कि वे निम्न कोटि के होते थे। उन्होंने खरीदा। समस्या क्या है? जबकि अमेरिकी बागान मालिकों को स्वयं के समक्ष व्याख्या करने के लिए विचित्र प्रजातीय कल्पनाओं का सहारा लेना पड़ा कि अन्य लोगों का मालिक बनना क्यों सही था, और आज उनके नाती–पोते अभी भी उन कल्पनाओं से संघर्ष कर रहे हैं।

आप की बात

निजी अस्पतालों की बेईमानी

एक खबर से पता चला है कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है जो बताती है कि वर्ष 2018 में देश के निजी अस्पतालों ने फालतू में शल्यक्रिया (सीज़ेरियन) से प्रसूति कराई जिससे उन्हें लगभग 5,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई हुई। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ सालों में भारत के निजी क्षेत्र ने चिकित्सा सुविधाओं के विकास एवं विस्तार में मोटा निवेश किया है। जाहिर है ये निवेश परोपकार के लिए नहीं बल्कि व्यापार और तगड़े फायदे के लिए किया गया है। अन्य व्यापारिक गतिविधियों की तरह निजी चिकित्सा केन्द्रों के डॉक्टरों और कर्मचारियों को भी वित्तीय लक्ष्य दिए जाते हैं जो पूरे करने आवश्यक होते हैं। यही कारण है की निजी चिकित्सा सुविधाएं महंगी होने के साथ–साथ अनेकों मामलों में गैर भरोसेमंद भी होती हैं। कमाई बढ़ानें के लिए गैर ज़रूरी जाँचों, शल्य प्रक्रियाओं, बेवजह की भर्ती, महंगी दवाइयों आदि जैसे कुकृत्यों को अंजाम दिया जाता है। जबरदस्ती की सीज़ेरियन प्रसूति भी ऐसा ही एक कृत्य है जिसमें ना सिर्फ दो जानें जोखिम में आती हैं अपितु महिला की भविष्य की प्रसूतियों भी कठिन बन जाती है।

– **ब्रजेश माथुर,** गाजियाबाद

बिहार में विकास

एक सवाल वो तमाम बिहारी बुद्धिजीवियों से जो खूब ज्ञान बखारते हैं। एक सवाल उन तमाम प्रशासनिक अफसरों से जो कि बिहार से है, और एक सवाल उन तमाम नेताओं से जो देश के लिए जान देने की बात करते हैं और अपने राज्य में कुछ नहीं। जिस तरीके से दिल्ली, पंजाब, महाराष्ट्र व देश के अन्य कोनों से मजदूर पैदल जाने को मजबूर हुए आखिर आप उन्हें आजादी के सात दशक बीत जाने के बाद भी बिहार में ही रोजगार क्यों नहीं दिलवा पाएं? कमोबेश हर वर्ष बाढ़ की वजह से पूरा बिहार बर्बाद हो जाता है उन्हें उनकी स्थिति पर छोड़ दिया जाता है। इस बार बिहार पर दो गुना मार पड़ी है एक तरफ है कोरोना दूसरी तरफ है बाढ़ , बिहार की अवाम को अनाथ की तरह छोड़ दिया गया है? करोड़ों के बांध और पुल जो कि बिहार के जनता की हिफाज़त को आश्वस्त करता था वे भी नेताओं के वादे की तरह खोखले निकले और ध्वस्त हो गए। साथ ही बाढ़ के पानी के साथ नेताओं के वादे भी बह गए। आज पत्रकारिता में तकरीबन 80 प्रतिशत लोग बिहार से है वे क्यों नहीं अपने राज्य की दिक्कत को उजागर कर पाएं? आखिर क्यों नहीं बिहार में एक भी अच्छी विश्वविद्यालय बना पाए?

– **हर्ष कुमार,** जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली

कोरोना अभी खत्म नहीं हुआ

देश में अत्याधुनिक राफेल लड़ाकू विमान आया हो या अयोध्या में भूमिपूजन का अर्थ ये नहीं कि कोरोना खत्म हो गया। जरा संभल कर,इसी लापरवाही का फायदा उठा कहीं कोरोना, अपना आक्रमण और तेज न कर दे।इस बात का बिल्कुल ध्यान रखें कि जंग अभी जारी है,कोरोना अब भी हम पर भारी है। इसमें कोई दो राय नहीं कि जिस लापरवाही से हम रह रहे,देश,राज्य और जिले के बाद अब घर घर इसके फैलने की नौबत न आए। अन्यथा इसको काबू में करना मुश्किल हो सकता है। भले ही आंकड़े संक्रमितों के दो दिनों रात चार चौगुना हो रहे। लोगों के ठीक होने की भी दर में बढ़त हुई है, लेकिन भारत का पायदान विश्व में सर्वश्रेष्ठ तीन में हो रहा। समय रहते संभालना अति आवश्यक है, अन्यथा क्या हश्र होगा,और इसका क्या खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। सरकार और प्रशासन की ओर से निरंतर प्रयास किए जा रहे,लेकिन कुछ तथाकथित लोग इसको नजरअंदाज कर रहे, साथ ही कोरोना कैरियर का घिनौना कार्य कर रहे।

– **अमन जायसवाल,** दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई–मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

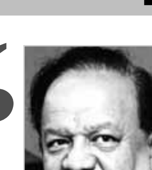

कोविड–19 पर भारत की समय से पहले और श्रेणीबद्ध बहुस्तरीय संस्थागत प्रतिक्रिया से देश में मौतों को काफी कम रखने में मदद मिली।

–डॉ. हर्षवर्धन
स्वास्थ्य मंत्री, भारत सरकार

हम सभी को अपनी सामूहिक आवाज उठानी चाहिए और मांग करनी चाहिए कि महबूबा मुफ्ती को जल्द से जल्द रिहा किया जाए और उन नजरबंद लोगों भी छोड़ा जाए जो संविधान के तहत इसके हकदार हैं।

–पी चिदंबरम
कांग्रेस नेता

बिहार विधानसभा के होने वाले आगामी चुनाव में कांग्रेस पार्टी अपने सभी सहयोगी दलों को साथ लेकर और सकारात्मक एजेंडे के साथ जनता के बीच जाएगी।

–राहुल गांधी
कांग्रेस नेता

तटबंधों की लगातार पेट्रोलिंग की जाए: योगी

प्रभावित जनपदों में सर्च एवं रेस्क्यू के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफतथा पीएसी की कुल 16 टीमें तैनात की गईं

लखनऊ। बाढ़ के खतरे से निपटने के लिये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तटबंधों की लगातार पेट्रोलिंग कराने के निर्देश दिये हैं। इसके साथ ही नदियों के आसपास रहने वाली आबादी को हटाकर उन्हे सुरक्षित स्थानों पर भेजने के लिये अधिकारियों से कहा है।

यह जानकारी पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण मंत्री अनिल राजभर ने गुरुवार को लोकभवन में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा की गयी तथा जिला अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि तटबंध की निरंतर पेट्रोलिंग कराया जाना सुनिश्चित करें ताकि बांधों पर कटान की स्थिति पर निगरानी रहे। श्री राजभर ने बताया कि बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में राहत पहुंचाने हेतु लगायी गयी नौकाओं के सबंध में जिलाधिकारी को निर्देश दिये गये हैं कि नौकाएं कहीं से भी क्षतिग्रस्त न हों और नौवहन के लिए पूर्णतया सुरक्षित हों।

नौका परिचालन के समय उसकी क्षमता से अधिक व्यक्ति व सामान का वहन उससे न किया जा रहा हो नौकाओं का परिचालन अनुभवी नाविकाओं से कराया जाना सुनिश्चित करें। श्री राजभर ने बताया कि गोरखपुर में राप्ती नदी के बांये तट पर एक स्थान पर सीपेज हो रहा है। तटबंध पर मिट्टी भरी बोरियें एवं फिल्टर का उपयोग कर सीपेज को नियंत्रित किया जा रहा है। तटबंध की निगरानी की जा रही है। मऊ की तहसील मधुबन के ग्राम गजियापुर में विद्युत पोल गिर जाने से बंधे पर कटाव हो गया, जिसे तत्काल बन्द कराया गया। अब तक 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। बंधे के कटान से लगभग 5,000 परिवार प्रभावित हैं। श्री राजभर ने बाढ़ की स्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि प्रदेश के वर्तमान में सभी तटबंध सुरक्षित हैं। प्रदेश में बाढ़ के संबंध में निरन्तर अनुश्रवण किया जा रहा है। कहीं भी किसी प्रकार की चिंताजनक परिस्थिति नहीं है। प्रभावित जनपदों मे सर्च एवं रेस्क्यू हेतु एनडीआरएफ, एसडीआरएफ तथा पीएसी की कुल 16 टीमें तैनात की गयी हैं। श्री राजभर ने बताया कि बाढ़ पीड़ित परिवारों को खाद्यान्न किट का वितरण कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक राहत सामग्री के अन्तर्गत 16,705 खाद्यान्न किट व 1,32,261 मीटर तिरपाल का वितरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि 249 मेडिकल टीम लगायी गयी हैं। श्री राजभर ने बताया कि बाढ़ की आपदा से निपटने के लिए प्रदेश में 219 बाढ़ शरणालय और 2 जनपदों में 24 शरणालयों में 3864 व्यक्ति रह रहे है तथा 712 बाढ़ चैकी स्थापित की गयी हैं। वर्तमान में प्रदेश के 17 जनपद अम्बेडकरनगर, अयोध्या, आजमगढ़, बहराइच, बलिया, बलरामपुर, बाराबंकी, बस्ती, गोण्डा, गोरखपुर, कुशीनगर, लखीमपुरखीरी, मऊ, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज तथा सीतापुर के 666 गांवों बाढ़ से प्रभावित हैं। शारदा नदी पलिया कला लखीमपुरखीरी, सरयू नदी तुर्तीपार बलिया, राप्ती नदी बर्डघाट गोरखपुर, घाघरा एल्गिनब्रिज बाराबंकी और अयोध्या में अपने खतरे के जलस्तर से ऊपर बह रही है।

मनोज सिन्हा की नियुक्ति से फिर बढ़ा यूपी का रुतबा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

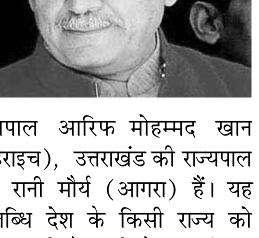

गाजीपुर जिले के रहने वाले और पूर्व केन्द्रीय मंत्री मनोज सिन्हा की जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल पद नियुक्ति के बाद यूपी का रुतबा फिर बढ़ गया है। देश के विभिन्न राज्यों के राज्यपाल अथवा उप राज्यपाल के पद सबसे अधिक मूल रूप से यूपी के रहने वालों के पास हो गये हैं।

देश में वर्तमान समय में नौ केन्द्र शासित राज्य व 28 प्रदेश हैं। इनमें से सात राज्यों में यूपी के रहने वाले राज्यपाल तथा उप राज्यपाल के पदों पर नियुक्ति है। जिसमें सात में यूपी के मूल निवासी राज्यपाल अथवा उपराज्यपाल के पदों पर है। जिसमें अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल ब्रिगेडियर बीडी मिश्र (भदोही-संत रविदास नगर), बिहार के राज्यपाल फागू चौहान (आजमगढ़), राजस्थान के कलराज मिश्र (गाजीपुर), जम्मूकश्मीर के मनोज सिन्हा (गाजीपुर), गोवा के राज्यपाल सत्यपाल मलिक (मेरठ), केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान (बहराइच), उत्तराखंड की राज्यपाल बेबी रानी मौर्य (आगरा) हैं। यह उपलब्धि देश के किसी राज्य को हासिल नहीं है। यूपी के बाद बिहार ऐसा दूसरा राज्य है जिसके मूल निवासी विभिन्न राज्यों में सबसे अधिक राज्यपाल के पदों पर नियुक्त हैं। यूपी-बिहार के अलावा मौजूदा समय राजस्थान से तीन, पंजाब, हरियाणा, ओडिशा, गुजरात व तमिलनाडु से दो-दो तथा तेलंगाना, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ व महाराष्ट्र के एक-एक राज्यपाल हैं। मौजूदा समय में यूपी से सात तो बिहार से चार राज्यपाल हैं। जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल के पद पर मनोज सिन्हा की ताजा नियुक्ति से पहले भी एक दौर ऐसा आया था जब देश के सात राज्यों में यूपी के रहने वाले मूल निवासियों के पास राज्यपाल के सात पद हो गये थे लेकिन मध्य प्रदेश के राज्यपाल लालजी टंडन के निधन और राजस्थान के राज्यपाल रहे कल्याण सिंह तथा पश्चिम बंगला के राज्यपाल रहे केशरीनाथ के हटने के बाद यह आंकड़ा गडबडा गया था लेकिन मनोज सिन्हा की नयी नियुक्ति के बाद यूपी ने फिर अपना पुराना मुकाम हासिल कर लिया है। विदित हो कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने के साथ राज्य को जम्म कश्मीर और लद्दाख के रूप में दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांटा गया था। मुर्मू ने 31 अक्तूबर 2019 को उप राज्यपाल पद की शपथ ली थी। मुर्मू के शासनकाल में कश्मीर शांति, स्थिरता और विकास की ओर तेजी से बढ़ा है। राज्य में आतंकवाद या पत्थरबाजी की घटनाओं में भारी कमी आई है।

अयोध्या की सीमा से पहले प्रमुख तीन मार्गों पर बनेंगे भव्य डाक बंगले

● 40 लाख तक के ठेकों में आरक्षण व्यवस्था की कार्रवाई तेज की जाए: केशव प्रसाद मौर्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अयोध्या में पर्यटन के दायरे को बढ़ने के दृष्टिगत तथा अयोध्या की महिमा और गौरव के अनुकूल वहां पर विभागीय कार्यों में तेजी लाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ से अयोध्या जाने वाले मार्गों पर अयोध्या की सीमा से पहले बड़े डाक बंगले बनाने की कार्य योजना बनाई जाए और तत्काल स्टीमेट तैयार कर स्वीकृति ली जाए। उन्होंने कहा कि यह कार्य शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर कराया जाना है ।

केशव प्रसाद मौर्य अपने लखनऊ के सरकारी आवास पर आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि 40 लाख तक की सीमा तक के ठेकों में ओबीसी ,एससी-एसटी व सामान्य वर्ग के ठेकेदारों को ठेका दिए जाने हेतु आरक्षण की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जाए। निर्देश दिए इंटरस्टेट मार्गों के बॉर्डर पर प्रवेश द्वार बनाए जाने की भी कार्य योजना बनाई जाए। उन्होंने कांवर पथ की योजना को भी मूर्तरूप दिये जाने के बारे में व्यापक दिशा निर्देश दिए । मौर्य ने कहा कि सड़कों के दृष्टिकोण से जो जिले पिछड़े हों उनका चयन किया जाए और विशेष प्राथमिकता देते हुए वहां पर सड़कों व संपर्क मार्गों के निर्माण का कार्य अमल में लाया जाए।

उन्होंने कहा कि कार्य धरातल पर नजर आने चाहिए। उन्होंने कहा लोक निर्माण विभाग , सेतु निगम व उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम द्वारा बहुत ही उल्लेखनीय व उत्कृष्ट कार्य कराए गए हैं, इन कार्यों के प्रोजेक्शन और प्रजेंटेशन तथा व्यापक प्रचार प्रसार के दृष्टिकोण से मुख्यालयों पर एलईडी के माध्यम से प्रचार करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए की विभागीय मैनुएल्स की एक पुस्तिका तैयार की जाए साथ ही साथ एक पीरियाडिकली मैगजीन निकालने की कार्रवाई भी की जाएए जिसमें लोक निर्माण विभाग के विभिन्न शासनादेशों व विभिन्न तकनीकी विशेषज्ञताओए उपलब्धियों आदि का उल्लेख किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़को पर जहां कहीं भी स्पीड ब्रेकर मानक के अनुरूप नहीं बने हैं उनको मानक के अनुरूप बनवाया जाए ताकि कोई दुर्घटना की संभावना न रहे। यह आशंका इसलिए जताई गयी कि कहीं कहीं ग्रामीण अपनी मर्जी से स्पीड ब्रेकर बना देते हैं, इसलिए इसका निरीक्षण कर लिया जाए।

समीक्षा के दौरान बताया गया कि इस वर्ष प्रदेश के 175 खंडों में हर्बल मार्गों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसमें से 171 खंडों में बरगद ,आंवला ,पीपल ,अशोक आदि के पौधे सड़कों के किनारे लगाए गए है। उन्होंने पर्यावरण संतुलन, संरक्षण व संवर्धन के दृष्टिकोण से इन पौधों की सुरक्षा के व्यापक प्रबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग मुख्यालय के पास विशेश्वरैय्या जी के नाम से भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण किया जाना है, जिसके लिए कार्य योजना बनाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि 15 सितंबर को इंजिनियर्स डे पर इसका शिलान्यास कराए जाने की तैयारी की जाए।

मौर्य ने पुराने आरओबी ,फ्लाईओवर, पुलो, पुलियों आदि का निरीक्षण करने के निर्देश दिए और कहा कि जो जर्जर हो उनकी रिपेयरिंग की जाए या नव निर्माण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने रोड साइनेज की क्वालिटी पर भी विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

निलम्बित कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई न होने पर परिषद ने जताई नाराजगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बेसिक शिक्षा विभाग में खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से सम्बद्ध निलम्बित लिपिकों और शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई न किये जाने पर बेसिक शिक्षा परिषद ने नाराजगी जताई है। परिषद के सचिव की तरफ से जारी निर्देश में सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि आरोप के आधार पर कार्रवाई करते हुए 15 दिन के अंदर रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। उप्र बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव प्रताप सिंह बघेल के स्तर से जारी आदेश में कहा गया है कि प्रदेश में खण्ड शिक्षा अधिकारी के कार्यालय से 300 की संख्या में लिपिक और 600 अध्यापक निलम्बन के पश्चात सम्बद्ध किये गए हैं। इन निलम्बित कर्मियों पर विभाग की मंशा के अनुरूप कार्य न किये जाने के आरोप हैं। इनके खिलाफ कोई भी अनुशासनात्मक कार्रवाई अभी तक नहीं की गई है। जबकि इनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के अंतर्गत निलम्बन के पश्चात आरोप पत्र देकर जांच आख्या के आधार पर तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। सचिव ने अपने आदेश में निलम्बित विभागीय कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई कर 15 दिन के अंदर रिपोर्ट मांगी है।

यूपी में स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह बीमार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

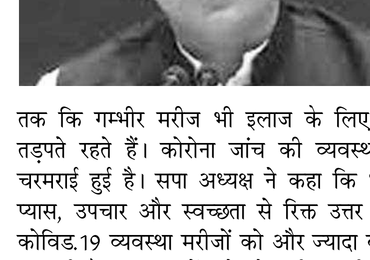

सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं स्वयं बुरी तरह बीमार हैं। स्थिति इतनी गम्भीर है कि सत्तारूढ़ दल के ही एक दर्जन मंत्री एवं विधायक कोविड.19 की चपेट में हैं। एक कैबिनेट मंत्री की दुखद मृत्यु हो चुकी है। उन्होंने सवाल किया कि भाजपा सरकार ने साढ़े तीन वर्ष में कौन सी मेडिकल सुविधाएं विकसित की हैं, मुख्यमंत्री या उनकी टीम के अफसरान बताएं कि भाजपा सरकार के किन मेडिकल कॉलेजों में कोविड का इलाज हो रहा है। प्रदेश में जो भी मेडिकल कॉलेज हैं, वे सभी समाजवादी सरकार में बने थे। भाजपा सरकार ने एक भी मेडिकल कॉलेज नहीं बनाया।

अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोविड 19 के इलाज की उचित व्यवस्था तक नहीं है। कोरोना संक्रमण पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इससे लोगों में भय व्याप्त है और मनोवैज्ञानिक रूप से वे हताशा के शिकार हो रहे हैं। लगातार पांच महीनों से तमाम प्रतिबंधों में रहते हुए परिवार परेशान हो रहे हैं। सैकड़ों आत्महत्या करने को मजबूर हुए हैं। बच्चों के स्कूल-कॉलेज भी बंद चल रहे हैं। भाजपा सरकार के तमाम दिशा निर्देशों का पालन भी धीरे-धीरे घटता जा रहा है। अस्पतालों में मरीजों को ओपीडी में इलाज मिलना मुश्किल हो गया है। यहां तक कि गम्भीर मरीज भी इलाज के लिए घंटों तड़पते रहते हैं। कोरोना जांच की व्यवस्था भी चरमराई हुई है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भूख-प्यास, उपचार और स्वच्छता से रिक्त उत्तर प्रदेश कोविड.19 व्यवस्था मरीजों को और ज्यादा बीमार कर रही है। व्यवस्था में लगे लोग भी उसकी चपेट में आ रहे है। कोरोना वारियर्स भी अब सरकारी उपेक्षा के शिकार हो रहे हैं। जब उन्हें ही घटिया खाना दिया जाएगा, सही इलाज और देखरेख नहीं होगी तो उनका मनोबल घटना तय है। जनसामान्य तो वैसे भी रामभरोसे रहने को विवश है। उन्होंने कहा की कानून व्यवस्था की तरह कोरोना बीमारी भी पूरी तरह से अराजक हो चली है। सरकार ने अपनी हठधर्मी से विपक्ष की उचित सलाह भी नहीं मानी। भाजपा सरकार अपनी अदूरदर्शिता तथा गलत नीतियों के चलते स्थिति को सुधारने के बजाय और ज्यादा बिगाड़ने में तुली है।

बिकरू कांड की जांच कर रही एसआईटी अब 30 अगस्त तक सौपेंगी रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● शासन ने 4 सप्ताह का और दिया समय

कानपुर के बिकरू कांड और विकास दुबे एनकाउंटर की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) को जांच रिपोर्ट सौंपने के लिए शासन ने 4 सप्ताह का और समय दिया है। दरअसल एसआईटी को पहले 31 जुलाई को मामले में अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपनी थी लेकिन जांच पूरी न होने के कारण एसआईटी ने शासन से इसके लिए और समय मांगा था । अब शासन ने एसआईटी की मांग मानते हुए 30 अगस्त तक का समय दिया है । 30 अगस्त तक एसआईटी को पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट देनी होगी ।

बिकरू गांव में बीती 2 जुलाई की देर रात शातिर हिस्ट्रीशीटर विकास दुबे ने एक सीओ सहित आठ पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी थी। बाद में पुलिस ने विकास दुबे सहित आधा दर्जन अभियुक्तों को विभिन्न मुठभेड़ में मार गिराया। इस पूरे प्रकरण की जांच के लिए शासन ने बीती 15 जुलाई को अपर मुख्य सचिव संजय आरण् भूसरेड्डी की अध्यक्षता में एसआईटी का गठन किया था। अपर पुलिस महानिदेशक हरिराम शर्मा और पुलिस उपमहानिरीक्षक जे. रविंदर गौड़ को एसआईटी का सदस्य बनाया गया था। शासन ने एसआईटी को 31 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए थे। टीम ने लगातार बिकरू गांव के साथ ही कानपुर में काफी पड़ताल की। इस पड़ताल में गांव के लोगों के साथ अन्य से भी अपेक्षित सहयोग न मिलने के कारण टीम निर्धारित समय यानी 31 जुलाई को रिपोर्ट नहीं सौंप सकी थी। टीम को कई विभागों के दस्तावेज नहीं मिले थे। इसके लिए संजय आर भूसरेड्डी ने सकार से और समय मांगा था। सरकार ने एसआइटी को 30 अगस्त तक का समय दिया है।

सुशांत प्रकरण: सीबीआई जांच के निर्णय का पूर्व डीजीपी बृजलाल ने किया स्वागत

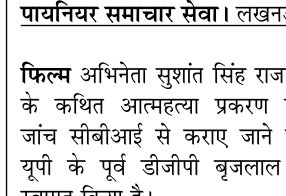

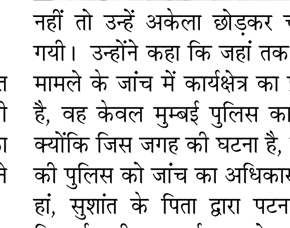

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के कथित आत्महत्या प्रकरण की जांच सीबीआई से कराए जाने का यूपी के पूर्व डीजीपी बृजलाल ने स्वागत किया है।

पूर्व डीजीपी ने कहा कि जिस तरह बिहार व मुम्बई पुलिस एक दूसरे पर आरोप, प्रत्यारोप लगा रहे थे, उसके बाद तो सीबीआई जांच ही एक विकल्प बचा था। पूर्व डीजीपी ने कहा कि दाल में कुछ काला अवश्य है। जिस प्रकार सुशांत के पैसों का रिया चक्रवर्ती और उसके परिवार ने अधाधुंध खर्च किया, उनके स्टाफ़ को हटाया और बाद में जब कुछ बचा नहीं तो उन्हें अकेला छोड़कर चली गयी। उन्होंने कहा कि जहां तक इस मामले के जांच में कार्यक्षेत्र का प्रश्न है, वह केवल मुम्बई पुलिस का था क्योंकि जिस जगह की घटना है, वहीं की पुलिस को जांच का अधिकार है। हां, सुशांत के पिता द्वारा पटना में लिखाई गयी एफआईआर को मुम्बई पुलिस द्वारा हो रही जांच में शामिल किया जा सकता था। मुम्बई पुलिस अपने क्रियाकलाप से विवादित हो गयी और उसकी जांच विश्वास योग्य नहीं रह गयी थी। डीआरआई भी पैसों के लेन देन की अलग जांच कर रही है। अब दोनों एजेंसियां मिलकर जांच करेंगी और अब निष्पक्ष जांच की उम्मीद की जा सकती है।

छह दिन में साढ़े छब्बीस हजार लीटर अवैध शराब बरामद, 90 गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● आबकारी विभाग पहली अगस्त से प्रदेश स्तर पर चला रहा एक सप्ताह का विशेष प्रवर्तन अभियान

आबकारी विभाग द्वारा प्रदेश स्तर पर चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के दौरान इसमें अभी तक अवैध शराब के 1194 में मामले पकड़े गए। अपर मुख्य सचिव आबकारी संजय आर भूसरेड्डी ने बताया कि पंजाब एवं आन्ध्र प्रदेश में जहरीली शराब पीने से हुई मृत्यु को देखते हुए अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग द्वारा प्रदेश स्तर पर पहली अगस्त से एक सप्ताह का विशेष प्रवर्तन चलाया जा रहा है जिसके दौरान अभी तक प्रदेश में कुल 1,194 मामले पकड़े गए, जिसमें 26,502 लीटर अवैध शराब बरामद की गयी तथा शराब बनाने के लिए तैयार किए गए 1,45,200 किग्रा लहन को मौके पर नष्ट किया गया । अवैध शराब की तस्करी में लगी 8 गाड़ियों को जब्त किया गया तथा 90 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि प्रदेश में अभियान के दौरान नकली शराब के बड़े मामले पकड़े जाने पर अभियुक्त के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के साथ साथ आईपीसी की कठोर धाराओं में कार्रवाई कराने के निर्देश दिए गए हैं। जनपद भदोही में आबकारी एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा दबिश देकर एक घर से अवैध रूप से तैयार 34 पेटी देशी शराब तथा 250 लीटर स्प्रिट, भारी मात्रा में नकली लेबल, नकली ढक्कन , नकली क्यूआर कोड तथा खाली पौवे बरामद किए गए । मौके से शराब बनाने के अन्य उपकरण के साथ साथ एक मारुति कार और एक पिकअप वाहन भी पकड़ा गया ।

पीएम व सीएम की अंकतालिका की जांच की मांग करने वाले शिक्षक पर कार्रवाई के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बेसिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा में शिक्षकों के शैक्षिक दस्तावेज के सत्यापन की चल रही प्रक्रिया के विरुद्ध जाकर एक शिक्षक ने अपने दस्तावेज सत्यापित कराने से पूर्व पीएम व सीएम के अंकतालिका के सत्यापन की मांग की है।

शिक्षक की अजीबोगरीब मांग को आचरण नियमावली का उल्लंघन मानते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ मुकेश कुमार सिंह ने माध्यमिक शिक्षा अधिनियम 1921 के तहत प्रबन्ध तंत्र को शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सदर बाजार स्थित हरिश्चंद्र इंटर कालेज के रसायन विज्ञान में प्रवक्ता के पद पर तैनात रामनिवास ने कॉलेज के प्रधानाचार्य व जिला विद्यालय निरीक्षक को इस बावत अजीबोगरीब पत्र लिखकर मांग की थी। जिस पर प्रधानाचार्य ने जिला विद्यालय निरीक्षक को पत्र लिख कर शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए वेतन रोकने की मांग की थी। जिस पर जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ मुकेश कुमार सिंह ने प्रबन्ध तंत्र को शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

चट्टानों के पट्टों की रायल्टी जमा करने में ऑनलाइन प्रक्रिया अपनाई जाए: रोशन जैकब

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशक डा. रोशन जैकब ने कहा है कि चट्टानों के पट्टों की रायल्टी जमा कराने के लिए भी ऑनलाइन प्रक्रिया अपनाई जाए। उन्होंने जिलाधिकारियों को भेजे निर्देश में कहा है कि इसका कड़ाई से पालन कराया जाए। उन्होंने बताया कि खनन पट्टा वर्ष के पहले माह का 12 प्रतिशत और शेष 11 माह का 8 प्रतिशत रायल्टी ऑनलाइन जमा की जानी है। पट्टाधारक जो पट्टावर्ष के बीच में इस नई व्यवस्था में आएंगे, उनके लिए अनुमन्य वार्षिक मात्रा में से उपभोग के बाद अवशेष उपखनिज की मात्रा को शेष माह में समान रूप से विभाजित करते हुए देय मासिक किस्तें प्रदर्शित होने लगेंगी। ऑनलाइन भुगतान के बाद ही वो प्रपत्र ई.एमएम.11 निकाल सकेंगे। मासिक किस्त माह के पहले दिन देय होगी। मासिक किस्त के समतुल्य मात्रा पूर्ण होने या महीने की अन्तिम तिथिए जो भी पहले होए के उपरान्त अभिवहन पास जनित नहीं हो सकेगा। परिहार धारक अगली मासिक किस्त का अग्रिम भुगतान करने के उपरान्त ही अभिवहन पास जनित कर सकेंगे। जमा मासिक किस्त के सापेक्ष यदि परिवहन की गयी उपखनिज की मात्रा कम होती हैए तो शेष मात्रा अगले माह में हस्तान्तरित हो जायेगी।

रालोद ने की बन्द कताई मिलों को बेचने की नीति की आलोचना

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश प्रवक्ता सुरेन्द्र नाथ त्रिवेदी ने प्रदेश सरकार द्वारा परिवहन निगम के बस अड्डों को किराए पर देने एवं विभिन्न जनपदों में बन्द पडी़ कताई मिलों को बेचने की नीति की आलोचना करते हुए कहा है कि प्रदेश में आये हुए प्रवासी मजदूरों के लिए सरकार ने अभी तक कोई ठोस रणनीति नहीं बनाई है। मनरेगा जैसी योजनाओं में स्थान देने और कुछ श्रमिकों के खातों में थोड़ी धनराशि ट्रांसफर कर देने से उनके परिवारों का भरण पोषण सम्भव नहीं है। त्रिवेदी ने कहा कि सरकार ने अभी तक राजधानी लखनऊ की बन्द पडी़ विक्रम काटन मिल और पेपर मिल तथा औद्योगिक नगरी कानपुर की जूटमिल, टाट मिल, एल्गिन मिल और लाल इमली जैसी बड़ी मिलों को चालू करने की कोई कार्य योजना नहीं बनाई है। जहाँ हजारों मजदूरों को नौकरी देकर उनके परिवारों को समाज में सम्मानजनक जीवन दिया जा सकता है।

कोरोना काल की जन समस्याओं को लेकर कांग्रेस आज पूरे प्रदेश में करेगी प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● जिलाधिकारी के माध्यम से जिला व शहर कांग्रेस कमेटियां राज्यपाल को सौंपेंगी छह सूत्रीय मांग पत्र

कोरोना काल के दौरान उत्पन्न हुई विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस 7 अगस्त को पूरे प्रदेश में प्रदर्शन करेगी। प्रदेश कांग्रेस की जिला एवं शहर इकाइयों द्वारा प्रत्येक जिले में जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से 6 सूत्रीय मांगपत्र प्रदेश के राज्यपाल को दिया जायगा।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि विगत 4 माह से वैश्विक महामारी कोविड.19 के चलते रोजगार में प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के कारण लाखों मध्यम आय वर्ग के अभिभावकों को अपने बच्चों की फीस जमा कराने और समस्त न्यायालयों में कार्य बंद होने के कारण अधिवक्ता बंधुओं की आमदनी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के साथ ही मध्यम आय वर्ग को विभिन्न तकलीफों का सामना करना पड़ा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के निर्देश पर राज्य स्तरीय होने वाले इस आन्दोलन में जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम को दिए जाने वाले ज्ञापन में आधा दर्जन प्रमुख मांगों को शामिल किया गया है। मसलन प्रदेश में संचालित यूपी बोर्ड, सीबीएसई बोर्ड, आईसीएसई बोर्ड एवं अन्य बोर्डों के छात्रों की विगत 4 माह की फीस माफ की जाए।

इन शिक्षण संस्थानों में कार्यरत मान्यता, गैर मान्यता प्राप्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सरकार से कम से कम 8 हजार रुपए प्रतिमाह सहायता प्रदान की जाए। नए साल की पाठ्य पुस्तकों में बदलाव न किया जाए।

बीते एक माह में 1090 ने किया महिला उत्पीड़न की 68164 शिकायतों का निस्तारण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● फैमिली, फ्रेंड्स व रिलेटिव काउन्सलिंग के माध्यम से 435 शिकायतों में पीड़िताओं को राहत पहुंचायी गयी

वीमेन पॉवर लाइन-1090 द्वारा विशेष अभियान चलाकर बीते माह जुलाई में महिलाओं के प्रति विभिन्न प्रकार के उत्पीड़न से सम्बन्धित 68,164 शिकायतों का निस्तारण किया गया है। ऐसे लोगों के विरुद्ध सख्ती से कानूनी कार्रवाई की गयी है जो 1090 में दर्ज शिकायतों के प्रकरणों में मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से पीड़िताओं का उत्पीड़न कर रहे थे।

अपर पुलिस महानिदेशक-प्रभारी वीमेन पॉवर लाइन 1090 नीरा रावत ने बताया कि इस अभियान के अन्तर्गत जुलाई में 1,64,918 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 1,05,238 शिकायतें फोन बुलिंग एवं साइबर बुलिंग से संबंधित थीं जिनमें से 68,164 शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है साथ ही

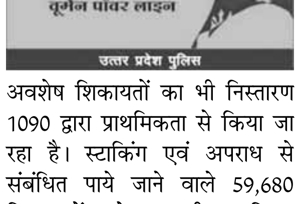

अवशेष शिकायतों का भी निस्तारण 1090 द्वारा प्राथमिकता से किया जा रहा है। स्टाकिंग एवं अपराध से संबंधित पाये जाने वाले 59,680 शिकायतों को जनपदीय पुलिस, जीआरपी तथा यूपी 112 को अंतरित किया गया है। नीरा रावत ने बताया कि 1090 टीम द्वारा महिलाओं के साथ अश्लील हरकत करने व ब्लैकमेल कर रूपये ऐंठने वाले 2 शातिर अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए भादवि एवं आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के अन्तर्गत थाना बाघराय, जनपद प्रतापगढ़ में अभियोग पंजीकृत कराकर अभियुक्तगणों को गिरफ्तार कराया गया। इन अभियुक्तों के विरुद्ध प्रदेश के विभिन्न जनपदों से 37 शिकायतें महिलाओं-लड़कियों द्वारा 1090 में दर्ज करायी गयी थीं।

वीमेन पॉवर लाइन 1090 में दर्ज शिकायतों में से ऐसी शिकायतें जिसमें सामान्य काउन्सलिंग के उपरान्त भी आरोपी द्वारा पीड़िता को परेशान किया जाना पाया गया उन शिकायतों का निस्तारण 1090 की विशेष टीम द्वारा आरोपी के फैमिली, फ्रेण्ड्स एवं रिलेटिव काउन्सलिंग के माध्यम से किया गया। जुलाई में इस प्रकार की प्राप्त कुल 435 शिकायतों में काउन्सलिंग कर पीड़िताओं को राहत पहुंचायी गयी है।

होम आइसोलेशन में लखनऊ अव्वल, गोरखपुर दूसरे पर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बिना लक्षण वाले कोरोना मरीजों को घर पर आइसोलेट कर उपचार किये जाने के मामले में राजधानी लखनऊ पहले स्थान पर है। जबकि गोरखपुर दूसरे पर और कानपुर तीसरे पर है। वहीं बागपत, फिरोजाबाद, चित्रकूट और हमीरपुर में सबसे कम संख्या में मरीज होम आइसोलेशन में है। यूपी में अभी तक 16 हजार 530 से ज्यादा मरीज होम आइसोलेशन में रखे गए हैं। सबसे ज्यादा लखनऊ के मरीज होम आइसोलेशन में हैं। लखनऊ में 2,556, गोरखपुर में 1,302, कानपुर में 1,233 मरीजों ने होम आईसोलेशन का विकल्प चुना है। स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक डॉ. डीएस नेगी ने बताया कि अब तक 2,530 संक्रमित मरीज होम आइसोलेशन का पूरा वक्त गुजार चुके हैं।

भूमि पूजन पर कमलनाथ, दिग्विजय की प्रतिक्रिया के विरोध में कांग्रेस सांसद ने सोनिया को लिखा पत्र

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस के लोकसभा सदस्य टीएन प्रतापन ने राम मंदिर निर्माण के लिए हुए भूमि पूजन के संदर्भ में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्रियों कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की प्रतिक्रया का विरोध किया है। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर कहा है कि कांग्रेस अति धार्मिक राष्ट्रवाद के पीछे नहीं भाग सकती। केरल के त्रिशूर से सांसद ने यह भी कहा कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा द्वारा राम मंदिर को लेकर जो रुख अपनाया गया है वो स्वीकार्य है क्योंकि उन्होंने एकता की बात की।

कमलनाथ ने राम मंदिर के लिए भूमि पूजन का स्वागत करते हुए बुधवार को कहा था कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने राम मंदिर का ताला खुलवाया था और बहुत समय से हर भारतवासी की आकांक्षा थी कि राम मंदिर का निर्माण हो। कमलनाथ ने भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय के मुख्यद्वार पर भगवान श्रीराम की तस्वीर के सामने दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव की शुरुआत की और आरती कर भगवान राम का पूजन भी किया। दिग्विजय सिंह ने भी राम मंदिर निर्माण के आरंभ का स्वागत किया, हालांकि उन्होंने भूमि पूजन के मुहूर्त को लेकर सवाल खड़े किए।

प्रतापन ने सोनिया को लिखे पत्र के बारे में पूछे जाने पर पीटीआई-भाषा से कहा, कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की प्रतिक्रिया बहुत खराब थी। कांग्रेस का रुख भाजपा के हिंदुत्व के रुख का समर्थन करना नहीं है। उन्होंने कहा, मेरा नाम प्रतापन है, मैं भी हिंदू हूं। मैं भगवान की अराधना करता हूं। मैं अक्सर भगवान श्रीकृष्ण के मंदिर जाता हूं और उनका आशीर्वाद लेता हूं। लेकिन हम उस हिंदुत्व का समर्थन नहीं कर सकते जो भाजपा और आरएसएस का है। प्रतापन ने पत्र में कहा, हम अति धार्मिक राष्ट्रवाद के पीछे इसके नरम स्वरूप के साथ भाग नहीं सकते। हमें इस हालात का अहसास करना चाहिए और तत्काल विकल्प को स्वीकार करना चाहिए। यह एकता, सौहार्द और सहिष्णुता की राजनीति की विरासत पर आधारित होना चाहिए।

उनके इस पत्र और बयान को केरल की राजनीति और स्थानीय समीकरणों से जोड़कर देखा जा रहा है। गौरतलब है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा द्वारा राम मंदिर के भूमिपूजन का स्वागत किए जाने से जुड़े बयान को लेकर केरल की सत्तारूढ़ माकपा ने हैरानी जताई है तो कांग्रेस की सहयोगी आईयूएमएल ने भी नाखुशी जताई है। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि वह अयोध्या में राम मंदिर के भूमि पूजन समारोह पर दिए गए प्रियंका गांधी के बयान से हैरान नहीं हैं।

अगर कांग्रेस का धर्मनिरपेक्षता को लेकर निश्चित रुख होता तो देश आज ऐसे हालात का सामना नहीं कर रहा होता। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने एक प्रस्ताव पारित कर अयोध्या में राम मंदिर निर्माण पर कांग्रेस महासचिव प्रिंयका गांधी वाद्रा द्वारा दिए गए बयान पर अप्रसन्नता जताई। आईयूएमएल के राष्ट्रीय नेतृत्व की बैठक में पार्टी ने प्रस्ताव को स्वीकार किया और कहा कि बयान गलत समय पर दिया गया।

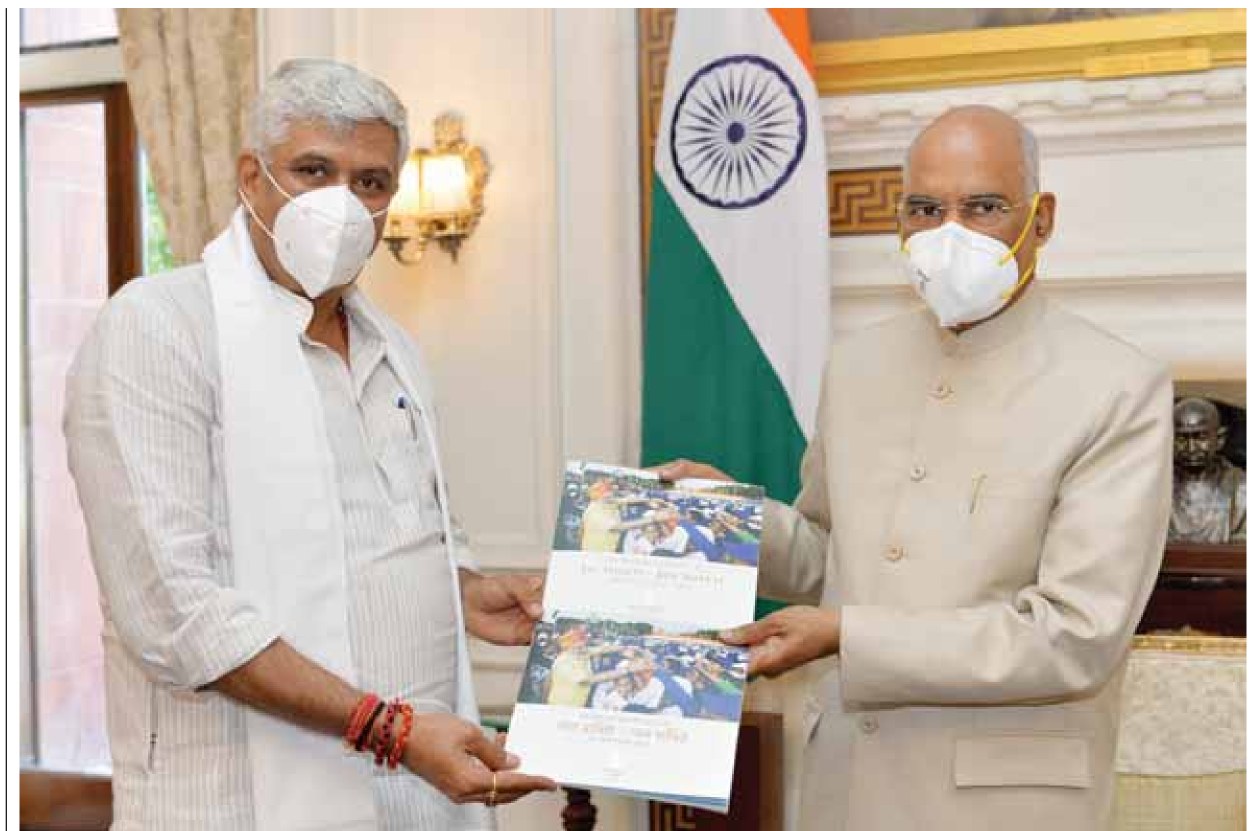
नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात करते हुए।

राहुल ने कहा: सकारात्मक एजेंडे के साथ बिहार चुनाव में उतरेंगे

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी सभी सहयोगी दलों को साथ लेकर और सकारात्मक एजेंडे के साथ जनता के बीच जाएगी। पार्टी की बिहार इकाई के वरिष्ठ नेताओं और प्रदेश, जिला एवं ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों को वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी निशाना साधा। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि राहुल गांधी की इस डिजिटल रैली में कांग्रेस के 1000 से अधिक पार्टी पदाधिकारी प्रत्यक्ष रूप से शामिल हुए। कांग्रेस के बिहार प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल के अनुसार, राहुल ने बैठक में कहा कि हम बिहार के लोगों को न्याय दिलाने और विकास के लिए सकारात्मक एजेंडे के साथ चुनाव में जाएंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि बिहार की जनता बदलाव चाहती है, ऐसे में सबको साथ लेकर और विकल्प बनकर जनता के बीच जाना है। इस बैठक में कांग्रेस नेता ने कहा, मैंने फरवरी में कोरोना और आर्थिक संकट के बारे में आगाह किया था कि तूफान आने वाला है। मैं यहां दोहराना चाहता हूं कि मैंने खुशी से नहीं बोला था। जब मैं बोलता था तो दुख होता था। उस वक्त मुझे दिख रहा था हिंदुस्तान में क्या होने वाला है।

आने वाले समय में इससे भी बड़ा तूफान आने वाला है। लद्दाख में चीनी सेना की कथित घुसपैठ के मुद्दे को लेकर भी राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि देश की सीमा की रक्षा करते हुए बिहार रेजीमेंट ने चीन को करारा जवाब दिया, लेकिन प्रधानमंत्री सेना के साथ खड़े नहीं हुए और चीनी घुसपैठ से ही इनकार कर दिया। कांग्रेस नेता ने बिहार में कोरोना और बाढ़ की स्थिति को लेकर नीतीश कुमार पर निशाना साधा और दावा किया कि इन मुद्दों और भ्रष्टाचार को लेकर नीतीश की चुप्पी यह साबित करती है कि मुख्यमंत्री के तौर पर वह विफल रहे हैं।

कोरोना वायरस से संक्रमित माकपा के वरिष्ठ नेता श्यामल चक्रवर्ती का निधन

कोलकाता। माकपा के वरिष्ठ नेता श्यामल चक्रवर्ती का कोविड-19 के चलते बृहस्पतिवार को कोलकाता के एक अस्पताल में निधन हो गया। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह 76 साल के थे। 1982 से 1996 तक तीन बार पश्चिम बंगाल के परिवहन मंत्री रहे चक्रवर्ती को 30 जुलाई को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह दो बार राज्यसभा सदस्य और ट्रेड यूनियन के नेता भी रहे। पार्टी के एक नेता ने कहा, आज दोपहर उनका निधन हो गया। वह बीते कुछ दिन से वेंटिलेटर पर थे। चक्रवर्ती के परिवार में उनकी बेटी उषासी चक्रवर्ती हैं, जो कि अभिनेत्री हैं। पश्चिम बंगाल में कोविड-19 से जान गंवाने वाले चक्रवर्ती दूसरे बड़े नेता हैं। इससे पहले तृणमूल कांग्रेस के विधायक तमोनाश घोष का इस महामारी से जून में निधन हो गया था। बुधवार को विधाननगर नगर निगम के पार्षद सुभाष बोस का भी कोविड-19 के चलते निधन हो गया था।

अनुच्छेद 370 को निरस्त किया जाना भारत का आंतरिक मामला है: नायडू

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने पड़ोसी देशों समेत सभी राष्ट्रों को बृहस्पतिवार को सलाह दी कि वे भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने से बचें। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का निर्णय देश की एकता, अखंडता एवं सम्प्रभुता की रक्षा के व्यापक हित में लिया गया। नायडू ने कहा कि भारत एक संसदीय लोकतंत्र है और जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने का निर्णय संसद में विस्तार से चर्चा के बाद और बहुमत से लिया गया।

उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पहले सुषमा स्वराज स्मारक व्याख्यान में यह टिप्पणी की। नायडू ने ऐसे समय में यह बयान दिया है, जब चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कश्मीर का मामला उठाने की हाल में कोशिश की थी। विदेश मंत्रालय ने भी कहा है कि भारत देश के आंतरिक मामलों में चीन के हस्तक्षेप को दृढ़ता से खारिज करता है। बयान के अनुसार, नायडू चाहते हैं कि अन्य देश दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने के बजाए, अपने मामलों पर ध्यान दें।

उपराष्ट्रपति ने अनुच्छेद 370 को लेकर दिवंगत सुषमा स्वराज द्वारा उनके निधन से पहले व्यक्त की गई भावनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि स्वराज विदेश मंत्री के तौर पर बहुत अच्छे और सभ्य तरीके से भारत के रुख को रखा करती थीं। उन्होंने स्वराज का जिक्र करते हुए कहा, लेकिन इसके साथ ही, वह दृढ़ता से देश का नजरिया पेश करती थीं। नायडू ने स्वराज को श्रद्धांजलि देते हुए, उन्हें आदर्श भारतीय महिला करार दिया। उन्होंने कहा कि स्वराज एक कुशल प्रशासक थीं, जिन्होंने हर उस पद पर अपनी अमिट छाप छोड़ी, जिसकी जिम्मेदारी उन्होंने निभाई।

नायडू ने कहा, वह सात बार लोकसभा एवं तीन बार विधानसभा में चुनी गईं और यह बात दर्शाती है कि वह लोगों में कितनी लोकप्रिय थीं। उपराष्ट्रपति ने स्वराज के गुणों के बारे में बताते हुए कहा कि किसी भी समस्या से निपटने में उनकी समझ, मानवीय स्वभाव और तत्परता उस समय सोशल मीडिया पर साफ दिखाई दी, जब वह विदेश मंत्री थी।

उन्होंने कहा कि करोड़ों देशवासी स्वराज से स्नेह करते थे और वह हालिया समय में सबसे लोकप्रिय भारतीय विदेश मंत्रियों में शामिल थीं। नायडू ने कहा कि स्वराज एक राष्ट्रवादी नेता थीं और हमेशा अपनी बात बेबाकी से रखती थीं। उन्होंने बताया कि स्वराज रक्षाबंधन पर उन्हें राखी बांधा करती थीं। उन्होंने कहा, जब पूरा देश कुछ दिन पहले रक्षाबंधन मना रहा था, तब मैं उनके साथ अपने लगाव को याद करके भावुक हो गया था। इस मौके पर स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज भी मौजूद थीं।

क्विक न्यूज

जम्मू-कश्मीर के नए उपराज्यपाल सिन्हा को भाजपा नेताओं ने बताया कुशल प्रशासक

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री मनोज सिन्हा को एक कुशल प्रशासक बताते हुए भाजपा नेताओं ने बृहस्पतिवार को विश्वास व्यक्त किया कि जम्मू-कश्मीर के नए उपराज्यपाल के रूप में उनकी नियुक्ति से केंद्र शासित प्रदेश विकास के रास्ते पर आगे बढ़ेगा। भाजपा महासचिव राम माधव ने ट्वीट कर कहा, एक विनम्र, विद्वान और अनुभवी नेता, जिसके पास मंत्री के रूप में ढेर सारा प्रशासनिक अनुभव है, जम्मू एवं कश्मीर का प्रशासनिक मुखिया होगा। जम्मू-कश्मीर नए जोश के साथ विकास के रास्ते पर आगे बढ़ेगा। जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ पूर्वोत्तर राज्यों के मामलों में माधव को भाजपा के प्रमुख रणनीतिकारों में शामिल किया जाता है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के पद से गिरीश चंद्र मुर्मू के इस्तीफे के बाद सिन्हा की इस पद पर नियुक्ति हुई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिन्हा को राष्ट्र सेवा हेतु समर्पित जननेता, कुशल प्रशासक व संगठनकर्ता बताया और नई जिम्मेदारी के लिए उन्हें बधाई दी। आदित्यनाथ ने कहा, मुझे विश्वास है कि आपके नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में विकास के नए मानक स्थापित होंगे। मेरी शुभकामनाएं। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के छात्र संघ का अध्यक्ष बनने के साथ ही 1982 से अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत करने वाले सिन्हा तीन बार लोकसभा के सदस्य चुने गए। हालांकि पिछले लोकसभा चुनाव में उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल में वह रेल राज्य मंत्री रहे और बाद में उन्हें संचार मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार भी सौंपा गया था।

राजस्थान में कांग्रेस सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गयी : कैलाश चौधरी

जैसलमेर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि इस सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है और इसका गिरना तय है। चौधरी ने दावा किया कि सरकार अपने ही विधायकों का समर्थन खो चुकी है और विधानसभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बहुमत साबित नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे पहले राज्यसभा चुनाव में गहलोत ने अपनी ही पार्टी के विधायकों पर अविश्वास किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्थान की जनता और कांग्रेस पार्टी के विधायक-मंत्री गहलोत के शासन से त्रस्त हैं। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और सचिन पायलट को खलनायक साबित करने के लिए यह पटकथा रची गई। अपने संसदीय क्षेत्र जैसलमेर के तीन दिवसीय दौरे पर आए केन्द्रीय मंत्री ने पहले दिन लखा, झिनिझिनियाली और देवीकोट सहित कई गांवों और कस्बों का दौरा किया। चौधरी ने केंद्र सरकार के पहले वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले छह साल में सरकार ने गरीब जनता की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी क्षेत्रों के लिए लगभग सवा सौ गरीब कल्याण योजनाओं को शुरू किया। इसका सीधा फायदा ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी क्षेत्रों में रहने वाली गरीब जनता को मिला है।

टीआरएस विधायक रामलिंगा रेड्डी का निधन

हैदराबाद। तेलंगाना में सत्तारूढ़ टीआरएस विधायक रामलिंगा रेड्डी का बृहस्पतिवार को एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 59 वर्ष के थे। टीआरएस ने ट्विटर पर कहा कि सिद्दीपेट जिले में दुब्बक के विधायक रेड्डी का आज सुबह दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनका पैर में संक्रमण था जिसका इलाज चल रहा था। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, मंत्रिमंडल के उनके कई सहकर्मियों, कांग्रेस के राज्य प्रमुख एन. उत्तम कुमार रेड्डी और कई राजनेताओं ने रामलिंगा के निधन पर शोक जताया है। आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि राव ने उनके निधन पर शोक जताते हुए उनके साथ बिताए पलों को याद किया।

जयपुर में अल्बर्ट हाल संग्रहालय पर मंडराते हुए मानसून के बादल

कश्मीर के 504 अलगाववादियों को अच्छे व्यवहार के मुचलका पर हस्ताक्षर के बाद रिहा किया गया : डीजीपी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर पुलिस प्रमुख दिलबाग सिंह ने बृहस्पतिवार को बताया कि एक साल पहले अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को निरस्त करने के बाद हिरासत में लिए गए 504 अलगाववादी नेताओं को अच्छे व्यवहार के मुचलके पर हस्ताक्षर करने के बाद रिहा कर दिया गया है। दूसरे राज्यों में जेलों में भेजे गए 350 अलगाववादी नेता और पथराव करने वालों में से केवल 50-60 ही जेल में हैं और बाकी लागों को रिहा कर दिया गया है।

हुर्रियत कांफ्रेंस और जमात-ए-इस्लामी (जेके) तथा अन्य के कुल 504 अलगावादी नेताओं को अच्छे व्यवहार के मुचलके पर हस्ताक्षर करने के बाद अभी तक रिहा किया जा चुका है। जिन लोगों ने अच्छे व्यवहार के मुचलके पर हस्ताक्षर किए हैं उन्हें जेलों या घर में नजरबंदी से रिहा होने के बाद शांति बनाए रखनी होगी और वे किसी हिंसक या अलगाववादी गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकते।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने कहा कि पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधान निरस्त किए जाने के बाद सुरक्षाबलों ने कुल 5,500 युवकों को हिरासत में लिया था। तीन-चार दिन की काउंसिलिंग के बाद सभी को छोड़ दिया गया तथा उनके माता-पिता से आश्वासन लिया गया था कि वे भविष्य में पथराव जैसी किसी हिंसक गतिविधि में शामिल नहीं होंगे।

हिंसक कृत्यों में शामिल होने के आरोप में 1,200 अन्य युवकों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। सिंह ने बताया कि हिंसा में शामिल होने के आरोप में गत वर्ष 18 साल के कम उम्र के 144 लड़कों को भी हिरासत में लिया गया और अभी किशोर न्याय कानून के तहत बनाए सुधार गृहों में उनमें से महज 17 लड़के रह रहे हैं।

मोदी आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर एक सम्मेलन में उद्घाटन भाषण देंगे

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत उच्च शिक्षा में रूपांतरकारी सुधारों पर आयोजित एक सम्मेलन में उद्घाटन भाषण देंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि इस सम्मेलन का आयोजन मानव संसाधन विकास मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा किया जा रहा है। सम्मेलन के दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के तहत कवर किए गए शिक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं जैसे कि समग्र, बहु-विषयक एवं भविष्य की शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, और शिक्षा में बेहतर पहुंच के लिए प्रौद्योगिकी के समान उपयोग पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने इस सप्ताह की शुरुआत में नई शिक्षा नीति-2020 की घोषणा कर देश की 34 साल पुरानी, 1986 में बनी शिक्षा नीति को बदल दिया। नई नीति का लक्ष्य भारत के स्कूलों और उच्च शिक्षा प्रणाली में इस तरह के सुधार करना है कि देश दुनिया में ज्ञान की सुपरपॉवर कहलाए। शिक्षा नीति के तहत पांचवीं कक्षा तक के बच्चों की पढ़ाई उनकी मातृ भाषा या क्षेत्रीय भाषा में होगी, बोर्ड परीक्षाओं के महत्व को इसमें कुछ कम किया गया है, विधि और मेडिकल कॉलेजों के अलावा अन्य सभी विषयों की उच्च शिक्षा के एक एकल नियामक का प्रावधान है, साथ ही विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए समान प्रवेश परीक्षा की बात कही गई है। पुरानी नीति के 10+2 के ढांचे में बदलाव करते हुए नई नीति में 5+3+3+4 का ढांचा लागू किया गया है। इसके लिए आयु सीमा क्रमश: 3-8 साल, 8-11 साल, 11-14 साल और 14-18 साल तय की गई है। एम.फिल खत्म कर दिया गया है और निजी तथा सरकारी उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए समान नियम बनाए गए हैं।

सोनोवाल ने दिया राम मंदिर उत्सव को लेकर हुई सांप्रदायिक झड़प की जांच का आदेश

भाषा। गुवाहाटी, तेजपुर

असम के मुख्यमंत्री सार्बानंद सोनोवाल ने अयोध्या में राम मंदिर भूमि पूजन के उत्सव को लेकर सोनितपुर जिले में दो समुदायों के बीच हुई झड़प की जांच राज्य के पुलिस महानिदेशक को सौंपी है। वहीं दूसरी ओर क्षेत्र में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया है और जिले में सेना ने आज फ्लैग मार्च किया। अधिकारियों ने बताया कि जिले के थेलामारा और ढेकियाजुली पुलिस थाना क्षेत्र में अनिश्चितकाल के लिए कर्फ्यू लगा दिया गया है। गौरतलब है कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन का उत्सव मनाने के लिए बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बाइक रैली निकाली थी, जिसके बाद दो समुदायों के बीच झड़प हो गई। घटना भोरा सिंगोरी और गोरुदुबा गांवों में हुई है। गुवाहाटी में पुलिस के एक कार्यक्रम में सोनोवाल ने कहा, डीजीपी को घटना की जांच करने के आदेश दिए गए हैं। इस दौरान, मैं सभी से शांति बनाए रखने की अपील करता हूं। हमें भाइयों की तरह रहना चाहिए।

सोनितपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नुमल महाता ने पीटीआई-भाषा को बृहस्पतिवार को बताया कि सेना के जवानों ने जिला प्रशासन के आग्रह पर थेलामारा पुलिस थाना क्षेत्र में पड़ने वाले इलाके में कल मध्यरात्रि में फ्लैग मार्च किया। उन्होंने बताया, हमने दो लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। कल रात से किसी भी अप्रिय घटना की जानकारी नहीं है। स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। महाता ने बताया कि दोनों ही पक्षों के 10 लोग घायल हुए हैं। वहीं, बजरंग दल ने दावा किया है कि उसके कम से कम 12 कार्यकर्ता घायल हैं।

इस बीच, सूत्रों ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह से इस तनावग्रस्त इलाके का दौरा करने और हालात का जायजा लेने के लिए कहा गया है। वह अभी रास्ते में हैं। सोनितपुर के पुलिस अधीक्षक मुग्धज्योति देव महंता बुधवार शाम से ही घटनास्थल पर मौजूद हैं। बाइक सवार कार्यकर्ता बेहद तेज आवाज में संगीत बजाते और नारे लगाते भोरा सिंगोरी मंदिर जा रहे थे, इसी दौरान झड़प हुई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोगों ने तेज संगीत पर आपत्ति जताई और कोविड-19 महामारी के दौरान इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी पर सवाल किए। इसके बाद झड़प हो गई। अधिकारी ने बताया कि सोनितपुर जिले के उपायुक्त मानवेंद्र प्रताप सिंह जब घटना के कुछ देर बाद वहां पहुंचे तो उनके वाहन को भी नुकसान पहुंचाया गया। सिंह ने बुधवार को कहा कि स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए पुलिस ने पहले लाठीचार्ज किया और फिर हवा में गोलियां चलाईं।

मुंबई के ठाणे में लगातार बारिश होने से सड़क पर भरे पानी से होकर जाती एक स्कूटी सवार महिला

ईआईए अधिसूचना का प्रारूप सार्वजनिक सुनवाई की प्रक्रिया को शिथिल नहीं करता

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बृहस्पतिवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश से कहा कि पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) अधिसूचना का प्रारूप सार्वजनिक सुनवाई की प्रक्रिया को शिथिल नहीं करता, बल्कि इसका उद्देश्य इसे और अधिक सार्थक बनाने का है।

जावड़ेकर ने रमेश द्वारा विभिन्न अवसरों पर ईआईए प्रारूप पर उठाई गई आपत्तियों के जवाब में पूर्व पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखा। रमेश वर्तमान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मामलों की संसद की स्थाई समिति के अध्यक्ष हैं। जावड़ेकर ने यह भी कहा कि रमेश का अपनी आपत्तियों और पत्र को सार्वजनिक करना समय पूर्व उठाया गया कदम है क्योंकि ईआईए प्रारूप पर सार्वजनिक विमर्श की प्रक्रिया जारी है। मंत्रालय ने इस साल मार्च में ईआईए अधिसूचना का प्रारूप जारी किया था और जनता से सुझाव मांगे थे। यह प्रारूप विभिन्न परियोजनाओं के लिए पर्यावरण मंजूरी देने से संबंधित है। इसने पूर्व में कहा था कि लोगों की ओर से सुझाव प्राप्त होने की 30 जून तक की समय सीमा को विस्तारित नहीं किया जाएगा, लेकिन बाद में समय सीमा बढ़ाकर 12 अगस्त तक कर दी गई थी। रमेश ने 25 जुलाई को पर्यावरण मंत्री को अपने पत्र में लिखा था कि ईआईए प्रारूप किसी परियोजना का काम पूरा होने के बाद भी स्वीकृति की अनुमति देता है जो पर्यावरण मंजूरी से पहले होने वाले मूल्यांकन और सार्वजनिक भागीदारी के सिद्धांतों के प्रतिकूल है। जावड़ेकर ने कहा, काम पूरा होने के बाद मंजूरी के प्रावधान का मुख्य उद्देश्य भारी जुर्माना लगाकर सभी उल्लंघन करने वालों को नियामक व्यवस्था के अधीन लाने का है। आप भी सहमत होंगे कि हमें कंपनियों को लगातार बिना नियमन की स्थिति में नहीं रहने देना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने लिखा, प्रत्एक परियोजना विस्तार के लिए पर्यावरण प्रबंधन योजना अभिवेदन की आवश्यकता होगी। प्रारूप सार्वजनिक भागीदारी की प्रक्रिया को कम करने के लिए नहीं, बल्कि इसे और अधिक सार्थक बनाने के लिए है। रमेश की इस आपत्ति पर कि ईआईए के प्रारूप ने सार्वजनिक सुनवाई की अवधि कम कर दी है, जावड़ेकर ने कहा कि सरकार प्रक्रिया को और अधिक सार्थक बना रही है। जावड़ेकर ने अपने पत्र में लिखा, आज हमारे पास सार्वजनिक सुनवाई करने के लिए 30 दिन का प्रदत्त समय है, लेकिन वास्तविक सार्वजनिक सुनवाई जिले के अधिकारियों की मौजूदगी में एक दिन होती है। इस तरह हम सार्वजनिक सुनवाई की प्रक्रिया को कम नहीं कर रहे हैं, बल्कि इसे और अधिक सार्थक बना रहे हैं। बी 2 श्रेणी की परियोजनाओं को 2006 से ही सार्वजनिक सुनवाई से छूट प्राप्त है। हमने उसे नहीं बदला है। इस श्रेणी में हमारे पास अनेक सुझाव हैं जिनका हमने संज्ञान लिया है। बी श्रेणी की परियोजनाओं को पर्यावरण प्रभाव आकलन रिपोर्ट की आवश्यकता होती है। परियोजना विस्तार से संबंधित रमेश की आपत्ति पर जावड़ेकर ने कहा, प्रत्एक परियोजना विस्तार के लिए पर्यावरण प्रबंधन योजना अभिवेदन की आवश्यकता होगी और विस्तार यदि उत्पाद क्षमता के लिहाज से 25 प्रतिशत से अधिक है तो ईआईए की भी जरूरत होगी। ट्विटर पर पत्र की प्रति साझा करते हुए जावड़ेकर ने दूसरा पत्र सार्वजनिक करने के लिए रमेश की आलोचना भी की। रमेश ने अपने दूसरे पत्र की प्रति ट्वीट करते हुए कहा था कि वह अब भी जवाब का इंतजार कर रहे हैं।

इसके कुछ घंटे बाद, जावड़ेकर ने ट्वीट कर जवाब दिया, आज सुबह ही मैंने आपको 25 जुलाई के आपके पत्र का विस्तृत जवाब भेजा है जो आपके घर स्थित कार्यालय पहुंच चुका है, तब भी आपने यह (दूसरा) पत्र लिखा और इसे ट्विटर पर साझा किया। जावड़ेकर ने रमेश को भेजे गए अपने पत्र की प्रति साझा करते हुए ट्वीट किया, मैं आज का पत्र एक बार फिर यहां साझा कर रहा हूं।

परिजन ने लगाया घटना की जानकारी नहीं देने का आरोप

भाषा। अहमदाबाद

अस्पताल आग

अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कोविड-19 के मरीजों के आक्रोशित रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि उन्हें अस्पताल में आग लगने की घटना के बारे में जानकारी ही नहीं दी गई। इस अस्पताल में आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई है। घटना के बाद मामले की जांच के लिए अस्पताल को सील कर दिया गया है। वहां भर्ती मरीजों के परिजन का कहना है कि उन्हें नहीं पता है कि अस्पताल से स्थानांतरित किए जाने के बाद उनके घरवालों की हालत कैसी है। अधिकारियों ने बताया कि तड़के करीब 3.30 बजे श्रेय अस्पताल की चौथी मंजिल पर आग लगने से पांच पुरुषों और तीन महिलाओं की मौत हो गई। इन सभी का यहां कोरोना संक्रमण का उपचार चल रहा था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। एक परिजन ने कहा, मेरे दादा को यहां चार दिन पहले भर्ती कराया गया था। अस्पताल के पास हमारा फोन नंबर था लेकिन किसी ने हमें फोन करके यह नहीं बताया कि आग लगने से उनकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि आग लगने की जानकारी उन्हें टीवी देख कर हुई। इसी प्रकार से आग लगने के बाद निकाय अस्पताल में स्थानांतरित किए गए कोरोना वायरस संक्रमित दो लोगों के परिजन ने कहा कि उन्हें उनकी हालत के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, मेरी मां और बड़े भाई को तीन दिन पहले श्रेय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मेरे सहकर्मी ने मुझे सुबह फोन करके बताया और इसके बाद ही मुझे आग लगने की जानकारी मिली। उन्होंने कहा कि जब तक वह अस्पताल पहुंचे तब तक दोनों को शिफ्ट कर दिया गया था।

पटना में गुरुवार को एक नाव के माध्यम से ग्रामीणों को गंगा नदी पार करतें नाविक

गहलोत ने योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू करने पर दिया जोर

भाषा। जयपुर

राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने कहा है कि कोरोना वायरस महामारी के कारण शहरों के साथ-साथ गांवों में भी रोजगार का बड़ा संकट पैदा हुआ है ऐसे में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए ग्राम विकास से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

गहलोत बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र में संप्रग सरकार के समय शुरू हुई मनरेगा योजना तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जैसी योजनाएं कोरोना संक्रमण के इस चुनौतीपूर्ण समय में वरदान साबित हुई हैं और अधिकारी अधिक से अधिक लोगों को इनसे जोड़कर रोजगार उपलब्ध कराएं। इस कॉन्फ्रेंस से सभी 33 जिलों के ग्रामीण विकास व पंचायती राज विभाग के जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारी भी जुड़े। मुख्यमंत्री ने जिला परिषद सीईओ व एसीईओ सहित अन्य अधिकारियों के साथ ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं के संबंध में सीधा संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से गांव-गांव में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की अच्छी भूमिका रही है।

उन्होंने निर्देश दिए कि इन समूहों को प्रोत्साहन देने के साथ ही इस योजना में और अधिक स्वयं सहायता समूहों के गठन को बढ़ावा दिया जाए। साथ ही इन्हें मजबूत बनाने के लिए इनके उत्पादों की बेहतर ढंग से मार्केटिंग की जाए। गहलोत ने कहा कि विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम तथा सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम के तहत होने वाले विकास कार्यों में देरी की शिकायत मिलती है। इसे दूर करने के लिए इनकी प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृतियां हर हाल में 45 दिन के निर्धारित समय में जारी की जाएं। बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष करीब 26 हजार पंचायत सहायकों को मानदेय नहीं मिलने का मामला सामने लाया गया तो उन्होंने अधिकारियों से तत्काल प्रभाव से 100 करोड़ रूपए की स्वीकृति जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पंचायत सहायकों को जल्द से जल्द मानदेय का भुगतान किया जाए।

मुख्यमंत्री ने राज्य में नवगठित 1456 ग्राम पंचायतों तथा 57 नई पंचायत समितियों के लिए ग्राम विकास अधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) के नए पद जल्द सृजित करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय रूर्बन मिशन योजना, सीमान्त क्षेत्रीय विकास योजना, महात्मा गांधी जनभागीदारी विकास योजना, डांग, मगरा एवं मेवात विकास योजना सहित ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज से जुड़ी अन्य योजनाओं की समीक्षा की गई।

दो साधुओं की हत्या का मामला

न्यायालय ने सरकार से आरोप पत्र और पुलिस कर्मियों के खिलाफ जांच की स्थिति रिपोर्ट मांगी

भाषा। नई दिल्ली

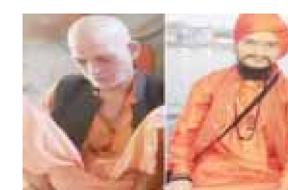

साधुओं की फाइल फोटो

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र सरकार से कहा कि पालघर जिले में अप्रैल महीने में दो साधुओं सहित तीन व्यक्तियों की पीट-पीट कर कथित हत्या के मामले में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ जांच और की गई कार्वाई से उसे अवगत कराया जाए। न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी की पीठ ने महाराष्ट्र सरकार को इस मामले में दायर आरोप पत्र भी दाखिल करने का निर्देश दिया और कहा कि वह उसकी विवेचना करना चाहेगी। पीठ ने अपने आदेश में कहा, महाराष्ट्र सरकार ने 29 जुलाई, 2020 को एक और हलफनामा दाखिल किया है जिसके तीसरे पैराग्राफ में जुलाई 2020 को दो आरोप पत्र दायर किए जाने का जिक्र है। सरकार इन आरोप पत्र को रिकार्ड पर लाए। पीठ ने कहा, इसमें आगे यह भी कहा गया है कि पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय जांच का आदेश दिया गया था और उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। पुलिसकर्मियों के खिलाफ की गई कार्वाई सहित जांच का विवरण और जांच रिपोर्ट को भी रिकार्ड पर लाया जाए। पीठ ने महाराष्ट्र सरकार को इस बारे में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश देने के साथ ही मामले को तीन सप्ताह बाद सूचीबद्ध कर दिया। शीर्ष अदालत पालघर में दो साधुओं की कथित रूप से पीट-पीट कर हत्या किए जाने के मामले में श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के साधुओं और मृत साधुओं के रिश्तेदारों की याचिका सहित कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। सीबीआई या एनआईए से जांच के लिए दायर याचिकाओं पर 11 जून को राज्य सरकार से जवाब मांगा था। केन्द्र की ओर से सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मीडिया की खबरों के अनुसार इस मामले में दस हजार से ज्यादा पन्नों का आरोप पत्र दाखिल कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि न्यायालय को इस तथ्य पर विचार करना चाहिए कि क्या इस अपराध में कोई पुलिसकर्मी संलिप्त था या क्या ड्यूटी में लापरवाही बरतने के लिए अनुशासनात्मक कार्वाई की जरूरत थी। एक याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि दो साधुओं को एक तरह से भीड़ के हवाले कर दिया गया था। यह नरसंहार था। महाराष्ट्र सरकार की ओर से अधिवक्ता राहुल चिटनिस और सचिन पाटिल ने पीठ से कहा कि भीड़ द्वारा कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या किए जाने के इस मामले में दो आरोप पत्र दाखिल किए गए हैं। चिटनिस ने कहा कि इस मामले में तीसरा आरोप पत्र सोमवार को दाखिल किया जाएगा जो आरोपियों को गिरफ्तार करने गए पुलिसकर्मियों पर हुए हमले की घटना से संबंधित है। उन्होंने कहा कि यह मामला भीड़ के कथित हमले की घटना से सीधे जुड़ा हुआ है। मेहता ने कहा कि तीसरा आरोप पत्र शीर्ष अदालत में भी दाखिल किया जाए और न्यायालय को देखना चाहिए कि यह प्रासंगिक है भी या नहीं। व्यक्तिगत रूप से पेश हुए अधिवक्ता शशांक शेखर ने पीठ से कहा कि इस मामले में जब तक केन्द्र गौर नहीं करेगा, महाराष्ट्र में साधु इसी तरह मारे जाते रहेंगे और इसकी जांच राष्ट्रीय जांच एजेन्सी से कराई जानी चाहिए।

वंदे भारत मिशन के तहत करीब 9.5 लाख भारतीय देश लौटे

भाषा। नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर विदेशों से भारतीयों को लाने के लिए 7 मई से शुरू वंदे भारत मिशन के तहत अब तक करीब 9.5 लाख भारतीय देश लौटे हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने संवाददाताओं से कहा कि हम वंदे भारत मिशन के तहत विदेशों में फंसे भारतीयों को वापस लाने के मिशन में 10 लाख की संख्या को छूने के करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा, आज के आंकड़ों के अनुसार मिशन के तहत करीब 9.5 लाख से अधिक भारतीय देश लौटे हैं। श्रीवास्तव ने कहा कि वंदे भारत मिशन का पांचवां चरण एक अगस्त 2020 से शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि हमारे मिशन से प्राप्त हुई मांगों के मूल्यांकन के बाद हमने कार्यक्रम में करीब 60 और उड़ानों को जोड़ा है। प्रवक्ता ने कहा कि इसी के साथ इस महीने 746 उड़ानें निर्धारित की गई है और इसके अलावा 200 घरेलू फीडर सेवा भी हैं।

उन्होंने बताया कि इस चरण में 1.30 लाख भारतीयों के देश लौटने की संभावना है। श्रीवास्तव ने कहा कि भारत तथा अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस के बीच द्विपक्षीय स्तर पर एयर बबल वायु सेवा जारी है और नागर विमानन मंत्रालय कुछ अन्य देशों के साथ ऐसी ही सेवा शुरू करने को लेकर बातचीत कर रही है।

मध्य प्रदेश के 20 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

भाषा। भोपाल

मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को चेतावनी दी है कि मध्यप्रदेश के 20 जिलों में अगले 24 घंटे में भारी वर्षा हो सकती है। भारत मौसम केन्द्र, भोपाल के वरिष्ठ अधिकारी अजय शुक्ला ने बताया कि प्रदेश के रीवा, सतना, कटनी, छिंदवाड़ा, सिवनी, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, होशंगाबाद, बैतूल, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, शाजापुर, आगर मालवा, गुना, अशोकनगर, ग्वालियर एवं श्योपर जिलों में कहींकहीं पर भारी वर्षा या अति भारी वर्षा हो सकती है। उन्होंने कहा कि इन जिलों में कहींकहीं पर गरज के साथ बिजली गिरने की आशंका भी है। शुक्ला ने बताया कि प्रदेश के अन्य जिलों में अधिकांश स्थानों पर वर्षा या गरज के साथ बौछारे हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि ये चेतावनी मौसम केन्द्र ने कल सुबह तक के लिए जारी की है। शुक्ला ने बताया कि पिछले 24 घंटों में रेहटी में 14 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

आंध्र प्रदेश में कोरोना के 10,328 नए मामले

भाषा। अमरावती

आंध्र प्रदेश में बृहस्पतिवार को कोविड-19 के 10,328 नए मामले सामने आए और इसी के साथ संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 1.96 लाख तक पहुंच गई। इस बीच राज्य के ऊर्जा मंत्री बालिनेनी श्रीनिवास रेड्डी के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई और उन्हें हैदराबाद के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं कुरनूल में 105 वर्षीय एक महिला संक्रमण से उबर गई और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। घर लौटने पर महिला ने कहा कि जब मुझे संक्रमण हुआ तो मैं भयभीत नहीं थी। खुश हूं कि मैं ठीक हो गई। महिला के आठ बच्चे हैं। सरकारी द्वारा जारी नवीनतम बुलेटिन में कहा गया है कि राज्य में कोरोना वायरस के कारण 72 और मरीजों की मौत हो गई जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर।,753 हो गई। वहीं पिछले 24 घंटों में 8,516 मरीजों को अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई। बुलेटिन में कहा गया है कि अब तक कुल 1.12 लाख मरीज स्वस्थ हो चुके हैं वहीं अभी राज्य में 82,166 लोग वायरस से संक्रमित हैं। राज्य में मरीजों के स्वस्थ होने की दर बढ़कर 57.36 प्रतिशत हो

कोविड-19 मरीजों के इलाज के लिए कॉर्ड ब्लड बैंक का उपयोग किया जाएगा: ममता

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोविड-19 के मरीजों के इलाज के लिए कलकत्ता मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के प्लाज्मा बैंक के अलावा शहर में कॉर्ड ब्लड बैंक का उपयोग किया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि कोविड-19 रोगियों और उनके परिवारों की टेली काउंसलिंग के लिए मनोविज्ञान के छात्रों की मदद ली जाएगी। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि लोगों को केवल सरकारी अधिकृत प्रयोगशालाओं में जांच करवानी चाहिए। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हमारे पास ठीक हो चुके कोरोना वायरस रोगियों द्वारा दान किए गए एंटीबॉडी एकत्र करने के लिए प्लाज्मा बैंक है। सरकार के कॉर्ड ब्लड बैंक की सुविधाओं का उपयोग कोविड-19 रोगियों के इलाज के लिए किया जा सकता है।

पेज एक का शेष

पहली बार...

लेकिन इसके चंद दिनों बाद 15 जून को हिंसक झड़प हो गई जिसमें दोनों ओर के जवानों की मौत हुई। कॉर्प कमांडर स्तर की दूसरी बैठक 22 जून को हुई जिसमें तनाव दूर करने के उपायों पर चर्चा की गई। इसी के साथ, यह भी कहा गया कि आपसी सहमति बनाने के लिए भारत चीन के बीच सैन्य व कूटनीतिक स्तरों पर जारी वार्ताओं के दौर के बावजूद पूर्वी लद्दाख में मौजूदा गतिरोध के संवेदनशील बने रहने के आसार हैं। वहां कड़ी निगरानी के अलावा हालात को देखकर त्वरित कार्रवाई करने की जरूरत है। रोचक बात यह है कि जून की शुरुआत में टीवी चैनलों को दिए साक्षात्कार में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारी संख्या में चीनी सैनिकों की मूवमेंट की बात स्वीकार की थी। इतना ही नहीं, जुलाई में अपने लेह के दौरे में उन्होंने कहा कि चीन के साथ विवादित मुद्दा सुलझाने के लिए सैन्य व कूटनीतिक स्तर पर जारी वार्ताओं के नतीजे को लेकर वह कोई गारंटी नहीं दे सकते। गतिरोध दूर करने के लिए जून से अब तक भारत और चीन के बीच कॉर्प कमांडर स्तर की पांच दौर की बैठकें हो चुकी हैं लेकिन, स्थिति में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं हो सका। विवादित पैंगोंग त्सो (लेक) इलाके से अपने जवानों को हटाने में चीन के लगातार टालमटोल करने से तनाव बढ़ता जा रहा है। चीन 14 जुलाई की बैठक में तनाव वाले प्वाइंट से अपनी सेनाओं को पूरी तरह वापस बुलाने पर बनी आपसी सहमति पर भी अमल करने को तैयार नहीं है।

मोदी सरकार...

रक्षा मंत्रालय अपनी रिपोर्ट में कहता है कि चीनी सैनिकों ने घुसपैठ की है तथा यह गतिरोध लंबे समय तक चलने वाला है। माकन ने कहा, सरकार बताए कि वह चीन के साथ कैसे निपटेगी और वास्तविक स्थिति क्या है। देश की जनता को यह जानने का हक है।

देश में...

केस 30,000 का आंकड़ा पार कर चुके हैं जबकि 97 लोग जान गंवा चुके हैं। राज्य के स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार दिल्ली में कुछ दिन राहत रहने के बाद गुरुवार को कोरोना ने फिर जोर भरा और 1299 नए केस दर्ज किए गए और 15 जानें गईं। बेहतर सुविधाओं और केंद्र की सीधी निगरानी वाली दिल्ली में अब तक 4,059 मरीजों की मौत हो चुकी है। हालांकि यहां का रिकवरी रेट अन्य राज्यों से बेहतर है और कुल 1,27,124 मामलों में अब सिर्फ10,348 सक्रिय केस हैं। उत्तर प्रदेश में भी बीते 24 घंटों में रिकॉर्ड 4,586 नए मामले आए और 61 मरीजों ने जान गंवाई। अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) अमित मोहन प्रसाद के अनुसार अब तक कुल केस 1,08,974 हैं जबकि मरने वालों का आंकड़ा 1,918 पहुंच गया है। सकारात्मक पहलू यह है कि ठीक होने वाले मरीजों की संख्या सक्रिय मामलों से अधिक है। इसी तरह बिहार की स्थिति बिगड़ रही है। तीन हजार नए मामलों के साथ यहां कुल मरीजों की संख्या 68,148 पहुंच गई है। केंद्र ने 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए मदद की दूसरी किस्त के रूप में 890 करोड़ से अधिक जारी किए हैं। यह कोविड-19 से निपटने के लिए मार्च में घोषित 15,000 करोड़ के पैकेज का हिस्सा है। यह पैसा मरीजों के इलाज, स्वास्थ्यकर्मियों के प्रशिक्षण और स्वास्थ्य ढांचे को बेहतर बनाने पर खर्च किया जाएगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने गुरुवार को कहा कि भारत ने विकसित देशों की तुलना में उच्च जनसंख्या घनत्व, कम अंशकालिक जीडीपी खर्च और प्रति व्यक्ति डॉक्टर और अस्पताल के बिस्तर की कम उपलब्धता के बावजूद कोरोना को काबू करने में बेहतर काम किया है। उन्होंने दक्षिण-पूर्व एशिया (एसईए) के मंत्रियों के साथ क्षेत्रीय निदेशक की एक बैठक में यह बात कही। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारत में कोविड-19 से ठीक हो चुके रोगियों की संख्या 13,28,336 हो गई है और इसी के साथ बृहस्पतिवार को स्वस्थ होने की दर सुधर कर 67.62 प्रतिशत हो गई। वहीं, मृत्यु दर घटकर 2.07 प्रतिशत रह गई। मंत्रालय ने बताया कि ठीक हो चुके मरीजों की संख्या अभी उपचाराधीन लोगों की संख्या से 7,32,835 ज्यादा है। देष में अभी 5,95,501 मरीज उपचाराधीन हैं।

प्लाज्मा थेरेपी...

बताया कि बहरहाल, यह केवल अंतरिम विश्लेषण है और हमें ज्यादा विस्तृत आकलन करने की जरूरत है। प्लाज्मा की भी सुरक्षा की जांच होनी चाहिए और इसमें पर्याप्त एंटीबॉडी होनी चाहिए जो कोविड-19 रोगियों के लिए उपयोगी हों।

अहमदाबाद में...

भर्ती आठ कोविड-19 मरीजों की आग में मौत हो गई है। अन्य मंजिलों पर जनरल वार्ड में मौजूद 41 अन्य मरीजों को सुरक्षित निकालकर एसवीपी अस्पताल भेजा गया है। अहमदाबाद में विशेष ड्यूटी अधिकारी (ओएसडी) के रूप में तैनात गुप्ता ने बताया कि श्रेय अस्पताल को जांच के लिए सील कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच से लगता है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। गुप्ता, नगर आयुक्त मुकेश कुमार और प्रधान सचिव, स्वास्थ्य जयंति कुमार मौके पर पहुंची। कुमार ने कहा, हमें पता चला है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। आग कुछ ही मिनटों में वार्ड के भीतर फैल गई। आग से तीन बुजुर्ग मरीजों को सुरक्षित निकालने वाले अस्पताल के एक अटेंडेंट चिराग पटेल ने बताया कि चौथी मंजिल पर 11 मरीज थे। मृतकों की पहचान लीलावती शाह (72), ज्योति सिंधी (55), आएशा तिरमिजी (51), नवनीत शाह (80), आरिफ मंसूरी (42), नरेंद्र शाह (62), अरविंद भवसार (78) और मनु रामी (82) के तौर पर हुई है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.वी. अंसारी ने संवाददाताओं को बताया कि अस्पताल के न्यासियों में से एक भारत महंत से पूछताछ की जा रही है। गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने हादसे की जांच के आदेश दिए। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि दो आईएएस अधिकारी, गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव संगीता सिंह और शहरी विकास विभाग के एएससी मुकेश पुरी मामले की जांच करेंगे। बयान के अनुसार, दोनों से तीन दिन के भीतर रिपोर्ट देने को कहा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजन के लिए दो-दो लाख रुपए और घायलों के लिए 50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। मुख्यमंत्री रूपाणी ने मृतकों के परिजन के लिए चार-चार लाख रुपए और घायलों के लिए 50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि की घोषणा की है।

मनोज सिन्हा...

होने से बेचैन हैं। वे केंद्र सरकार पर राज्य में अपना राजनीतिक एजेंडा चलाने का आरोप लगाते रहे हैं। एक राजनीतिक विश्लेषक ने कहा कि राजभवन में मंझे हुए राजनेता को बैठाने का मकसद सरकारी मशीनरी व आम जनता के बीच बढ़ती खायी को पाटना और राज्य की स्थिति बदलने के बाद आए राजनीतिक खालीपन को भरना है। राजनीतिक पर्यवेक्षक कहते हैं कि मुर्मू काफी समय से खासकर कश्मीर घाटी में हाशिए पर चली गई राजनीति को पटरी पर लाने का प्रयास कर रहे थे लेकिन वे कामयाब नहीं हो पाए। संभवत: इसीलिए केंद्र ने उन्हें पद से हटाया और एक भरोसेमंद खाटी राजनेता मनोज सिन्हा को राजभवन में बैठाया। सिन्हा का जन्म एक जुलाई 1959 को पूर्वी उत्तर प्रदेश में गाजीपुर जिले के मोहनपुर में हुआ था। उनका राजनीतिक करियर 1982 में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के छात्र संघ का अध्यक्ष चुने जाने के साथ शुरू हुआ। वह 1989 से 1996 तक भाजपा की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य रहे। सिन्हा गाजीपुर लोकसभा सीट से तीन बार सांसद रहे और उन्होंने 2016 में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के तौर पर संचार मंत्रालय संभाला। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि उपराज्यपाल शुक्रवार को षपथ ग्रहण कर सकते हैं। इस बीच, गुरुवार दोपहर बाद सिन्हा श्रीनगर पहुंच गए जहां एयरपोर्ट पर उनका जोरदार स्वागत हुआ। मुख्य सचिव बीवीआर सुब्रहमण्यम, डीजीपी दिलबाग सिंह और एलजी के प्रमुख सचिव बिपुल पाठक सिन्हा के स्वागत को पहुंचे। बाद में कड़ी सुरक्षा में उन्हें राजभवन लाया गया। नवनियुक्त उपराज्यपाल सिन्हा के पहुंचने से पहले ही जम्मू में ठहरे मुर्मू पत्नी और बच्चों के साथ बीएसएफ के विषेश विमान से दिल्ली लौट गए। ऐसा माना जा रहा था कि 1985 बैच के आईएएस अधिकारी और केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर के पहले उपराज्यपाल बनाए गए मुर्मू तथा मुख्य सचिव के बीच काफी समय तक तालमेल का अभाव रहा जिससे राज्य में विकास को उम्मीद के मुताबिक गति नहीं मिली। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का यह भी मानना है कि मुर्मू को कुछ विवादित मुद्दों पर लाइन से हटकर बयान देने की कीमत भी चुकानी पड़ी है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने राज्य में खुलकर 4जी नेटवर्क सेवाएं बहाल करने की वकालत की थी। उनके इस बयान पर केंद्र को सुप्रीम कोर्ट में भी यह कहकर सफाई देनी पड़ी कि एलजी के बयान की सत्यता जांची जा रही है। विधानसभा चुनाव कराने को लेकर दिए गए उनके बयान से भी नई दिल्ली में बेचैनी पैदा हो गई थी। इस बार चुनाव आयोग को दखल देना पड़ा था।

कांग्रेस में...

प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। हालांकि पीठ ने कोई अंतरिम राहत प्रदान नहीं की थी और बसपा के छह विधायकों के कांग्रेस विधायकों के रूप में सदन की कार्यवाही में भाग लेने पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। मुख्य न्यायाधीश इंद्रजीत महंती और न्यायमूर्ति प्रकाश गुप्ता की खंडपीठ ने अपील पर बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष को नोटिस जारी किया था। लेकिन उनकी ओर से कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया। उनके वकील कपिल सिब्बल ने अदालत में दलील दी कि खंड पीठ में अपील विचार करने योग्य नहीं है। सिब्बल ने यह भी कहा कि किसी भी विधायक को नोटिस दिए जाने के लिए विधानसभाध्यक्ष कार्यालय का इस्तेमाल डाकघर के रूप में नहीं किया जा सकता है। इस पर पीठ ने जैसलमेर के जिला न्यायाधीश के माध्यम से नोटिस भेजने और उन्हें जैसलमेर और बाड़मेर के दो समाचार पत्रों में प्रकाशित करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि एकल पीठ 11 अगस्त को भाजपा और बसपा की अपील पर सुनवाई करेगी।

मानवरहित विमानों...

की भारी कमी का समाना कर रहे हैं। पिछले दो साल में आतंकवाद रोधी अभियान की सफलता का दावा करते हुए पुलिस प्रमुख ने कहा कि यह इसलिए संभव हो पाया क्योंकि सुरक्षाबलों ने आतंकी समर्थक ढांचे-जमात-ए-इस्लामी (जम्मू कश्मीर), हुर्यित और उनके सदस्यों तथा आतंकी संगठनों के लिए प्रत्यक्ष तौर पर काम करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्वाई की है। उन्होंने कहा कि जमात और हुर्यित के अधिकतर नेता तथा आतंकी संगठनों के लिए प्रत्यक्ष तौर पर काम करने वाले अधिकतर लोग हिरासत में हैं और उनकी गतिविधियां थम गई हैं। सिंह ने बताया कि जम्मू कश्मीर पुलिस, प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग और अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों को मिलाकर एक आतंकवाद निगरानी समूह (टीएमजी) का गठन किया गया है जो आतंकवादियों और उनके समर्थकों के वित्तपोषण पर अंकुश लगाने के लिए लगातार काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा तथा नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है और परिणामस्वरूप इन सीमाओं पर इस साल अब तक छह मुठभेड़ हुई हैं। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि 2019 के पहले सात महीनों में आतंकवाद की 198 घटनाएं हुई थीं, लेकिन 2020 में इसी अवधि में इनमें 70 प्रतिशत की कमी आई है और आतंकवाद की 124 घटनाएं हुई हैं।

वीवो ने आईपीएल करार निलंबित किया

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत और चीन के बीच बढ़ते राजनयिक तनाव के बीच गुरूवार को चीनी मोबाइल फोन कंपनी वीवो के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र के लिए टाइटल प्रायोजन करार निलंबित कर दिया। बीसीसीआई ने एक पंक्ति का बयान भेजा जिसमें कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई और इसमें कहा गया कि वीवो इस साल आईपीएल के साथ जुड़ा नहीं होगा। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बीसीसीआई और वीवो मोबाइल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने 2020 में इंडियन प्रीमियर लीग के लिए अपनी साझेदारी को निलंबित करने का फैसला किया है। वीवो कंपनी ने कहा कि इस करार को विराम (पॉज) दिया गया है। इसके बयान के अनुसार, बीसीसीआई और वीवो मोबाइल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने आपसी रजामंदी से इंडियन प्रीमियर लीग के 2020 सत्र के लिए अपनी भागीदारी को विराम देने का फैसला किया है। वीवो ने 2018 से 2022 तक पांच साल के लिए 2190 करोड़ रूपए (प्रत्एक वर्ष करीब 440 करोड़ रूपए) में आईपीएल प्रायोजन अधिकार हासिल किए थे। दोनों पक्ष एक योजना पर काम कर रहे हैं जिसमें वीवो फिर से तीन साल के लिए संशोधित शर्तों पर 2021 से वापसी कर सकता है। हालांकि बीसीसीआई के एक शीर्ष अधिकारी का इस पर विचार कुछ अलग था। बीसीसीआई के एक अनुभवी अधिकारी ने नाम नहीं बताने की शर्त पर पीटीआई से कहा, हम यहां कूटनीतिक तनाव की बात कर रहे हैं और आप उम्मीद कर रहे हो कि नवंबर में जब आईपीएल खत्म हो जाएगा और अगला आईपीएल अप्रैल 2021 में शुरू होगा तो चीन विरोधी भावना नहीं होगी? क्या हम गंभीर हैं? बीसीसीआई के अपने संविधान के अनुसार नए टाइटल प्रायोजक के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू करने की संभावना है। टी20 लीग 19 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में शुरू होगी जिसे भारत में बढ़ते कोविड-19 मामलों के कारण विदेश में आयोजित कराना पड़ रहा है। रविवार को हुई आईपीएल संचालन परिषद की बैठक में फैसला किया गया था कि वीवो अन्य प्रायोजकों के साथ बना रहेगा, लेकिन यह घटना इसके बिलकुल उलट हुई। बीसीसीआई ने गलवान घाटी में हुई घटना के बाद जून में घोषणा की थी कि आईपीएल को लेकर सभी प्रायोजन करार की समीक्षा की जाएगी। हालांकि रविवार को हुई बैठक के बाद वीवो के साथ करार बरकरार रखने के कारण बीसीसीआई की सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हुई थी। दोनों पक्षों ने इस सत्र के लिए आपसी रजामंदी से अलग होने की योजना बनाई। हालांकि इस करार के खत्म होने से फ्रेंचाइजी को भी नुकसान हो सकता है क्योंकि उन्हें भी प्रायोजन करार से काफी बड़ा हिस्सा मिलता था। सालाना वीवो प्रायोजन राशि का आधा हिस्सा आठ फ्रेंचाइजी में बराबर बराबर बांटा जाता है जो 27.5 करोड़ रूपए तक आता है। अधिकारी ने कहा, अभी बीसीसीआई के लिए इतने कम समय में इस प्रायोजन राशि के बराबर प्रायोजक ढूंढना बहुत मुश्किल होगा। इसलिए बीसीसीआई और फ्रेंचाइजी दोनों को कुछ घाटे के लिए तैयार हो जाना चाहिए -- बीसीसीआई को ज्यादा लेकिन प्रत्एक फ्रेंचाइजी को वीवो के जाने से संभवत: 15 करोड़ रूपए का नुकसान होगा। उन्होंने कहा, इस साल सभी के लिए मुश्किल होगा लेकिन शो चलता रहना चाहिए।

● बीसीसीआई एक साल के लिए अलग रहेगा, 2021 में फिर हो सकता है बहाल

कोरोना महामारी के बीच भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट एडीलेड में करा सकता है आस्ट्रेलिया

मेलबर्न। विक्टोरिया प्रांत मे कोरोना वायरस महामारी के बढते मामलो के बीच क्रिकेट आस्ट्रेलिया भारत के खिलाफ पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट मेलबर्न की बजाय एडीलेड मे करा सकता है। सिडनी मार्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार 26 से 30 दिसंबर तक होने वाले इस टेस्ट के मेजबानो की दौड़ मे एडीलेड सबसे आगे है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के चेयरमैन अर्ल एडिंग्स ने अगले सप्ताह राष्ट्रीय क्रिकेट समिति की आपात बैठक बुलाई है जिसमे इस श्रृंखला के संचालन पर बात की जाएगी। अगर यह श्रृंखला नही होती है तो क्रिकेट आस्ट्रेलिया को 30 करोड़ आस्ट्रेलियाई डॉलर का नुकसान होगा। एक वरिष्ठ क्रिकेट अधिकारी ने अखबार को बताया कि कोरोना वायरस महामारी के चलते श्रृंखला के कार्यक्रम मे बदलाव करना ही पड़ेगा। विक्टोरिया मे अब तक 17000 पॉजिटिव मामले आ चुके है और 170 लोगो की मौत हुई है। न्यू साउथवेल्स मे 4000 पॉजिटिव मामले पाए गए है जबकि एडीलेड मे 457 पुष्ट मामले आए जिनमे से 445 संक्रमित ठीक हो गए। क्रिकेट आस्ट्रेलिया पहले ही कह चुका है कि श्रृंखला के कार्यक्रम मे बदलाव हो सकता है। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट श्रृंखला तीन दिसंबर से ब्रिसबेन मे शुरू होगा। इसके बाद 11 से 15 दिसंबर तक एडीलेड मे दिन रात का टेस्ट खेला जाएगा। तीसरा टेस्ट मेलबर्न मे 26 दिसंबर से और चौथा सिडनी मे तीन जनवरी से होगा।

SUPRA INDUSTRIAL RESOURCES LTD.
Regd. Off.: 1212, Hemkunt Chamber 89, Nehru Place, New Delhi - 110019
CIN: L65999DL1985PLC019987;
Website: www.supraindustrialresources.in
E-mail: supra1985@gmail.com / supraexchange.com@gmail.com

NOTICE

NOTICE is hereby given pursuant to Regulation 29 read with Regulation 47 of Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, that a meeting of the Board of Directors of the Company will be held on Friday, 14th August, 2020, at 11:00 A.M. at Registered office of the company, at 1212, Hemkunt Chamber 89, Nehru Place, New Delhi - 110019 to inter alia, consider and approve the Unaudited Standalone Quarterly Financial Results for the quarter ended June 30, 2020 along with the Limited Review Report of the Auditors for the corresponding period.

Pursuant to this and as per the amended SEBI (Prohibition of Insider Trading) (Amendment) Regulations, 2018, the Trading Window for dealing in shares of the Company for all its Designated Persons and their immediate relatives was closed from Wednesday, 1st July, 2020 and will be opened after 48 hours from the announcement of the Unaudited quarterly financial results of the Company for the Quarter ended 30th June, 2020 to the Stock Exchange. You are requested to take a note of the closure of the Trading Window as above.

For **Supra Industrial Resources Limited**
Sd/-
Anuradha Malik
(Company Secretary and Compliance Officer)
M. No. A60626

Place: New Delhi
Date: 05.08.2020

ई निविदा प्रेस सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यकारी अभियंता सिविल मंडल-4 सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, एल,एम,बंध, कार्यालय परिसर, शास्त्री नगर दिल्ली 31 कार्य के लिए सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग से पंजीकृत अनुमोदित एवं पात्र ठेकेदारों से आनलाईन मत दर दिनांक 10.08.2020 अपराह्न 3:00 बजे तक आमंत्रित करते है।

एच,ओ,ए 701 रिवन्यू रिसिप्ट

1 एन आई टी न0 17/ ई ई / सी डी-4/ आई एफ सी / 2020-21(आई डी न0 2020_ आई एफ सी_193030_1) कार्य का नामः एल एम बंध, कार्यालय परिसर,शास्त्री नगर, दिल्ली 31 पर कार और स्कूटर पर्किग बारह माह की अवधि के लिए। अनुमानित लागत 6,12,000/- धरोहर राशि रु 20,000/- समाधन की अवधि 365 दिन।

नोटः-
1) ठेकेदारों की सूचीबद्धता निविदा खुलने की अन्तिम तिथि को वैध होनी चाहिए अगर निविदा खोलने की तिथि आगे बढाई जाती है तो उसकी वैधता तारीख निविदा खुलने वाले दिन तक समझी जायेगी।
2) निम्नलिखित की प्रतियाँ भी ई निविदा पर डालना अनिवार्य है।
1 जीएसटी पंजीकरण की छाया प्रति।
2 सूचीबद्धता पंजीकरण उपयुक्त वर्ग में।
3 धरोहर राशि की छाया प्रति।
4 पेन न0 स्थायी खाता संख्या की छाया प्रति।
5 वैध फोन न0 ए वटसप न0/ई मेल आई डी।
3) धरोहर राशि डीडी /एफडीआर के रूप में जो कि देय होगी ई ईए सी डी-4 के संदर्भ में निविदा खोलने के 3:00 बजे तक भैतिक रूप में कार्यालय ई ईए सी डी-4 जमा की जायेगी। यदि धरोहर राशि भौतिक रूप से जमा नही की गयी तो निविदा रद्द समझी जायेगी। उपरोक्त कार्य का विवरण वेबसाईट http://govtprocurement.delhi.gov.in से देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।
4) निविदा दस्ती जमा नही की जाएगी। केवल निविदा वेबसाईट ई प्रोक्योरमेन्ट पर अपलोड की हुई मान्य है।

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता,सी डी-4
DIP/Shabdarth/0207/20-21

वेनेजुएला फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष का निधन

काराकस। वेनेजुएला फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष जीसस बेरारडिनेली का अचानक बेहोश होने के दो हफ्ते बाद निधन हो गया। अस्पताल मे भर्ती होने के दौरान उन्हे अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का भी सामना करना पड़ा था। वेनेजुएला फुटबॉल महासंघ ने यह जानकारी दी। बेरारडिनेली 61 बरस के थे। वेनेजुएला के अधिकारियों ने सार्वजनिक धनराशि के गलत इस्तेमाल के आरोप मे बेरारडिनेली के खिलाफ जांच शुरू की थी जिसके 16 दिन बाद उनकी मौत हो गई। बेरारडिनेल को 22 जुलाई को काराकस के अस्पताल मे भर्ती कराया गया था जहां उन्हे श्वास से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ा और उन्हे वेंटीलेकर पर रखा गया।

अनिका यूएस महिला एमेच्योर चैम्पियनशिप में मैच प्ले से चूकीं

रॉकविले मैरीलैंड। भारतीय गोल्फर अनिका वर्मा ने दूसरे दौर के अंतिम छह होल मे मजबूत वापसी की लेकिन वह महज एक शाट से अमेरिकी एमेच्योर चैम्पियनशिप के मैच प्ले के लिए क्वालीफाई करने से चूक गई। मंगलवार को आए तूफान के कारण बुधवार को दूसरा दौर देर से शुरू और काफी मुश्किल हालात मे खेला गया। कोर्स काफी सख्त था जिससे केवल सात खिलाड़ी ही 36 होल के बाद अंडर पार का स्कोर बना सकी। भारत की युवा गोल्फर अनिका सैक्रामेंटो मे बसी है और अमेरिकी महिला एमेच्योर चैम्पियनशिप मे खेलने वाली पहली भारतीय है। उन्होंने दूसरे दौर मे चार ओवर 76 का कार्ड खेला जिससे उनका कुल स्कोर सात ओवर 151 रहा।

बीसीसीआई, सीए में होगी टी20 विश्व कप बदलने पर चर्चा

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की शुक्रवार को होने वाली बोर्ड बैठक के दौरान वर्चुअल मंच पर अगले दो साल में दो टी20 विश्व कप की मेजबानी पर चर्चा करेंगे। आईसीसी के अगले अध्यक्ष पद पर दो बोर्डों के रूख से भी यह फैसला प्रभावित होगा। अध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया की औपचारिक घोषणा की जानी बाकी है। उम्मीद है कि बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह के साथ सीए के अर्ल एडिंग्स और निक हॉकले 2021 और 2022 चरण की मेजबानी को लेकर आम सहमति पर पहुंच जाएंगे। आईसीसी बोर्ड सदस्य ने नाम नहीं बताने की शर्त पर पीटीआई से कहा, बैठक का मुख्य एजेंडा आईसीसी टूर्नामेंट के शेड्यल को लेकर है जिसमें महिलाओं का अगले साल के शुरू में वनडे विश्व कप भी शामिल है। उम्मीद है कि कुछ फैसले लिए जाएंगे। इस साल 18 अक्टूबर से आस्ट्रेलिया में आईसीसी विश्व टी20 का आयोजन किया जाना था लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया जिससे इंडियन प्रीमियर लीग के आयोजन को लेकर रास्ता साफ हुआ जो संयुक्त अरब अमीरात में 19 सितंबर से शुरू होगी। उम्मीद है कि सीए अक्टूबर 2021 में टी20 विश्व कप की मेजबानी करना चाहेगा क्योंकि उसने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं और वह दो साल तक इंतजार नहीं करना चाहेगा लेकिन बीसीसीआई भी 2021 में टूर्नामेंट की मेजबानी के अपने अधिकार को छोड़ना नहीं चाहेगा। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने कहा, बीसीसीआई को 2021 में टी20 विश्व कप की मेजबानी करनी थी और वे इसे ऐसे ही करना चाहेंगे। एक अन्य कारण है कि 2022 में टी20 विश्व की मेजबानी के महज एक साल के अंदर 50 ओवर के वैश्विक टूर्नामेंट की मेजबानी। यह बहुत मुश्किल होगा। हालांकि सीए के पक्ष में कुछ चीजें हैं। उन्होंने कहा, आईसीसी की वेबसाइट का कहना है कि जिन्होंने आस्ट्रेलिया विश्व टी20 के लिए मैच के टिकट बुक कर लिए हैं, वे अगली घोषणा तक इंतजार करें। इसका कारण है कि सीए अगले साल टूर्नामेंट की मेजबानी करना चाहता है। पता चला है कि आठ टीमों के महिला वनडे विश्व कप के कार्यक्रम के अनुसार फरवरी-मार्च 2021 में न्यूजीलैंड में आयोजित होने का पूरा मौका है। हां, क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट अभी पूरा होना बाकी है क्योंकि प्रत्एक देश में कोविड-19 के हालात अलग हैं, यह आईसीसी के लिए सरदर्द होगा।

● आईसीसी बोर्ड बैठक आज

पहचान की अपील

अज्ञात

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक व्यक्ति नाम एवं पता नामालूम उम्र : 50-52 साल, कदः 5'7", रंग सांवला। पहचान के लिए दहिने हाथ पर दिल एवं मोर का टैटू बना है जिसने नीले एवं सफेद रंग की लाइनदार कमीज, सफेद गम्छा तथा पावों में काले रंग की प्लास्टिक चप्पल पहनी है जो दिनांक 29.07.2020 को किलोमीटर पोल नं. 11/12-14 पर डाउन लाइन, आर्मी कैम्प की नजदीक, शकूर बस्ती रेलवे स्टेशन, दिल्ली में मृत पाया गया।

इस संदर्भ में **डीडी सं. 12-A दिनांक 29.07.2020 U/s 174 CrPC थाना सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन, दिल्ली** में दर्ज है।

यदि किसी भी व्यक्ति को इस मृत व्यक्ति के बारे में कोई भी जानकारी/सूचना हो तो निम्नलिखित को सूचित करने की कृपा करें।

थानाध्यक्ष,
थाना, सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन, दिल्ली
फोनः 011-28711697, 08750871308

DP/4433/RLY/2020

मैनचेस्टर यूनाईटेड और इंटर मिलान यूरोपा लीग के क्वार्टर फाइनल में

भाषा। गेलसेनकिरचेन (जर्मनी)

मैनचेस्टर यूनाईटेड और इंटर मिलान ने अपने अपने मुकाबले जीतकर यूरोपा लीग क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जिसके साथ कोरोना वायरस महामारी के बीच खाली स्टेडियम में महाद्वीपीय फुटबॉल की वापसी हुई। यूनाईटेड ने बुधवार को लास्क लिंज को 2-। से हराकर आस्ट्रिया के क्लब के खिलाफ कुल 7-। के अंतर से जीत दर्ज की।

इस मुकाबले का पहला चरण पांच महीने पहले खेला गया था। लास्क ने 55वें मिनट में फिलिप वीसिंगर के गोल से बढ़त बनाई लेकिन दो मिनट बाद जेसी लिंगार्ड ने यूनाईटेड को बराबरी दिला दी। एंथोनी मार्शल ने 88वें मिनट में यूनाईटेड की ओर से एक और गोल दागकर टीम की 2-। से जीत सुनिश्चत की। इंटर मिलान ने रोमेलु लुकाकु और क्रिस्टयन एरिकसेन के गोल से गेटाफे को 2-0 से हराया।

PUBLIC NOTICE

We inform you that Mr. Devender who was working in KBS TRAVELS handling Passports and other Services. He was working since last 5 years in KBS TRAVELS. Now Mr. Devender Kumar is left on 29.07.2020 from our organization. If any types of dealing with him. KBS TRAVELS is not responsible for any types of dealing.

Sd/-
Director
KBS TRAVELS
(A Unit Group of KBSantosh Travels Pvt. Ltd.)

PUBLIC NOTICE

I, hereby inform to the Public at large that my Clients (1) Shri Kamlesh Kumar Jain S/o Shri Om Prakash Jain & (2) Mrs. Shashi Jain W/o Shri Kamlesh Kumar Jain both R/o KP-300, 3rd Floor, Pitampura, Delhi, have severed off / disconnected all their relations / connections with their son Shri Anu Jain and his wife Mrs. Dipika Jain, and have debarred / disowned them from their all moveable & immovable properties. If anybody deals with them, he / she shall be fully responsible for all future consequences.

Niranjan Singh Tomar (Advocate)
En. No. D-1543/2008

LOST AND FOUND

The following Cover Notes issued by The Oriental Insurance Co Ltd to Sh Rajiv Sharma ex-Incharge BC RK Puram New Delhi. Motor department -376516, 522035, 522052, 669791, 522036, 522054,716482, 522037, 522073, 669593 TO 669600, 522047, 522074, 504191, 522048, 522075, 504194 ,522049, 572086, 522182, 522050, 624211 TO 624225, 522192, 522310, 522197, 522034. Fire department -11-273451 to 273475. Misc department-48-791876 to 791900,48-791901 to 791925 ,48-791926 to 791950.The company is not responsible for any type of liabilities, arising from the issuance of these unused/lost cover Notes. Finders of these cover notes Please Contact : Sr. Divisional Manager, **The Oriental Ins.Co.Ltd D.O.No 15, G-8, NDSE part I,New Delhi-110049 Tel No:011-24651386, 24624190**

प्रीमियम मर्चेण्ट्स लिमिटेड

पंजी. कार्यालय : ओमैक्स स्क्वायर, प्लॉट नंबर 14, 5वां तल, जासोला जिला केन्द्र, जासोला, नई दिल्ली-110025
सीआईएन : एल51909डीएल1985पीएलसी021077, फोन : +91 11-61119658
ई-मेल आईडी : **premiummerchants123@gmail.com,** वेबसाइट : **www.pmltd.in**

30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही हेतु अलेखापरीक्षित परिणामों का संक्षिप्त विवरण

(रू. लाख में)

क्र. स.	विवरण	तिमाही समाप्त 30.06.2020	तिमाही समाप्त 31.03.2020	तिमाही समाप्त 30.06.2019	वर्ष समाप्त 31.03.2020
1	परिचालन से कुल आय	15.06	(3.95)	2.40	50.71
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों से पहले)	13.43	(25.03)	(2.81)	23.95
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर से पहले (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	13.43	(25.03)	(2.81)	23.95
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पश्चात (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	10.04	(17.99)	(0.36)	27.30
5	अवधि हेतु कुल समावेशी आय [जिसमें अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) शामिल है]	14.12	(818.64)	6.77	(773.35)
6	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रू. 10 प्रत्येक)	99.80	99.80	99.80	99.80
7	संचेय (पुनर्मूल्यन संचेय छोड़कर) जैसाकि लेखावर्ष 2019-20 तथा 2019-20 के लेखापरीक्षित तुलनपत्र में दर्शाया गया है।	-	-	-	5,828.99
8	प्रति शेयर अर्जन (रू.) (अंकित मूल्य रू. 10/- प्रत्येक)				
	1. मूल	1.01	(1.80)	(0.04)	2.74
	2. तनुकृत	1.01	(1.80)	(0.04)	2.74

नोट :-
1) उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षा) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्ज में प्रस्तुत किए गए अलेखापरीक्षित परिणामों के विस्तृत प्रारूप का संक्षिप्त विवरण है। अलेखापरीक्षित परिणामों का पूर्ण प्रारूप कम्पनी की वेबसाइट **www.pmltd.com** (नवीनीकरण की प्रक्रियाधीन) पर तथा स्टॉक एक्सचेन्ज की वेबसाइट **www.msei.in** पर उपलब्ध है।
2) विस्तृत लेखापरीक्षित परिणाम तथा यह संक्षिप्त विवरण लेखापरीक्षा समिति द्वारा पुनरीक्षित और निदेशक मंडल द्वारा दिनांक 06-08-2020 को आयोजित उनकी बैठक में अनुमोदित किए गए थे।

बोर्ड के आदेश द्वारा
वास्ते प्रीमियम मर्चेण्ट्स लिमिटेड
हस्ता./-
बलबीर सिंह
निदेशक
डीआईएन : 00027438

तिथि : 06-08-2020
स्थान : नई दिल्ली

मौद्रिक समीक्षा के बाद सेंसेक्स 362 अंक चढ़ा

● आईटी शेयर चमके

भाषा। मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दरों से छेड़छाड़ नहीं करने तथा वृद्धि को प्रोत्साहन के लिए नरम रुख को जारी रखने का संकेत देने के बाद बृहस्पतिवार को सेंसेक्स 362 अंक चढ़ गया। वहीं निफ्टी 11,200 अंक के स्तर पर पहुंच गया। केंद्रीय बैंक ने बैंकों को कुछ कॉरपोरेट और व्यक्तिगत ऋणों के पुनर्गठन की अनुमति दी है। साथ ही उसने आगाह किया है कि कोविड-19 संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी से अर्थव्यवस्था के नीचे की ओर जाने का जोखिम है। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स दिन में कारोबार के दौरान एक समय 558 अंक तक चढ़ गया था। अंत में यह 362.12 अंक या 0.96 प्रतिशत की बढ़त के साथ 38,025.45 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 98.50 अंक या 0.89 प्रतिशत की बढ़त के साथ 11,200 अंक के पार 11,200.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील का शेयर सबसे अधिक 3.82 प्रतिशत चढ़ गया। इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, टीसीएस, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक और टेक महिंद्रा के शेयर भी लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर भारती एयरटेल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एलएंडटी तथा एक्सिस बैंक के शेयर 0.75 प्रतिशत तक टूट गए। विभिन्न वर्ग के सूचकांकों में ब्याज दरों की दृष्टि से संवेदनशील बैंकिंग, रीयल्टी और वाहन 1.15 प्रतिशत तक चढ़ गए। इससे पहले दिन में रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास की अगुवाई वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किया और इसे चार प्रतिशत पर कायम रखा। इसी तरह रिवर्स रेपो दर को 3.35 प्रतिशत पर बरकरार रखा। दास ने कहा कि एमपीसी ने ब्याज दरों में बदलाव नहीं करने के पक्ष मत दिया। साथ ही वृद्धि को समर्थन के लिए नरम रुख जारी रखने पर भी सहमति बनी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति में टिकाऊ कमी को लेकर निगरानी रखेगा ताकि इससे उपलब्ध गुंजाइश का इस्तेमाल अर्थव्यवस्था के पुनरोद्धार को समर्थन देने के लिए किया जा सके। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, भारतीय बाजार दिन के उच्चस्तर से नीचे आए, लेकिन उतार-चढ़ाव वाले कारोबार के बीच लाभ में बंद हुए। रिजर्व बैंक की ब्याज दर परिदृश्य को लेकर टिप्पणी से बाजार में लाभ रहा। हालांकि, ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद जरूर थी, लेकिन मुद्रास्फीति बढ़ने की वजह से केंद्रीय बैंक ने इसमें बदलाव नहीं किया।

रुपया 74.94 प्रति डॉलर पर पूर्ववत बंद

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैक द्वारा नीतिगत ब्याज दर को यथावत रखे जाने के बाद बृहस्पतिवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 74.94 पर पूर्ववत बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार मे सुबह रुपया 74.82 पर मजबूत खुला। दिन के कारोबार के दौरान यह मजबूती कायम नही रह सकी और अंत मे रुपया 74.94 प्रति डॉलर पर अपरिवर्तित रुख लिए बंद हुआ। कारोबार के दौरान विनिमय दर 74.77-74.96 रुपए प्रति डालर के बीच ऊपर नीचे होती रही। रिजर्वबैंक ने बृहस्पतिवार को रेपो दर चार प्रतिशत वार्षिक पर अपरिवर्तित रखा ताकि मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने मे मदद मिले। तीस शेयरो पर आधारित बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स अंत मे 362.12 अंक की तेजी के साथ 38,025.45 अंक पर बंद हुआ।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Dhiraj Singh Negi S/o Dhruv Singh Negi R/o House No. 1777-A, Gali No.54-B, Molar Band Extn. Badarpur New Delhi -110044, have changed my name Dhiraj Singh to Dhiraj Singh Negi.

PD(8706)A

कोविड-19 महामारी का लंबा खिंचना अर्थव्यवस्था के लिए जोखिमः आरबीआई

मुंबई। रिवर्ज बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बृहस्पतिवार को आगाह करते हुए कहा कि कोविड-19 महामारी का संक्रमण लम्बे समय तक खिंचा तो उससे घरेलू अर्थव्यवस्था की हालत और खराब हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्रीय बैंक आर्थिक वृद्धि में तेजी लाने के लिए उपलब्ध मौद्रिक गुंजाइश का विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग करेगा। गवर्नर ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा के दौरान कहा कि हालांकि चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि नकारात्मक रहेगी लेकिन महामारी पर पहले काबू पा लिया गया तो उसका अर्थव्यवस्था पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा। एमपीसी ने कहा कि कठिन वैश्विक माहौल में अर्थव्यवस्था काफी दबाव में है। परिदृश्य को लेकर व्यापक अनिश्चितता है जो महामारी की तीव्रता, उसके फैलाव और अवधि तथा टीके की खोज पर निर्भर है। आरबीआई ने यह भी कहा कि आर्थिक वृद्धि को फिर से पटरी पर लाने, कोविड-19 के प्रभाव को कम करने के लिए जब तक जरूरी समझा जाएगा मौद्रिक नीति के रुख को नरम बनाए रखा जाएगा। गवर्नर ने कहा, एमपीसी ने यह रेखांकित किया कि इस अभूतपूर्व दबाव के परिवेश में अर्थव्यवस्था के पुनरूद्धार को समर्थन देना मौद्रिक नीति के लिए महत्वपूर्ण है।

GULSHAN POLYOLS LIMITED
CIN:L24231UP2000PLC034918
Regd. Off: 9th K.M., Jansath Road, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh
Ph.:0131-3201231, Fax: 0131- 2661378, website: www.gulshanindia.com

Extract of Un-Audited Financial Results for the Quarter ended 30th, June 2020

FINANCIAL HIGHLIGHTS Q1 FY 2020-21

Sl. No	Particulars	Quarter ended 30.06.2020 (Unaudited)	Quarter ended 31.03.2020 (Audited)	Quarter ended 30.06.2019 (Unaudited)	Year ended 31.03.2020 (Audited)
1	Total income from Operations	12103.56	13,553.90	16906.33	62174.49
2	Net Profit/ (Loss) for the period (Before Tax, Exceptional and / or Extraordinary Items)	718.78	336.15	978.16	2742.22
3	Net Profit/ (Loss) for the period Before Tax (After Exceptional and / or Extraordinary Items)	718.78	336.15	978.16	2742.22
4	Net Profit/ (Loss) for the period After Tax (After Exceptional and / or Extraordinary Items)	518.17	278.20	728.94	2058.40
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period) (After Tax) and other Comprehensive Income (After Tax)]	518.17	259.19	728.94	2039.39
6	Paid-up equity share capital (Face Value of Rs. 1/- each)	469.17	469.17	469.17	469.17
7	Reserves Excluding Revaluation Reserve	-	-	-	30059.90
8	Earnings Per Share for Continuing and Discontinued Opreations (Before & After Extraordinary Items) (Face Value of Rs. 1/-each)				
	Basic	1.10	0.59	1.55	4.39
	Diluted	1.10	0.59	1.55	4.39

NOTES :-
1 The Auditor has conducted Limited Review of these Financial Results. The results were reviewed by the Audit Committee. The Board of Directors has taken on record the financial results at its meeting held on August 06, 2020.
2 The statement has been prepared in accordance with the Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2015 (IND -AS) prerscribed under Section 133 of the Comapanies Act, 2013 and other recognised accounting practices and policies to the extent applicable.
3 The Company's operations and financial results for the quarter ended June 30, 2020 have been adversely impacted by the outbreak of COVID-19 pandemic and the consequent lockdown announced by the Government of India due to which the operations were suspended for part of the quarter and gradually resumed with requisite precautions. The results for the quarter are, therefore, not comparable with those for the previous quarters.
4 Figures for the previous period have been regrouped/ rearranged wherever necessary to make them comparable with current figure.

For and on behalf of the Board
Sd/-
Dr. C. K. Jain
Chairman and Managing Director

Date : 06th August, 2020
Place : New Delhi

दुनिया के कई देश लेबनान की मदद के लिए आगे आए

एपी। पेरिस

लेबनान की राजधानी बेरूत में भयानक विस्फोट के बाद जहां बचाव अभियान में जुटे कर्मी शवों की गिनती और मलबों में जिंदा लोगों की तलाश में जुटे हैं, वहीं कई देशों ने संकटग्रस्त देश की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है।

लेबनान पहले से ही आर्थिक संकट से गुजर रहा है और इस संकट में उसकी मुश्किल को और बढ़ा दिया है। इस विस्फोट से कम से कम 135 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों घायल हैं। ऑस्ट्रेलिया से लेकर इंडोनेशिया और यूरोप से लेकर अमेरिका तक सहायता पहुंचाने और तलाश दल को भेजने के लिए तैयार हैं। फ्रांस और लेबनान के बीच विशेष संबंधों को प्रदर्शित करते हुए फ्रांसीसी राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों बृहस्पतिवार को लेबनान का दौरा करने वाले हैं। पेरिस ने बुधवार को विशेषजों, बचाव कर्मी और जरूरी आपूर्ति की दो खेप भेजी।

वहीं, यूरोपीय संघ अपने नागरिक बचाव तंत्र का इस्तेमाल करके आपात कर्मियों और उपकरणों को भेज रहा है।

संघ के आयोग ने कहा कि उसकी योजना तत्काल वाहनों के साथ 100 दमकल कर्मियों, खोजी कुत्ते और उपकरण भेजने की है, ताकि शहरी क्षेत्र में फंसे लोगों का पता लगाया जा सके। चेक रिपब्लिक, जर्मनी, ग्रीस, पोलैंड और नीदरलैंड भी सहयोग के लिए आए हैं और कई अन्य देश में भी इस प्रयास में जुट सकते हैं।

साइप्रस भी बचाव कर्मियों का दल और खोजी कुत्ते भेज रहा है। रूस ने मोबाइल अस्पताल स्थापित किए हैं और 50 आपातकर्मी और चिकित्सा कर्मियों को भेजा है। इसके अलावा रूस के तीन और विमान अगले 24 घंटे में लेबनान पहुंचने वाले हैं।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने शुरुआत में 20 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की मदद लेबनान को देने का संकल्प लिया है, ताकि राहत कार्य में सहायता पहुंचाई जा सके।प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से कहा कि यह सहायता विश्व खाद्य कार्यक्रम और खाद्य, देखभाल और जरूरी सामान के लिए रेड क्रॉस को दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनका देश अन्य खेप पर विचार कर रहा है।

बेरूत विस्फोटः लापरवाही के संबंध में हो रही है जांच

बेरूत। लेबनान की राजधानी बेरूत में हुए भयानक विस्फोट मामले के जांचकर्ता बंदरगाह के मालगोदाम में विस्फोटक पदार्थ रखे जाने में संभावित लापरवाही की जांच कर रहे हैं और सरकार ने बंदरगाह के कई अधिकारियों को नजरबंद करने के आदेश दिए हैं।लेबनान के नेता इस व्यापक क्षति से निपटने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस भीषण विस्फोट के कारण अब तक 135 लोगों की मौत हो चुकी है और 5,000 से ज्यादा घायल है। लोगों का गुस्सा सत्तारूढ़ उच्चवर्ग के खिलाफ बढ़ गया है। उनका मानना है कि लगातार कुप्रबंधन और लापरवाही की वजह से यह हादसा हुआ। बेरूत का बंदरगाह और राजस्व कार्यालय लेबनान की सबसे भ्रष्ट संस्थाओं के रूप में कुख्यात है। जांच इस पर केंद्रित है कि 2,750 टन अमोनियम नाइट्रेट छह वर्षों से कैसे यहां जमा होता रहा और इसके बारे में कुछ क्यों नहीं किया गया। यह एक उच्च विस्फोटक रसायन है जिसका इस्तेमाल उर्वरकों में किया जाता है। बेरूत के गवर्नर मरवान अबौद ने सऊद्दी के मालिकाना हक वाले टीवी स्टेशन अल-हदात को बताया कि इस विस्फोट से 10 अरब डॉलर से लेकर 14 अरब डॉलर तक का नुकसान हुआ है और करीब 3,00,000 लोग बेघर हो गए हैं।वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि लेबनान में हुआ विस्फोट जानबूझकर किया गया हमला हो सकता है। हालांकि लेबनान के अधिकारी और उसके रक्षा प्रमुख कह चुके हैं कि यह एक हादसा प्रतीत होता है। ट्रंप ने जोर दिया, जो भी हुआ, वह भयानक है, लेकिन वे नहीं जानते हैं कि यह क्या है। ट्रंप ने मंगलवार को कहा था कि यह एक भयानक हमला है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी जनरल ने उन्हें बताया कि यह एक बम की वजह से हुआ होगा। ट्रंप ने कहा, वे इसे हमले के रूप में देखते हैं।

लेबनान की राजधानी में धमाके के बाद धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हालात

बेरूत। लेबनान की राजधानी बेरूत में भीषण धमाके के बाद अब धीरे-धीरे हालत सामान्य हो रहे हैं। सेना के बुल्डोजर सड़क यातायात फिर से शुरु करने के लिए तबाह हो चुके बंदरगाह के मलबे को साफ करने में जुटे हैं। इससे पहले बुधवार को सरकार ने धमाके की जांच कराने का वादा करते हुए बंदरगाह के अधिकारियों को घर में नजरबंद कर दिया। बेरूत में मंगलवार को एक बंदरगाह में अमोनियम नाइट्रेट में आग लगने के बाद हुए धमाके में कम से कम 135 लोगों की मौत हो गई जबकि पांच हजार से अधिक लोग घायल हो गए।

फ्रांस के राष्ट्रपति एमेनुएल मैक्रों के बृहस्पतिवार को लेबनान पहुंचने की उम्मीद है।पहले ही गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे लेबनान को इस धमाके ने झकझोर कर रख दिया है। अब वह फिर से खड़ा होने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ओर से मदद की उम्मीद कर रहा है।

विस्फोट के बाद हम आपके साथ हैं यह जताने के लिए बेरूत पहुंचे मैक्रों

बेरुत। बेरुत के बंदरगाह पर हुए विस्फोट के बाद फ्रांस उनके साथ खड़ा है यह जताने के लिए राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों यहां आए हैं। फ्रांस और अन्य देशों ने आपात सहायता और खोज एवं बचाव दलों को यहां भेजा है। लेकिन पहले से ही गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे लेबनान को वापस खड़े करने के लिए बड़ी अंतरराष्ट्रीय मदद की जरुरत होगी। विस्फोट में कम से कम 135 लोग मारे गए हैं, हजारों की संख्या में लोग घायल हैं और बेरुत का बंदरगाह बर्बाद हो गया है।गौरतलब है कि सरकार ने बुधवार को बंदरगाह के सभी अधिकारियों को नजरबंद कर दिया और इस भीषण विस्फोट की जांच के आदेश दिए। वहीं बृहस्पतिवार को लेबनान की सेना ने अपने बुलडोजरों की मदद से मलबे को हटाया और बंदरगाह तबाह होने के कारण अवरुद्ध हो गई सड़कों को खोला। विस्फोट मंगलवार को हुआ था। ऐसा लग रहा है कि दुर्घटनावश लगी आग के कारण बंदरगाह पर रखे अमोनियम नाइट्रेट के जखीरे में विस्फोट हो गया और बंदरगाह पूरी तरह तबाह हो गया।

लेबनान की राजधानी बेरूत में मंगलवार को हुए भीषण विस्फोट वाले स्थान पर सेना के जवान गश्त करते हुए

शराब छुड़ाने वाली दवा से कोविड-19 से लड़ने में मदद मिल सकती है : अध्ययन

भाषा। मॉस्को

शराब की लत छुड़ाने वाली दवा डाइसलफिराम के उपयोग से सार्स-कोव-2 से निजात पाने में मदद मिल सकती है। यह जानकारी एक नए अनुसंधान में सामने आई है।रूस में नेशनल रिसर्च यूनिवर्सिटी हायर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (एचएसई) के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि संभावित इलाज के लिए कोरोना वायरस के संरचनामत्मक तत्वों को चुना जाना चाहिए जिनमें विकास के दौरान परिवर्तन की संभावना कम हो।उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं करने पर एक प्रकार (स्ट्रेन) के खिलाफ जो दवा प्रभावी होगी वह दूसरे के खिलाफ प्रभावी नहीं रह जाएगी।मेंदिलिव कम्युनिकेशंस पत्रिका में छपे अध्ययन के मुताबिक इसके लिए सार्स- कोव-2 वायरस के मुख्य प्रोटीज एम प्रो सबसे प्रभावी प्रोटीन हैं।अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि उत्परिवर्तन के प्रतिरोधी होने के अलावा एम प्रो कोरोना वायरस को रोकने में भी बड़ी भूमिका निभाता है जिसका मतलब है कि इसका अवरोध शरीर के अंदर वायरस को कमजोर करने या इसे पूरी तरह रोकने में सक्षम है। संभावित दवाओं को अमेरिकी खाद्य एवं दवा प्रशासन (एडीए) की तरफ से मंजूर दवाओं के डेटाबेस से लिया गया।अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि शराब की लत छुड़ाने वाली दवा डाइसलफिराम सार्स कोव-2 से दो तरीके से लड़ता है।उन्होंने कहा कि पहला यह सह अवरोधक है और दूसरा यह कोविड-19 के लक्षणों को भी रोकता है जैसे यह घटे ग्लूटाथियोन को रोकने में काफी मदद करता है जो एक महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट है।

क्विक न्यूज

सैंकड़ों लोगों के साथ धोखाधड़ी की साजिश में शामिल रहने पर भारतीय नागरिक को जेल

वाशिंगटन। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने एक भारतीय नागरिक को 200 लोगों के साथ कम से कम।,50,000 डॉलर की धोखाधड़ी में शामिल रहने के जुर्म में एक साल से अधिक समय तक जेल की सजा सुनाई है।अदालत के दस्तावेज के अनुसार, 29 वर्षीय अनिकखान यूसुफ खान पठान ने भारत में रहने वाले कुछ लोगों के साथ मिलकर अमेरिका में रहने वाले 200 लोगों के साथ धोखाधड़ी करने की साजिश रची। पठान अमेरिका में छात्र वीजा पर रह रहा है। पूर्वी वर्जीनिया जिले के अटॉर्नी ने बुधवार को कहा, पठान ने एक ऐसी धोखाधड़ी में भूमिका निभाई, जिससे 200 मेहनती अमेरिकी लोगों के साथ ठगी हुई। साजिश रचने वालों ने उन लोगों को निशाना बनाया था, जिन्होंने हाल ही में बैक ऋण के लिए आवेदन दिया था।

पोलैंड के अनुदारवादी नेता ने दूसरी बार राष्ट्रपति पद की शपथ ली

वारसा। पोलैंड के अनुदारवादी राष्ट्रपति आंद्रजेइ दुदा ने संसद सदस्यों के समक्ष दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली। इस कार्यक्रम में ज्यादातर विपक्षी सांसदों और कुछ पूर्व नेताओं ने भाग नही लिया। उनका आरोप है कि दुदा ने अपने कार्यकाल में संविधान की अवहेलना की। विपक्ष का आरोप है कि राष्ट्रपति ने सत्तारूढ़ दक्षिणपंथी पार्टी की नीतियों को पूरी तरह से स्वीकार कर लिया है। दुदा ने 12 जुलाई को हुए चुनाव में उदारवादी नेता और वारसा के महापौर रफाल त्रजास्कोव्स्की को पराजित किया था।

मॉडर्ना का टीका कोविड-19 से चूहों की रक्षा करने में कामयाब

वाशिंगटन। अमेरिका की जैव प्रौद्योगिकी कंपनी मॉडर्ना द्वारा विकसित टीका चूहों की सार्स कोव-2 संक्रमण से रक्षा करने में कामयाब रहा। यही विषाणु कोविड-19 की वजह है। पत्रिका नेचर में बुधवार को प्रकाशित एक अनुसंधान रिपोर्ट के अनुसार एमआरएनए-1273 नाम के टीके ने चूहों में विषाणु को निष्क्रिय करने वाली एंटीबॉडीज उत्पन्न कर दीं। चूहों को एक माइक्रोग्राम के दो इंट्रामस्क्युलर इंजेक्शन दिए गए थे।अतिरिक्त प्रयोग करने पर पाया गया कि चूहों को एमआरएनए-1273 का एक एमसीजी या 10 एमसीजी टीका देने पर फेफड़े को संक्रमण से सुरक्षा मिली।अध्ययन में पाया गया कि इस टीके ने चूहों में मजबूत सीडी8 टी-कोशिका प्रतिक्रिया भी पैदा की।

पाकिस्तान में कोविड-19 के 727 नए मामले

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बृहस्पतिवार को कोविड-19 के 727 नए मामले सामने आए जिसके बाद देश में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 2,81,863 हो गए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बताया कि बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस से 21 और लोगों की जान चली गई। इसके बाद कोविड-19 से जान गंवाने वालों का आंकड़ा 6,035 हो गया है। सिंध प्रांत में कोविड-19 के 1,21,373 मामले हैं, जबकि पंजाब प्रांत में 93,847, खैबर-पख्तूनख्वा में 34,359, इस्लामाबाद में 15,144, बलूचिस्तान में 11,793, गिलगित-बाल्तिस्तान में 2,234 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 2,116 मामले हैं।देश में पिछले 24 घंटे में 15001 नमूनों की जांच की गई है। अबतक कुल 20,58,872 नमूनों की जांच की जा चुकी है। स्थिति में सुधार को देखते हुए शिक्षा मंत्री शफाकत महमूद ने बुधवार को घोषणा की कि अगर सब कुछ ठीक रहा तो सभी शैक्षणिक संस्थान 15 सितंबर से फिर से खुलेंगे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार यदि सब कुछ ठीक रहा तो अधिकारी आने वाले सप्ताह में मैरिज हॉल, पार्कों और रेस्तरां को फिर से खोलने की योजना बना रहे हैं।

कोविड-19ः जापान के ऐची प्रांत में आपात स्थिति घोषित

तोक्यो। जापान के ऐची प्रांत में कोरोना वायरस महामारी पर नियंत्रण के लिए गवर्नर ने आपात स्थिति की घोषणा की है।गवर्नर हिदेआकी ओहमुरा ने बृहस्पतिवार को कारोबारियों से प्रतिष्ठानों को पूरी तरह से बंद करने या फिर काम सीमित समय तक करने के लिए कहा है और लोगों से अपील की है कि वह रात में घर में ही रहें। यह कदम 24 अगस्त तक प्रभावी रहेगा, यह एक ऐसी अवधि है जब लोग अबोन की छुट्टियां मनाते हैं और सामान्य तौर पर स्कूल और कई कंपनियां बंद ही रहती हैं। ऐची में नागोया क्षेत्र भी शामिल है जहां टयोटा मोटर कॉर्प का मुख्यालय है। गवर्नर ने कहा कि ऐची में मध्य जुलाई से एक दिन में 100 या उससे ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। इससे पहले यहां लंबी अवधि तक एक भी मामला सामने नही आया था। जापान में संक्रमण के करीब 42,700 मामले है और करीब 1,000 लोगों की मौत हो चुकी है।

श्रीलंका चुनाव : शुरुआती परिणाम में राजपक्षे की पार्टी भारी जीत की ओर

भाषा। कोलंबो

श्रीलंका के प्रभावशाली राजपक्षे परिवार द्वारा नियंत्रित श्रीलंका पीपुल्स पार्टी (एसएलपीपी) बृहस्पतिवार को घोषित किए गए शुरुआती परिणामों के अनुसार संसदीय चुनाव में भारी जीत की ओर अग्रसर है।सिंहली बहुल दक्षिण क्षेत्र से अब तक पांच परिणामों की घोषणा की गई है। इनमें एसएलपीपी को 60 प्रतिशत से अधिक मत मिले हैं। एसएलपीपी की निकटतम प्रतिद्वंद्वी एक नई पार्टी है जिसकी स्थापना सजीथ प्रेमदासा ने की है। प्रेमदासा ने अपनी मूल पार्टी यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) से अलग होकर नई पार्टी बनाई है। चुनाव परिणामों के अनुसार यूएनपी चौथे स्थान पर है।आधिकारिक परिणामों से पता चलता है कि मार्क्सवादी जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) ने भी यूएनपी की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है।तमिल बहुल उत्तर क्षेत्र में, मुख्य तमिल पार्टी को जाफना में एक क्षेत्र में जीत मिली है जबकि राजपक्षे की सहयोगी ईलम पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (ईपीडीपी) ने जाफना जिले के एक अन्य क्षेत्र में तमिल नेशनल एलायंस (टीएनए) को हराया है। मतदान बुधवार को हुआ था। मतों की गिनती सुबह शुरू हुई। मतों की गिनती शुरू होते ही एसएलपीपी के संस्थापक बेसिल राजपक्षे ने कहा कि पार्टी नई सरकार बनाने के लिए तैयार है। विश्लेषकों के अनुसार एसएलपीपी 225 सदस्ईय संसद में आराम से बहुमत हासिल कर लेगी। बेसिल राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे के छोटे भाई हैं। प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे उनके सबसे बड़े भाई हैं। राष्ट्रपति को उम्मीद है कि एसएलपीपी को दो-तिहाई बहुमत मिलेगा। इससे वह संविधान में संशोधन करते हुए राष्ट्रपति पद की शक्तियों को बहाल कर सकेंगे। 2015 में संविधान में संशोधन करते हुए राष्ट्रपति के अधिकारों में कटौती की गई थी।

दक्षिण कोरिया में भारी बारिश के बाद बस में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाते बचाव कर्मी

अमेरिका के साथ भारत की सामरिक साझेदारी आने वाले दौर में महत्वपूर्ण होगी : संधू

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि चूंकि भारत अपनी स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मनाने के करीब पहुंच रहा है, ऐसे में अमेरिका के साथ उसकी सामरिक भागीदारी की ताकत आने वाले दौर में महत्वपूर्ण होगी।

उन्होंने कहा कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनाने के करीब पहुंचने पर भारत निरंतर राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया में लगा है, व्यक्तिगत आजादी का विस्तार कर रहा है और साथ ही आर्थिक एवं राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ रहा है।संधू ने न्यूजवीक पत्रिका में बुधवार को लिखे संपादकीय में कहा कि अमेरिका के साथ भारत की स्वाभाविक साझेदारी ताकत का स्रोत होगी।उन्होंने कहा, भारत के हमारे लोकतंत्र की 75वें साल की ओर बढ़ने के साथ हम अपने संस्थापकों की प्रतिभा को याद करते हैं जिनमें से कई अमेरिकी संविधान के आदर्शों से प्रेरित थे। संधू ने कहा, वह क्षण अंत नहीं था, बल्कि राष्ट्र निर्माण की निरंतर प्रक्रिया, व्यक्तिगत आजादी के विस्तार और भारत के आर्थिक, सामाजिक तथा राजनीतिक सशक्तिकरण की शुरुआत था। इस प्रतिबद्धता को दोहराते हुए भारत की अमेरिका के साथ स्वाभाविक साझेदारी ताकत का स्रोत बनेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ भारत की सामरिक साझेदारी की ताकत आने वाले दौर में महत्वपूर्ण होगी।उन्होंने कहा, महामारी के दौरान हमने चिकित्सकीय सामान की कमी या एक देश पर निर्भरता के दबाव के तहत अपने उत्पादों की आपूर्ति बनाए रखने के लिए एक साथ मिलकर काम किया। भारतीय राजदूत ने कहा कि जिम्मेदार दवा निर्माता होने के नाते भारत ने चिकित्सा आपूर्ति श्रृंखला खुली रखी और यह सुनिश्चित किया कि भारत से आवश्यक दवाएं अमेरिका और अन्य साझेदार देशों तक पहुंचे।उन्होंने कहा कि जब दुनिया टीका विकसित करने की ओर बढ़ रही है तो भारत की अनुसंधान प्रयोगशालाएं और टीका निर्माण केंद्र वैश्विक प्रयासों का हिस्सा है।संधू ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत-अमेरिका साझेदारी इस संबंध की गहराई का उदाहरण है।

कोविड-19ः कारगर साबित हुई नई दवा आरएलएफ-100

ह्यूस्टन। अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में एक अस्पताल के डॉक्टरों ने आरएलएफ-100 नाम की नई दवा का इस्तेमाल किया है, जिससे गंभीर रूप से बीमार कोविड-19 के वे मरीज तेजी से स्वस्थ हुए जिन्हें सांस लेने में कठिनाई की शिकायत थी। इस दवा को एविप्टाडिल नाम से भी जाना जाता है।एफडीए ने आपात स्थिति में इस्तेमाल के लिए इस दवा को मंजूरी दे दी है।ह्यूस्टन मेथडिस्ट अस्पताल ने इस दवा के इस्तेमाल से वेंटीलेटर वाले मरीजों के तेजी से स्वस्थ होने की जानकारी दी है। न्यूरोएक्स और रिलीफ थेराप्यूटिक्स ने मिलकर इस दवा को विकसित किया है। दवा बनाने वाली कंपनी न्यूरोएक्स के एक बयान के अनुसार स्वतंत्र अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि एविप्टाडिल मानव फेफड़ों की कोशिकाओं और मोनोसाइट्स में सार्स कोरोना वायरस की प्रतिकृति बनने से रोकता है। रिपोर्ट के अनुसार कोविड-19 की चपेट में आया 54 वर्षीय व्यक्ति गंभीर रूप से बीमार होने के बाद इस दवा के इस्तेमाल से चार दिन के भीतर वेंटीलेटर से हट गया। इसके अलावा 15 से अधिक मरीजों पर भी इलाज के ऐसे ही नतीजे देखे गए।

कोविड-19 के दौरान चीन और अधिक आक्रामक बन गया, एलएसी पर तैनात की सेना : एस्पर

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने कहा कि दुनिया ने देखा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान चीन और अधिक आक्रामक बन गया। उन्होंने कहा कि चीन ने भारत के साथ लगने वाली वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों को तैनात किया है और वह जिस तरीके से व्यवहार कर रहा है, वह अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुरूप नहीं है। एस्पर ने कहा कि बीजिंग कोरोना वायरस त्रासदी का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने बुधवार को कहा, कोविड-19 संकट के दौरान पिछले सात महीनों में हमने देखा कि चीन और अधिक आक्रामक हो गया है। एस्पर ने कहा कि चीन अपने फायदे के लिए इस त्रासदी का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, चीन ने सच में बढ़-चढ़कर डींगें मारी है और हमने उन्हें दक्षिण चीन सागर में लगातार बलप्रयोग करते हुए देखा है। बीजिंग दक्षिण चीन सागर के करीब 13 लाख वर्ग मील के हिस्से पर अपना दावा जताता है। चीन क्षेत्र में कृत्रिम द्वीपों पर सैन्य अड्डे बना रहा है। इस क्षेत्र पर ब्रुनेई, मलेशिया, फिलीपीन, ताइवान और वियतनाम भी अपना दावा जताते हैं। एक सवाल के जवाब में एस्पर ने कहा कि चीन ने कुछ महीनों पहले वियतनाम की मछली पकड़ने की एक नौका को डुबो दिया था।उन्होंने कहा, उन्होंने भारत में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैनिकों को तैनात कर दिया। हमने उन्हें अंतरराष्ट्रीय नियमों के असंगत व्यवहार करते हुए देखा और हमारे कई सहयोगी एवं साझेदार अच्छी तरह से प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच चल रहे गतिरोध के बीच उन्होंने यह टिप्पणी की है।रक्षा मंत्री ने हुवावे को बाहर का रास्ता दिखाने के लिए ऑस्ट्रेलिया तथा ब्रिटेन की तारीफ की।उन्होंने कहा कि चीनी आक्रामकता से निपटने का सबसे अच्छा तरीका उसके खिलाफ बहुपक्षीय प्रयासों को बढ़ावा देना है।उन्होंने कहा कि चीन द्वारा पैदा खतरा क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक है।

'चीन की आक्रामकता के बीच भारत और अमेरिका के करीबी संबंध महत्वपूर्ण हैं'

वाशिंगटन। अमेरिका के दो शीर्ष सांसदों ने कहा है कि भारत के प्रति चीन की आक्रामकता के मद्देनजर अमेरिका और भारत के करीबी संबंध बहुत मायने रखते हैं।अमेरिका और भारत के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को द्विदलीय समर्थन दर्शाते हुए प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष एलियॉट एंगल एवं रैंकिंग सदस्य माइकल टी मैककॉल ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को लिखे पत्र में कहा कि दोनों दलों के सदस्य भारत एवं अमेरिका के बीच मजबूत संबंधों के 21वीं सदी पर मजबूत प्रभाव को समझते हैं।उन्होंने कहा, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल फरवरी में कहा था कि हमारे संबंध अब केवल साझेदारी नहीं हैं, बल्कि ए पहले से कहीं अधिक मजबूत एवं करीबी हैं। दोनों सांसदों ने कहा, ए मजबूत संबंध ऐसे समय में और अधिक महत्वपूर्ण हैं, जब भारत चीन के साथ लगती सीमा पर उसकी (चीन) आक्रामकता का सामना कर रहा है। चीन का यह व्यवहार हिंद प्रशांत में चीन सरकार के अवैध कदमों और उसकी आक्रामकता का हिस्सा है। पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच गतिरोध की स्थिति के बीच अमेरिकी सांसदों का यह बयान आया है। उन्होंने कहा, द्विपक्षीय संबंधों को हमारे समर्थन के साथ ही, हम इस बात पर चिंता जताते हैं कि जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने और उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाए जाने के बाद पिछले एक साल में वहां हालात सामान्य नहीं हुए हैं।

यूएई में शूटिंग हेतु वेब सीरीज़ 'सेवेंथ सेंस' की टीम रवाना

आर माधवन अपने कलाकारो को लेकर एक नई वेब सीरीज़ 'सेवेंथ सेंस' बनाने हेतु मुंबई से दुबई प्रस्थान कर चुके हैं।

इसमें उनकी टेक्निकल टीम, निर्देशक, सिनेमाटोग्राफर्स, प्रोडक्शन डिजाइनर्स, संगीत निर्देशक तथा गौरांग दोशी प्रोडक्शन्स के तत्वावधान में बन रही 'सेवेंथ सेंस' दुबई में बनेगी।

यूएई में ये निर्माता दो वेब सीरीज़ बनाएंगे। इनमें से ये वाली पहले बनेगी। इसमें आर माधवन जैसे अग्रणी पंक्ति के अभिनेता तथा रोनित रॉय, चंकी पांडे, अमीशा पटेल, प्रतीक बब्बर तथा तनुज वीरवानी आदि विविध भूमिकाएं निभा रहे हैं। ये बहुकलाकारों से भरी एक मर्डर मिस्ट्री होगी और आकर्षक होगी तभी तो दर्शक इसे मत्रमुग्ध रहते हुए देखेंगे। गौरांग ने बतायाख्'ये सीरीज़ न केवल आपको रहस्य तथा उत्साह से भर देगी अपितु एक नया इतिहास भी रचेगी।

इसके अलावा एक और वेब सीरीज़ 'लाइन ऑफ फायर' भी दो सीज़न में बनने जा रही है। इसमें भी प्रकाश राज, जिमी शेरगिल, मुहम्मद जीशान अयूब, तनुज वीरवानी तथा विजय राज और तनिष्ठा चटर्जी, कबीर सिंह, सना सईद, मनु ऋषि एवं तन्वी आज़मी आदि प्रमुख रहेंगे।

गौरांग ने बताया, 'फिल्म बनना प्रारंभ होते ही हम उत्साह और रहस्य से भर गए हैं। हम यूएई सरकार के भी कृतज्ञ हैं जिनके कारण सबकुछ सामान्य ढंग से निबट गया। इस सरकार ने कोरोना वायरस को सीमित रखने में भी सफलता पाई हैं और इस प्रकार वे विश्व के लिए एक आशा बनकर उभरे हैं वहां हमारी टीम हर प्रकार की सावधानी रखेगी।'

उन्होंने कहा, 'बॉलिवुड की यूएई में पूरी तरह से बनने वाली ये पहली फिल्म होगी। पांच माह के बाद इतने कलाकार एक साथ हैं यही एक कीर्तिमान लगता है। टीम शूटिंग प्रारंभ होने पर बेहद खुश है।

इन दोनों ही वेब सीरीज़ के कलाकार कुल मिलाकर 100 से अधिक हैं। सेवेंथ सेंस की टीम में भी एलीएवराम, आशिम गुलाटी, सना सईद, अहसास चन्ना, दिब्येंदु भट्टाचार्य, सज्जाद दिलफरोज़ तथा मनुज शर्मा आदि शामिल हैं। इसे करण डर्रा निर्देशित कर रहे हैं।

(पहली सीरीज़ की शूटिंग 20 अगस्त से प्रारंभ होगी)

पॉडकास्ट शो पर पहली बार आए मिशेल और बराक ओबामा

पॉडकास्ट प्लेटफॉर्म पर अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला मिशेल ओबामा ने अपने वार्तालाप में परिवार, मित्र तथा सहयोगियों को उनके साथ संबंधों के दायरे में याद किया। उनके अनुसार आपके मित्रों, परिवार तथा सहयोगियों का आपके जीवन पर गहरा असर होता है। द मिशेल ओबामा पॉडकास्ट में उन्होंने एक अंतरंग वार्तालाप में जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने, अपनी विरासत तथा बेटियों– साशा तथा मालिया, के लिए कैसा विश्व छोड़कर जाना चाहती हैं। इसके अलावा उन्होंने युवाओं तथा राजनीति के आपसी संबंधों तथा ओबामा की चिरस्थायी सकारात्मकता पर खुल कर बात की।

प्रस्तुत हैं इस शो के पहले एपिसोड की झलकियां–

ओबामा से प्यार कैसे कर बैठीं मिशेल

मिशेल ओबामा: जैसा कि आपको पता है कि आपने राजनीति में जो भी किया लेकिन एक व्यक्ति के बारे तौर पर मैं आपके बारे में जो जानती हूं, ऐसे में आपसे प्यार करने के पीछे क्या कारण हो सकता है...

बराक ओबामा: कुछ भी हो लेकिन ये मेरी सूरत तो नहीं हो सकती... लेकिन कोई बात नहीं...

मिशेल: आप बहुत प्यारे हैं... लेकिन आपसे प्यार करने का जो कारण था वो ये था कि आप इस सिद्धांत को मानते हैं कि हम एक दूसरे के भाई और बहनों के सेवक हैं। मैं भी ऐसे ही वातावरण में बड़ी हुई हूं।

एक साथ क्वारंटीन होने पर

मिशेल: क्वारंटीन में अधिकांश अमेरिकी की तरह ही हम भी काफी समय एक दूसरे के साथ बिता रहे हैं।

बराक: आप इसे लेकर बहुत खुश नहीं हो सकते, जिस तरह से उसने ये कहा है, आप इसे लेकर अधिक खुश नहीं दिख सकते।

मिशेल: ये सही है

बराक़: (हंसते हैं)

मिशेल: ये कोई राय नहीं थी हम तो ऐसे ही साथ रह ही रहे थे...

बराक़: मुझे ये अच्छा भी लग रहा है।

मिशेल: हां, मेरा भी अच्छा समय बीत रहा है। लेकिन इस बीच हमनें कई रोचक विषयों पर बात की है क्योंकि ये ऐसा ही विचित्र समय है।

ओबामा सामुदायिक संगठनकर्ता क्यों बने

बराक़: जब मैं स्कूल गया तब ये पता लगा कि मैं अपनी ही सफलता का अनुसरण करें तो एक प्रकार से मैं एकाकी और उदास हो जाऊंगा।

मिशेल: ये सही है।

बराक़: यही कारण है कि मैं सामुदायिक संगठन में चला गया। जब मैंने अपने जीवन के लक्ष्य के बारे में सोचा तो मुझे सिविल राइट्स कर्मियों तथा स्वतंत्रता हेतु लिखने वालों के कार्य दिखाई पड़े। मैंने सोचा कि ये तो कठिन तो है लेकिन एकाकी और अकेलापन तो इसमें नहीं होगा।

युवाओं में राजनीति के प्रति उदासीनता पर

मिशेल: मेरे लिए चिंता का एक ही कारण है लेकिन मैं जब युवाओं को लेकर कुछ सोचती हूं तो ये कि उनका पालनपोषण, उनके क्या मूल्य हैं और उनके अनुभव कैसे हैं, उनके प्रश्न क्या हैं, आदि के बारे में अवश्य सहमत रहती हूं। अर्थव्यवस्था में जो बदलाव हो रहे हैं वो उन्हें कुछ प्रश्न पूछने को बाध्य करता है, इससे मुझे आशा बंधती है। लेकिन मैं जिस बात से चिंतित हूं वो ये है जो मैं सुनती हूं कि कई लोग जो वोटिंग और राजनीति की सार्थकता पर भी सवाल खड़े करने से नहीं हिचकते।

बराक़: आंशिक रूप से तो ये है क्योंकि उन्हें वैसा ही बताया गया है। हर दिन ऐसा संदेश जाता है कि सरकार काम ही नहीं कर रही। एक सरकार ने जो कुछ भी अतीत में किया होता है वे उसे सहजता से हल्के में ले लेते हैं।

मिशेल: ये सही है।

बराक़: एक प्रकार से तो हम उस निवेश पर ही काम चला रहे हैं जो हमारी महान पीढ़ी ने किया था।

मिशेल: मैं सदैव एक जोक कहा करती हूं। और मैंने हमेशा ये कहा है कि राष्ट्रपति बनने में सबसे बड़ी चुनौती ये है कि आपके पास मार्केटिंग हेतु कोई ढांचा नहीं होता।

बराक़: जी हां।

मिशेल: एक औसत युवा को पता होता है कि दाल और अनाज आदि में वे क्या खाते हैं।

बराक़: सही बात है।

मिशेल: एक औसत युवा व्यक्ति को अपनी अनाज और दालों तथा कार आदि के बारे में अधिक पता होता है, उन्हें अक्सर ये पता नहीं होता कि सरकार उनके लिए क्या-क्या करती है। क्योंकि सरकार के पास मार्केटिंग का बजट नहीं होता। इस संबध में एक गाना भी है

बराक़: (हंसते हुए) उन्हें बस एक ही बार सरकार के कामों के बारे में पता चलता है और वो है...

मिशेल: जब वो कोई काम नहीं करती, सही है न ?

बराक़: इस बारे मे तो हमें अच्छा सबक मिल गया है

बेटियों को पालने और आदर्शवादी युवाओं पर

मिशेल: जब बात पिता द्वारा बेटियों को पालने की हो तो मेरे विचार से आज का औसत पिता मानता है कि लड़की जो चाहे कर सकती है। और वे इस प्रकार के संदेश डाइनिंग टेबल पर ही देते हैं।

बराक़: सही बात है।

मिशेल: पैरेंटिंग का एक और ढंग होता है। लेकिन जो बात हमनें की ही नहीं वो ये थी... कि हमने डाइनिंग टेबुल पर ये निर्णय किये तो अवश्य लेकिन उन्हें बोर्डरूम तक ले ही नहीं गए। हमनें अपना कार्यस्थल बदला ही नहीं। घर के बाहर की कोई भी चीज़ हमनें नहीं बदली।

बराक़: हमनें इसका संस्थाकरण नहीं किया।

मिशेल: हमने जो मूल्य अपनी इन पीढ़ियों को दिये, उन्हें संस्थागत रूप नहीं दिया। अब तो वे बस बड़े हो रहे हैं। उन्होंने डाइनिंग टेबल भी छोड़ दी और अब वे संसार में काफी आगे बढ़ चुके हैं। आज की दुनिया वैसी नहीं दिखती जैसा कि मेरे घर में बताया गया था। अब ये बात तो सही नहीं है।

बराक़: युवा हमेशा से आदर्शवादी रहे हैं। मेरे विचार से तो वे आज उस समय से अधिक आदर्शवादी हैं जब मैं बड़ा हो रहा था। लेकिन इसमें अंतर ये है कि उन्हें लगता है कि वे इसे सरकारी ढांचे तथा राजनीति के दायरे से बाहर जाकर इसे लागू कर सकते हैं। समस्या पता है क्या है? इसमें भी हमे एक अच्छा सबक मिल रहा है कि कुछ न कुछ तो ऐसा होता ही है कि हम अकेले नहीं कर सकते। एक सामान्य बात कहें तो हम केवल अपने से ही आधारभूत ढांचा नहीं बना सकते। हम किसी महामारी से अकेले नहीं निबट सकते।

(ये पॉडकास्ट स्पोटिफाइ पर देखा जा सकता है)

डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर प्रदर्शित की जाएगी

महेश भट्ट की सड़क 2

भाषा। मुंबई

आलिया भट्ट और आदित्य रॉय कपूर की अगली फिल्म सड़क 2 28 अगस्त को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर प्रदर्शित होगी। आलिया ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म के पोस्टर के साथ यह खबर साझा की। आलिया ने लिखा, सड़क 2 28 अगस्त को डिज्नी प्लस हॉटस्टार वीआईपी पर प्रदर्शन के लिए तैयार है। यह फिल्म महेश भट्ट की 1991 में निर्देशित पूजा भट्ट और संजय दत्त अभिनीत फिल्म सड़क की सीक्वल है। इस फिल्म के साथ महेश भट्ट लगभग दो दशक बाद निर्देशक की भूमिका में वापसी कर रहे हैं। वह पहली बार अपनी बेटी आलिया भट्ट के साथ काम कर रहे हैं। इस फिल्म में पूजा भट्ट और संजय दत्त अपनी भूमिकाओं में ही वापस आ रहे हैं। इस फिल्म में जीशू सेनगुप्ता, मकरंद देशपांडे, गुलशन ग्रोवर, प्रियंका बोस, मोहन कपूर और अक्षय आनंद भी नजर आएंगे। इस फिल्म का प्रदर्शन पहले 10 जुलाई को होना था, लेकिन कोरोना वायरस महामारी के मद्दनेजर इसे डिजिटल मंच पर प्रदर्शित किया जा रहा है।

अरेंज शादियों की नई परिभाषा गढ़ रहे जोड़े ऐसी शादियों में भी प्रेम पहली प्राथमिकता

भाषा। नई दिल्ली

परिवार की पसंद से या फिर दूर-दराज के रिश्तेदारों या जोड़ी मिलाने वालों की तरफ से ड्रॉइंग रूम, कॉफी की दुकानों या अन्य जगहों पर मिलकर और बैठकर तय कराई गई शादियों में भी अब लड़के-लड़कियों की पहली प्राथमिकता प्रेम बन गया है। भारत के सामाजिक ताने-बाने का अभिन्न हिस्सा माने जाने वाली अरेंज शादियों के, नेटफ्लिक्स के नए शो इंडियन मैचमैकिंग के साथ ही आलोचना के दायरे में आने के बाद, ज्यादा से ज्यादा जोड़े चाहते हैं कि शादी के लिए रजामंदी देने से पहले उनके बीच प्रेम हो जाए। समय बदल रहा है लेकिन धीरे-धीरे।

विवाह की अवधारणा के अब भी जाति, धर्म और रंग-रूप पर टिके रहने के बावजूद, परिवार की पसंद से होने वाली शादियों का ज्यादातर लड़कियों के लिए अब इतना भर मतलब नहीं रह गया कि वे होने वाले सास-ससुर और ससुराल पक्ष के लोगों का चाय की ट्रे और मिठाइयां परोसकर स्वागत करें और चुपचाप बैठी रहें जब तक कि वर पक्ष के लोग उनका मुआयना कर रहे हों।

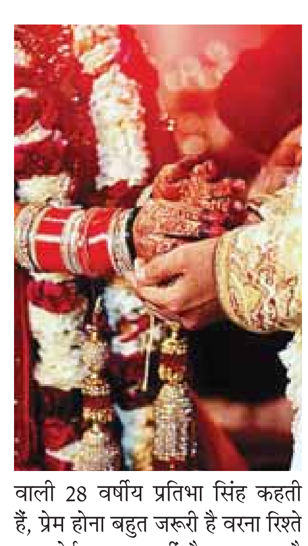

परिवार की पसंद से शादी करने वाली 28 वर्षीय प्रतिभा सिंह कहती हैं, प्रेम होना बहुत जरूरी है वरना रिश्ते का कोई मतलब नहीं है। यह सच है कि जब आप किसी के साथ रहना शुरू करते हैं तो आप उससे बहुत प्रेम करने लगते हैं लेकिन किसी रिश्ते में आगे बढ़ने से पहले कुछ आकर्षण, केमिस्ट्री और एक-दूसरे को समझने के लिहाज से मेल-मिलाप जरूरी है। सरकार की नियामक संस्था में काम करने वाली सिंह की एक केवल एक शर्त थी कि वह नौकरी नहीं छोड़ेंगी। उनके माता-पिता जाति वाली बात पर अड़े हुए थे लेकिन बाद में उनकी इच्छा के आगे झुक गए।

सिंह ने आदित्य फोगाट जो कि अब उनके पति हैं, उनको हां बोलने तक कम से कम 10 लड़कों से मुलाकात की थी। दोनों ने मुलाकात के 10 महीने के भीतर शादी कर ली थी लेकिन एक-दूसरे से प्यार होने के बाद ही। जहां भारतीय जोड़ी मिलान अब भी अरेंज शादियों से जुड़ी पुरानी परंपराओं का आइना ही है, वहीं जिन लोगों ने इस तरीके से हमसफर ढूंढ़ने को तवज्जो दी, उनका मानना है कि समय के साथ इन परंपराओं और तरीकों में कुछ बदलाव भी आए हैं। कई पुरुषों के लिए, अब पत्नी मेरी मां जैसी होनी चाहिए वाले विचार से बदलकर ऐसे हमसफर की तलाश हो गई है जो सामाजिक एवं आर्थिक रूप से उनके बराबर हों। परंपरा और आधुनिकता के बीच के अंतर को समझकर अपना रास्ता निकालने वाले लोगों का मनना है कि भावनात्मक और बौद्धिक मिलान, जाति जैसे सामाजिक कारकों से ऊपर है और एक जैसे लक्ष्य या आकांक्षाएं होना रंग-रूप और कद-काठी से ज्यादा जरूरी हैं। वायकॉम 18 द्वारा 2020 में किया गया एक सर्वेक्षण दिखाता है कि 400 भारतीय शहरों के 25 हजार से ज्यादा युवाओं में से 60 प्रतिशत ने कहा है कि उन्हें अरेंज विवाह स्वीकार्य है।

लोग मुझे तब तक स्वीकार नहीं करेंगे जब तक मैं कुछ खास नहीं करती : जान्हवी

भाषा। नई दिल्ली

अभिनेत्री जान्हवी कपूर का कहना है कि वह अपनी नई फिल्म गुंजन शर्मा: द कारगिल गर्ल को लेकर सोशल मीडिया पर अंदरूनी-बाहरी की बहस के बीच खुद को साबित करने के लिए कड़ी मेहनत करने को तैयार हैं।बोनी कपूर और दिवंगत श्रीदेवी की बेटी जाह्नवी ने कहा कि लोग उन्हें तब तक स्वीकार नहीं करेंगे जब तक कि वह असाधारण ना हो। उन्होंने कहा, आप या तो इससे दब जाएंगे या फिर इसमें उम्मीद की किरण देखेंगे। मुझे जो समझ आया है कि लोग मुझे तबतक स्वाकार नहीं करेंगे जबतक मैं कुछ खास ना करुं। यह बहुत अच्छा भी है क्योंकि उन्हें उम्मीद से कम से काम चलाना भी नहीं चाहिए। फिल्म गुंजन सक्सेना ... का ट्रेलर को जातीय नफरत की कई टिप्पणियां मिलीं। टिप्पणियां फिल्म पर नहीं बल्कि उन मुद्दों पर थी जिसने हिंदी फिल्म उद्योग में ध्रुवीकरण ला दिया है। यह पूछे जाने पर कि वह इस बहस को कैसे ले रही हैं तो 23 साल की जान्हवी ने कहा कि लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखना जरूरी है। गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान युद्ध क्षेत्र में उड़ान भरने वाली पहली महिला लड़ाकू विमान चालक गुंजन सक्सेना के जीवन पर आधारित है। यह 12 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित होगा।

फिल्म गुंजन सक्सेना ... के ट्रेलर को जातीय नफरत की कई टिप्पणियां मिलीं। टिप्पणियां फिल्म पर नहीं बल्कि उन मुद्दों पर थी जिसने हिंदी फिल्म उद्योग में ध्रुवीकरण ला दिया है। यह पूछे जाने पर कि वह इस बहस को कैसे ले रही हैं तो 23 साल की जान्हवी ने कहा कि लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखना जरूरी है।

मुगल-ए-आजम फिल्म के पर्दे के पीछे की कहानी बयां करती पुस्तक प्रकाशित

भाषा। नई दिल्ली

बॉलीवुड की सुप्रसिद्ध फिल्मों में से एक मुगल-ए-आजम की 60वीं वर्षगांठ के मौके पर प्रकाशित एक नई पुस्तक में फिल्म के निर्माण के समय के दिलचस्प किस्से बयां किए गए हैं। मंजुल पब्लिशिंग हाउस ने कहा कि राजकुमार केसवानी द्वारा लिखित दास्तान-ए-मुगल-ए-आजम नामक इस पुस्तक में फिल्म के निर्माण से जुड़ी खट्टी-मीठी, हंसाने-रुलाने, प्यार मोहब्बत और तकरार, जोश और जुनून की कहानियां बयां की गई हैं।

के. आसिफ के निर्देशन में बनी यह फिल्म पांच अगस्त 1960 को पर्दे पर आई थी। इसे हिंदी सिनेमा की बेहतरीन फिल्मों में से एक माना जाता है। फिल्म में दिलीप कुमार, मधुबाला और पृथ्वीराज कपूर ने शानदार अभिनय किया था।

अंग्रेजी साहित्य के प्रख्यात विद्वान अमरेश दत्ता नहीं रहे

डिब्रूगढ़। प्रख्यात शिक्षाविद और शेक्सपियर साहित्य के विद्वान अमरेश दत्ता का असम के डिब्रूगढ़ जिले में बृहस्पतिवार को उम्र संबंधी बीमारी के कारण निधन हो गया। परिवार के सदस्यों ने बताया कि वह 102 वर्ष के थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और पांच पुत्र हैं। उन्होंने बताया कि दत्ता ने डिब्रूगढ़ विवि, गुवाहाटी विवि और सागर विवि के अंग्रेजी भाषा विभागों में प्रोफेसर के पद पर शिक्षण कार्य किया था। परिवार के सदस्यों ने बताया कि वह गुवाहाटी विश्वविद्यालय में 20 वर्ष पढ़ाने के बाद 1980 में सेवानिवृत्त हुए थे। उनके योगदान के लिए उन्हें एमेरिटस प्रोफेसर का सम्मान दिया गया था। दत्त, शेक्सपियर साहित्य के विशेषज्ञ माने जाते थे। मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने दत्त के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि साहित्य में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

नदियों में एंटीबायोटिक के प्रभाव का होगा अध्ययन

भाषा। लंदन

विनिर्माण संयंत्रों से निकलने वाले एंटीबायोटिक का भारत की नदियों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करने के लिए भारतीय और ब्रिटिश विशेषज्ञ साथ मिलकर काम करेंगे। बर्मिंघम विश्वविद्यालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। विश्वविद्यालय ने कहा कि दोनों देशों के वैज्ञानिक, नदियों में गिरने वाले एंटीबायोटिक का संक्रामक रोगों के फैलने पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करेंगे। बर्मिंघम विश्वविद्यालय और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हैदराबाद के विशेषज्ञों को अनुसंधान के लिए 12 लाख पाउंड के अतिरिक्त भारत से अनुदान दिया गया है। इस अनुसंधान से यह पता लगाया जाएगा कि भारत की नदियों में मौजूद एंटीबायोटिक का रोगाणुओं पर क्या प्रभाव पड़ता है।

परियोजना में शामिल बर्मिंघम विश्वविद्यालय के डॉ. जान केफ्ट ने कहा, हम नहीं जानते कि पर्यावरण में एंटीबायोटिक पदार्थ कितनी जल्दी नष्ट होते हैं और वर्षा के कारण और नदियों में जाकर कितना घुलते हैं। हमारी परियोजना में हम इसका पता लगाएंगे कि कारखानों से निकलने वाले एंटीबायोटिक का नदियों में मौजूद बैक्टीरिया पर क्या प्रभाव पड़ता है। हम इस पर अनुसंधान करेंगे कि एंटीबायोटिक नदियों के साथ कितनी दूर तक बहकर जाते हैं और बाढ़ आने पर उनका विस्तार कहां तक होता है। इससे हम यह जान पाएंगे कि जलाशयों में एंटीबायोटिक की कितनी मात्रा सुरक्षित और कितनी खतरनाक हो सकती है। परियोजना के तहत भारतीय और ब्रिटिश विशेषज्ञ हैदराबाद की मुसी नदी और चेन्नई की अडयार नदी पर अनुसंधान करेंगे।